दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति   3 | राजधानी   7 | आंचलिक   12 | देश-विदेश

रांची मंगलवार, 12 मई, 2026, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष दशमी, विक्रम संवत-2084 वर्ष-11 अंक-26 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

यह बेतुकी बात है कि एक आदमी दूसरों पर शासन करे, जो खुद पर शासन नहीं कर सकता।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:09

अस्त : 06:22

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	35.0	20.0
जमशेदपुर	36.0	25.0
हजारीबाग	34.0	20.0
डालटनगंज	41.0	28.0

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में बारिश व वज्रपात को लेकर 16 तक येलो अलर्ट

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में 16 मई तक बारिश और वज्रपात की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं विभाग की ओर से 12 और 13 मई को बारिश और वज्रपात के साथ 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 12 मई को राज्य के जिन जिलों बारिश और वज्रपात होने की संभावना है उनमें रांची, खूंटी, रामगढ, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताडा, दुमका, पाकुड, गोडडा और साहेबगंज शामिल है। वहीं 13 मई को रांची, खूंटी, रामगढ, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताडा और दुमका में बारिश के साथ वज्रपात होने की संभावना है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक बारिश रांची में दर्ज की गई। इसके अलावा राज्य के जिन अन्य इलाकों में बारिश रिकॉर्ड की गई उनमें नामकुम में 15 मिमी, खूंटी में 11 मिमी, आनंदपुर में 08 मिमी, बंदगांव में 04.2, गोला में 3.4 और मांडु में 2.8 मिमी शामिल है। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 37.8 डिग्री डालटेनगंज में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रांची के कांके में रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और कड़ी धूप रही। इससे दिनभर गर्मी और उमस महसूस की गई। वहीं, सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 19.6 डिग्री, जमशेदपुर में 34.5 और न्यनतम 24.6 डिग्री, डालटनगंज में अधिकतम 39 डिग्री और न्यूतनतम 25.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

देश में गंभीर आर्थिक संकट. पहले हैदराबाद व अब बड़ोदरा से : 24 घंटे में पीएम मोदी ने दूसरी बार की ये खास अपील

पेट्रोल-डीजल बचाएं, सोने के गहने न खरीदें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार देशवासियों से की अपील को दोहराया है। उन्होंने गुजरात के वडोदरा में कहा कि पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल जितना हो सके उतना कम करें। सोने की गैरजरूरी खरीद न करें और वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता दें। पीएम मोदी ने कार पूलिंग करने और इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल करने की भी अपील की।

वर्चुअल मीटिंग पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा,'डिजिटल टेक्नोलॉजी ने अब इतनी सारी चीजें आसान बना दी हैं कि टेक्नोलॉजी की मदद हमारे लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। यह जरूरी है कि सरकारी और प्राइवेट, दोनों तरह के दफ्तरों में वर्चुअल मीटिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' को प्राथमिकता दी जाए। देश का बहुत सारा पैसा सोने के आयात पर विदेश चला जाता है। इसलिए, मैं आप सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं, तब तक सोने की खरीदारी टाल दें। आज समय की मांग है कि हम 'वोकल फॉर लोकल' को एक जन-आंदोलन बना दें। विदेशी सामान के बजाय, स्थानीय उत्पादों को अपनाएं। अपने गांव, अपने शहर और अपने देश के उद्यमियों को सशक्त बनाएं।'

कारपूलिंग को बढ़ावा दें

मैं अपने देश के हर नागरिक से अपील करता हूं कि वे पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल जितना हो सके कम करें। मेट्रो का इस्तेमाल करें, इलेक्ट्रिक बसों और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें और कारपूलिंग को बढ़ावा दें। जिनके पास कार है, उन्हें एक ही गाड़ी में ज्यादा लोगों को साथ ले जाना चाहिए।

अस्थिर परिस्थितियों से गुजर रही दुनिया

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ सालों से दुनिया लगातार अस्थिर परिस्थितियों से गुजर रही है। पहले कोविड का संकट, फिर वैश्विक आर्थिक चुनौतियां और अब पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव। इन सभी स्थितियों का असर लगातार पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। अगर कोविड महामारी इस सदी का सबसे बड़ा संकट थी, तो पश्चिम एशिया में युद्ध से पैदा हुई परिस्थितियां इस दशक के बड़े संकटों में से एक हैं। जब हमने मिलकर कोविड की चुनौती का सामना किया, तो हम निश्चित रूप से इस संकट से भी पार पा लेंगे। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है कि देश के लोगों पर इसका असर कम से कम हो।

देश के संसाधनों का बोझ कम करें

युद्ध का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पहले के दशकों में भी, जब भी देश किसी युद्ध या किसी अन्य बड़े संकट से गुजरा है, तो सरकार की अपील पर हर नागरिक ने उसी तरह अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आज भी, हम सभी को एक साथ आने और देश के संसाधनों पर बोझ कम करने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। भारत विदेशों से कई चीजें मंगाने पर लाखों-करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा खर्च करता है। साथ ही, बाहर से आने वाली चीजों की कीमतें भी तेजी से बढ़ रही हैं, दुनिया भर में सप्लाई चेन भी बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

मायने रखता है छोटा-बड़ा प्रयास

पीएम मोदी ने आगे कहा कि जिस तरह हर एक बूंद से घड़ा भरता है, उसी तरह हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है। हमें विदेशों से आने वाली चीजों का इस्तेमाल कम करना चाहिए और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बाहर से आने वाली चीजों पर बेवजह निर्भरता से बचना चाहिए, और साथ ही ऐसी निजी गतिविधियों से भी बचना चाहिए जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती हो।

रेल आईजी और डीआईजी ने दिया निर्देश

मानव तस्करी को रोकने के लिए खुफिया तंत्र मजबूत करें

रांची। झारखंड में रेल पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोमवार को रेल पुलिस के वरीय अधिकारियों की ओर से हटिया रेल थाना का औचक निरीक्षण किया गया। रेल आईजी माइकलराज एस और डीआईजी आलोक प्रियदर्शी ने संयुक्त रूप से हटिया रेल थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वरीय अधिकारियों ने थाने में तैनात पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों से केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए तीन नए कानूनों की प्रगति और समझ पर चर्चा की। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि पुलिस बल इन कानूनों के प्रावधानों से पूरी तरह अवगत है, ताकि अनुसंधान और कानूनी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो।

चलती ट्रेनों और स्टेशन परिसर में सुरक्षा को लेकर आईजी और डीआईजी ने यात्रियों के साथ होने वाली डिजिटल धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए सजगता पर जोर दिया। इसके अलावा ट्रेनों के माध्यम से होने वाले बच्चों और महिलाओं की तस्करी को रोकने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत करने का भी निर्देश दिया। साथ ही नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाने को कहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेल पुलिस का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को भयमुक्त वातावरण देना है।

बीसीजी टीका लगने के बाद तीन दिन के नवजात की मौत, लापरवाही का आरोप

जमशुदपेर। एमजीएम थाना क्षेत्र डिमना चौक स्थित कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी एमजीएम अस्पताल में सोमवार को तीन दिन के नवजात शिशु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद हड़कंप मच गया। मानगो गुरुद्वारा बस्ती निवासी बिट्टू रवानी के बेटे की मौत को लेकर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बीसीजी टीका लगाए जाने के बाद बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ गई और कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे नवजात को नियमित टीकाकरण के लिए एमजीएम अस्पताल लाया गया था। करीब 11:15 बजे अस्पताल में बच्चे को बीसीजी का टीका लगाया गया। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर घर लौट गए। परिवार का आरोप है कि घर पहुंचने के कुछ देर बाद बच्चे की धड़कन महसूस नहीं हुई और उसका शरीर नीला पड़ने लगा। घबराए परिजन तत्काल बच्चे को लेकर दोपहर करीब 3 बजे एमजीएम अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

तारीख पर तारीख सिर्फ जजों की गलती नहीं, सरकार और पुलिस भी जिम्मेदार : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जिला अदालतों में लम्बित आपराधिक मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि तारीख पर तारीख वाली स्थिति के लिए केवल न्यायिक अधिकारी जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि राज्य सरकार और पुलिस तंत्र की कमियां भी इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

जस्टिस अरुण कुमार देशवाल की पीठ ने बॉलीवुड फिल्म दामिनी के मशहूर संवाद तारीख पर तारीख, मिलती है तो सिर्फ तारीख का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आम लोगों की न्याय व्यवस्था के प्रति धारणा को दर्शाता है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त स्टाफ, पुलिस सहयोग और समय पर फॉरेंसिक रिपोर्ट के बिना कोई न्यायिक अधिकारी प्रभावी ढंग से मामलों का निपटारा नहीं कर सकता। कोर्ट ने मेवालाल प्रजापति की याचिका पर आदेश पारित कर कहा कि कई युवा और ईमानदार न्यायिक अधिकारी न्याय देने के उद्देश्य से सेवा में आते हैं, लेकिन स्टाफ की भारी कमी, समन और वारंट के क्रियान्वयन में पुलिस की लापरवाही, खराब जांच और दोषपूर्ण एफ एस एल रिपोर्ट के कारण वे प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाते। इससे उनमें निराशा पैदा होती है। यह टिप्पणी अदालत ने एक हत्या आरोपित की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की। मामले में खून से सना पेचकस बरामद हुआ था, लेकिन जांच अधिकारी ने फॉरेंसिक साइंस लैब से डीएनए मिलान की जांच ही नहीं कराई कि खून मृतक का था या नहीं। इस गंभीर जांच त्रुटि को देखते हुए अदालत ने पहले उत्तर प्रदेश के डीजीपी, गृह सचिव और एफ एस एल निदेशक को तलब किया था। सुनवाई के दौरान निदेशक ने बताया कि राज्य की 12 लैब में से केवल 08 में डीएनए प्रोफाइलिंग की सुविधा है और वहां भी स्टाफ व आधुनिक मशीनों की भारी कमी है। कोर्ट को यह भी बताया गया कि उत्तर प्रदेश एफ एस एल पुलिस विभाग के अधीन काम करता है और प्रशासनिक स्वतंत्रता न होने के कारण उपकरण खरीदने और स्टाफ नियुक्त करने में दिक्कत आती है।

अदालत ने कहा कि लम्बित मामलों की बड़ी वजह जिला अदालतों में स्टेनोग्राफर, डिपोजिशन राइटर और अन्य कर्मचारियों की कमी, पुलिस द्वारा अदालत की प्रक्रियाओं का पालन न करना और एफ एस एल रिपोर्ट में देरी है। महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि इन व्यवस्थागत देरी के कारण कई अपराधी बिना किसी डर के अपराध करते रहते हैं और उनमें से कई विधायक, सांसद और मंत्री तक बन जाते हैं। अदालत ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के 49 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले लम्बित हैं, जिनमें 44 प्रतिशत गंभीर आपराधिक मामलों से जुड़े हैं।

कोर्ट ने यह भी चिंता जताई कि उत्तर प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी उपलब्ध नहीं कराए जाते, जबकि पंजाब और हरियाणा में यह सुविधा है। अदालत ने कहा कि अपराधियों से खुलेआम धमकियां मिलने के कारण जजों के लिए निर्भीक होकर काम करना मुश्किल हो जाता है। इन परिस्थितियों में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस को कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। अदालत ने जिला अदालतों में अतिरिक्त स्टाफ और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने, एफ एस एल को गृह विभाग के तहत स्वायत्त संस्था बनाने, एक वर्ष के भीतर एफ एस एल में रिक्तियां भरने और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कोर्ट ने दिये निर्देश

कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने का प्रशिक्षण देने, जिला जजों की अध्यक्षता वाली मॉनिटरिंग सेल बैठकों में पुलिस प्रमुखों की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने और जांच अधिकारियों को डीएनए मिलान संबंधी रिपोर्ट अनिवार्य रूप से लेने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा अदालत ने पुलिस को बीएनएसएस नियम, 2024 और ई-प्रोसेसेस रूल-2026 के तहत ई-समन, ई-वॉरंट और डिजिटल प्रक्रियाओं को लागू करने के निर्देश दिए। अदालत ने गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए स्पीच टू-टेक्स्ट ए आई तकनीक लागू करने की भी बात कही। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने आदेश की प्रति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी भेजने का निर्देश दिया ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पूर्व तैयारी

आपदा से निपटने की तैयारी, सूखे की स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाना प्राथमिकता : कुलपति

मॉनसून में कम बारिश हुई तो खेत न छोड़ें किसान, है कंटिजेंट प्लान

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से इस साल झारखंड समेत देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश की आशंका जाहिर की गई है। ऐसी स्थिति के निपटने के लिए कृषि विभाग की ओर से अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई है।

इसी क्रम में सोमवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन हुआ, जिसमें सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों ने आने वाले मौसम को ध्यान में रखते हुए जिलों में किए जा रही तैयारियों को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बतलाया। आने वाले मौसम में यदि राज्य में सूखे की आशंका बनती है तो, जिलों में किस प्रकार की तैयारियां की जा रही है इससे अवगत कराया।

बिरसा विश्वविद्यालय के कुलपति एससी दुबे ने कर्मशाला में सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी कि प्राकृतिक आपदा (सूखे की स्थिति) में किस प्रकार की तैयारी करें कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा राहत पहुंचा सकें। उन्होंने बतलाया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह तक सभी तैयारियां और प्लान सुनिश्चित कर लें। बीज वितरण को प्राथमिकता के साथ लें। नर्सरी प्रबंधन पर फोकस करें। इंटरक्रॉपिंग भी साथ-साथ करें। सूखे की यदि थोड़ी भी संभावना दिखे तो उसे देखते हुए यूरिया का प्रयोग सावधानी के साथ करें। सॉइल कांजेर्वेशन और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता दें। बागवानी भी साथ-साथ में करें। आम-लीची के पेड़ लगायें। पानी की कमी है तो खेत खाली ना छोड़े बल्कि खरीफ सब्जी लगायें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि झारखंड में किसानों की आय बढ़ानी है तो सिर्फ. खेती पर निर्भर ना रहें बल्कि किसानों को पशुपालन के लिए भी प्रेरित करें।

मानसून के मद्देनजर सभी तैयारियां करें सुनिश्चित

उपनिदेशक, सांख्यिकीय शैलेन्द्र कुमार ने कहा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया है कि राज्य में यदि सूखे की स्थिति बनती है तो इस मद्देनजर सभी स्तर पर व्यापक तैयारियां सुनिश्चित किया जाए। सूखे की स्थिति में अन्य विकल्पों पर कार्य करें। कृषि विभाग से जुड़े सभी प्रभाग को बेहतर समन्वय बनाते हुए सभी तैयारियां रखें ताकि किसी भी प्रकार की आपदा से निपटा जा सके और राज्य के किसानों को राहत मिल सके। इन सभी पर आकस्मिक योजना की जानकारी देने हेतु 11 एवं 12 मई को दो दिवसीय कर्मशाला का आयोजन किया जा रहा है। जहां पहले दिन सोमवार को कंटीजेंट प्लान (आकस्मिक योजना) पर प्रेजेंटेशन दिया गया और मंगलवार को दूसरे दिन कर्मशला का आयोजन होगा।

विभिन्न जिलों के कृषि पदाधिकारियों ने बतलाया कांटीजेंट प्लान

रांची के जिला कृषि पदाधिकारी राम शंकर प्रसाद सिंह रांची जिला के कंटिजेंट प्लान को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में की जा रही तैयारियों को बतलाया। इन्होंने कहा कि यदि राज्य में सूखे की स्थिति बनती है तो उस मुताबिक हमलोगों ने कांटीजेंट प्लान (आकस्मिक योजना) तैयार किया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी खूंटी हरिकेश ने खूंटी जिला में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए बनायी गई आकस्मिक योजना की जानकारी एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। इसके अलावा राज्य के सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों ने अपने- अपने जिलों में की जा रही तैयारियों की जानकारी दी।

नपा भर्ती घोटाले में बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस गिरफ्तार

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में सोमवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व दमकल मंत्री और बिधाननगर के पूर्व विधायक सुजीत बोस को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 11 बजे सुजीत बोस पूछताछ के लिए सॉल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय पहुंचे थे। इसके बाद एजेंसी ने उनसे लगभग 10 घंटे तक लगातार पूछताछ की। लंबी पूछताछ के बाद सोमवार शाम उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के तहत की गई है। इससे पहले भी एक मई को सुजीत बोस ईडी के सामने पेश हुए थे। चुनाव के दौरान वह कई बार एजेंसी के समन से अनुपस्थित रहे थे, जिसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर उन्होंने एजेंसी के समक्ष हाजिरी दी थी। जांच की शुरूआत एसएससी भर्ती घोटाले के दौरान हुई थी, जब अयन शील नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उसके कार्यालय से कई ओएमआर शीट बरामद हुई थीं। उसी जांच के दौरान कई नगर पालिकाओं में भर्ती में अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर धन लेन-देन की जानकारी सामने आई थी।

संक्षिप्त खबरें

रांची से लापता डेढ़ साल की बच्ची की तलाश तेज, 50 हजार रुपये का इनाम घोषित

रांची। रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित कोकर के खोरहा टोली से लापता हुई 18 महीने की मासूम बच्ची अदिति पांडे की तलाश में रांची पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। बच्ची के बारे में जानकारी देने वाले को पुलिस की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। रांची पुलिस ने बच्ची की सकुशल बरामदगी के लिए आम लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस का कहना है कि बच्ची से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। बच्ची के संबंध में जानकारी देने के लिए पुलिस ने चार मोबाइल नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों पर सीधे संपर्क कर सूचना दी जा सकती है। रांची एसएसपी : 9431706136* सिटी एसपी : 9431706137* सदर डीएसपी : 9431102090* सदर थाना प्रभारी : 9431706160

इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) केवी रमण ने सोमवार को बताया कि रांची पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार जांच और छापेमारी कर रही है। बच्ची की तलाश के लिए विभिन्न इलाकों में अभियान चलाया जा रहा है और पुलिस हर संभावित पहलू पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची की सुरक्षित बरामदगी के लिए आम लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं बच्ची दिखाई दे या उससे जुड़ी कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। अदिति पांडे के लापता होने की घटना के बाद पूरे इलाके में चिंता का माहौल है। पुलिस लगातार अलर्ट मोड में काम कर रही है और बच्ची को जल्द से जल्द खोज निकालने के प्रयास जारी हैं।

नर्स दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवा केन्द्र चौधरी बगान हरमू रोड राँची में नर्स दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेदांता हॉस्पिटल की नर्स एटेन ने कहा हर दिन, नर्सें जीवन बचाती हैं और जीवन को बेहतर बनाती हैं। नर्सों में सहानुभूति, उत्कृष्ट संचार, बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता होती है। वे त्वरित समस्या समाधान के लिए तत्पर रहती हैं। दबाव में भी शांत रहती हैं और भावनात्मक रूप से मजबूत होने के साथ साथ नैतिक रूप से ईमानदार भी होती हैं। परंतु आज के दौर में इन गुणों के साथ काम करने में कई प्रकार के दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हमारी नर्सों को अपने इन गुणों को बनाये रखने में राजयोग का अभ्यास मदद करता है। मरीजों के दर्द को समझना और उन्हें भावनात्मक सहारा देने के लिए नर्सों को सर्व प्रथम स्वयं को सशक्त बनाना होगा। हर्षित हॉस्पिटल की नर्स शोभा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब हर तरह की सेवाएँ दे रही हैं जो बहुत ही सराहनीय है। समय साक्षी है कि कोविड के समय जहां मरीजों के अपने सगे संबंधी पास नहीं आते थे तब भी नर्स बहनों ने अपने जान की परवाह न करते हुए अपनी सेवाएँ दी हैं।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण पर हाई कोर्ट सख्त

मंदिर परिसर के पुनर्वास व सुरक्षा व्यवस्था पर मांगी रिपोर्ट

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) वर्चुअल माध्यम से अदालत में उपस्थित हुए और मंदिर परिसर से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास समेत श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी।

उपायुक्त ने अदालत को बताया कि मंदिर परिसर से हटाए गए 254 वेंडरों को पहले मंदिर के निकट अस्थायी रूप से पुनर्वासित किया जाएगा। इसके बाद उनके लिए दुकानें बनाकर स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी भी दुकानदार को आजीविका संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने यह भी बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में दरी बिछाने और पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही वन भूमि पर अवैध कब्जा कर दुकान चला रहे लोगों को हटाया जाएगा। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग मंदिर के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों में किया जाएगा।

सुनवाई के दौरान उपायुक्त ने रजरप्पा मंदिर के पुनर्निर्माण से संबंधित मास्टर प्लान अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया। इस पर न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित करते हुए उस दिन भी उपायुक्त को उपस्थित रहने का निर्देश दिया।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई। न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए दो स्तरों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि तत्काल लो-लेवल बैरिकेडिंग की जाए, जबकि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए हाई-लेवल बैरिकेडिंग की अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता भारत कुमार ने अदालत में पक्ष रखा।

उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में जल संसाधन विभाग के सचिव ने अदालत को बताया था कि भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बैरिकेडिंग का डीपीआर तैयार किया गया है।

दरअसल, उच्च न्यायालय ने पूर्व में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए थे। अदालत ने कहा था कि मंदिर के समीप स्थित भैरवी नदी तट पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

प्रार्थी ने अवमानना याचिका दायर कर 11 अगस्त 2023 को पारित आदेश के अनुपालन की मांग की है। उस आदेश में उच्च न्यायालय ने झारखंड सरकार, पर्यटन विभाग, झारखंड पर्यटन विकास निगम और रामगढ़ जिला प्रशासन को कई अनिवार्य निर्देश दिए थे।

इन निर्देशों में मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, स्थायी स्नान घाटों का निर्माण, वस्त्र बदलने के कक्ष, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराना, अतिक्रमण हटाना तथा नदी के चौड़ीकरण जैसे कार्य शामिल हैं।

जेएसएससी शिक्षक नियुक्ति मामलाः हाई कोर्ट में सरकार व आयोग की अपील पर 10 जून को होगी सुनवाई

रांची। स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 नियुक्ति मामले में मीना कुमारी से जुड़ी याचिका पर राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से दायर अपील (एलपीए) पर झारखंड उच्च न्यायालय में अब 10 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान सरकार और जेएसएससी की ओर से अपील पर शीघ्र सुनवाई करने का आग्रह किया गया।

जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने उच्च न्यायालय में पक्ष रखा। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ को बताया कि इस मामले में उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने अपने मूल आदेश में संशोधन कर दिया है, जबकि उस आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई पहले से लंबित है।

खंडपीठ को यह भी बताया गया कि एकल पीठ ने अपने संशोधित आदेश में फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के नए अध्यक्ष के रूप में न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की नियुक्ति की है। इसके बाद फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने मामले की सुनवाई भी शुरू कर दी है।

जेएसएससी और राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि जब इस मामले से संबंधित अपील खंडपीठ में लंबित है, तब समानांतर रूप से फैक्ट फाइंडिंग कमीशन में सुनवाई जारी रखना उचित नहीं है। उच्च न्यायालय के ग्रीष्मावकाश के दौरान भी फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने 16 मई को अगली सुनवाई निर्धारित की है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 10 जून को तय की है।

इसी बीच, डोरंडा स्थित पुराने उच्च न्यायालय भवन में वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान सरकार और जेएसएससी की ओर से मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। हालांकि कुछ दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी न्यायालय के समक्ष पेश की गई, लेकिन कमीशन ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने सरकार और जेएसएससी को अंतिम अवसर देते हुए निर्देश दिया कि मांगे गए दस्तावेज 16 मई से पहले शपथ पत्र के साथ दाखिल किए जाएं। सुनवाई के दौरान माध्यमिक शिक्षा निदेशक और जेएसएससी के उपसचिव बशीर अहमद भी न्यायालय में उपस्थित रहे।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, अमृतांश वत्स सहित अन्य अधिवक्ताओं ने पक्ष रखा।

ट्रेजरी घोटालाः भाजपा ने की व श्वेत पत्र सीबीआई जांच की मांग

रांची। झारखंड में सामने आए कथित ट्रेजरी घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने सोमवार को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों से ट्रेजरी के माध्यम से करोड़ों रुपये की अवैध निकासी की जो जानकारी सामने आ रही है, वह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। आदित्य साहू ने कहा कि यह मामला संयुक्त बिहार के चर्चित पशुपालन घोटाले की याद दिलाता है और इसकी गंभीरता उससे भी अधिक हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि महालेखाकार (सीएजी) की रिपोर्ट से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि अनियमितताओं का दायरा काफी व्यापक है और इसमें केवल निचले स्तर के कर्मचारी ही नहीं, बल्कि प्रणाली से जुड़े प्रभावशाली लोगों की भूमिका भी हो सकती है। भाजपा ने राज्य सरकार की अब तक की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी अध्यक्ष का कहना है कि सरकार केवल औपचारिक कदम उठाकर मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ छोटे कर्मचारियों या पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी दिखाकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है, जबकि इस मामले में निष्पक्ष और व्यापक जांच की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में भाजपा ने राज्य सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की भी मांग की है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि किन जिलों में कितनी अवैध निकासी हुई, महालेखाकार ने किन अनियमितताओं की ओर संकेत किया और अब तक किन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री से पांच प्रमुख सवालों के जवाब भी मांगे हैं। इनमें विभिन्न जिलों में दर्ज मामलों की जांच की स्थिति, ई-कुबेर पोर्टल में कथित छेड़छाड़, डीडीओ और ट्रेजरी अधिकारियों की भूमिका, ऑडिट प्रक्रिया तथा जांच समितियों की समयसीमा जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन अधिकारियों पर वित्तीय निगरानी और ऑडिट की जिम्मेदारी थी, वे ही अब सवालों के घेरे में हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सुरेंद्रनाथ सेनटेनरी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया एचईसी का शैक्षणिक भ्रमण

रांची। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर सुरेंद्रनाथ सेनटेनरी स्कूल की कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों ने सोमवार को हेवी इंजीनियर्स कॉर्पोरेशन (एचईसी) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने औद्योगिक मशीनों और उत्पादन प्रक्रिया को करीब से समझा।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक धीरज कुमार और शिक्षिका शिल्पी कुमारी के नेतृत्व में भ्रमण में भाग लिया। शिक्षक धीरज कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को एचएमबीपी प्लांट का अवलोकन कराया गया, जहां उन्होंने विभिन्न औद्योगिक मशीनों और उनकी कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा एवं समझा।

वहीं, शिक्षिका शिल्पी कुमारी ने जानकारी दी कि छात्रों को शीयरिंग मशीन, सीएनसी मशीन, फर्नेस, ड्रिलिंग मशीन, वेल्डिंग यूनिट, हाइड्रोलिक प्रेस और लेथ मशीन जैसी आधुनिक मशीनों के संचालन एवं उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।

भ्रमण के दौरान एचईसी के अभियंताओं और तकनीकी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मशीनों की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा औद्योगिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। तकनीकी गतिविधियों को देखकर विद्यार्थियों ने उत्साह व्यक्त किया और विशेषज्ञों से कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ। इससे छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक पक्ष को समझने के साथ-साथ औद्योगिक वातावरण से परिचित होने का अवसर मिला।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और एचईसी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

ग्रेट समर सेल में ग्रॉसरी और रोजमर्रा की जरूरतों के सामान पर शानदार बचत

रांची : गर्मियों का मौसम आ चुका है और इसके साथ सीजन के सबसे बड़े ऑफर्स भी शुरू हो गए हैं। अमेजन इंडिया की ग्रेट समर सेल 2026 आपके लिए एक ऐसा वन–स्टॉप डेस्टिनेशन है, जहां आप अपनी हर जरूरत का सामान खरीद सकते हैं, चाहे ठंडे पेय पदार्थों से गर्मी से राहत पाना हो, किचन के लिए जरूरी सामान स्टॉक करना हो या फिर अपने परिवार और पालतू जानवरों के लिए हेल्दी और पौष्टिक उत्पाद खरीदना हो। ह्यएवरीडे एसेंशियल्सह्व के विशेष समर स्टोर में कई श्रेणियों पर शानदार ऑफर्स मिल रहे हैं। ग्राहकों को गॉरमेट ग्रॉसरी, बेबी केयर, पेट केयर और हेल्थ एवं पर्सनल केयर उत्पादों पर 50प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इस ऑफर में फार्मली, पिनटोला, योगाबार, बोर्जेस, टाटा सिंपली बेटर, व्हिस्कास, पेडिग्री, ड्रूल्स, हिमालया सहित कई प्रमुख ब्रांड्स शामिल हैं। अमेजन फ्रेश पर फलों, सब्जियों और रोजमर्रा की जरूरी राशन सामग्री की विस्तृत रेंज पर 40प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जो सीधे आपके घर तक पहुंचाई जाएगी। रसीले आम और तरबूज से लेकर ताजी हरी सब्जियां और किचन के जरूरी सामान तक, पूरे गर्मी के मौसम में ताजा भोजन करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और किफायती हो गया है।अगर आप आखिरी समय में योजना बनाने वालों में से हैं, तो अमेजन नाऊ आपकी हर जरूरत का ध्यान रखता है।

अमेजन बाजार लेकर आया बेहद किफायती और ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स की शानदार रेंज

रांची : गर्मियों का मौसम आ चुका है और साथ ही बचत के स्मार्ट तरीके भी। अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 के दौरान अमेजन बाजार ग्राहकों के लिए बेहद किफायती और ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स की शानदार रेंज लेकर आया है, जिससे ग्राहक अपने बजट पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना अपनी वॉर्डरोब को नया लुक दे सकते हैं और घर को अपग्रेड कर सकते हैं। इस अमेजन ग्रेट समर सेल में ग्राहकों को 500 रुपये तक का कैशबैक और पहले ऑर्डर पर फ्लैट 50प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इसके साथ ग्राहक फैशन, इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज, होम और किचन कैटेगरी में ज्यादा बचत और आसानी के साथ खरीदारी कर सकेंगे। इस सीजन अपनी कार्ट में शामिल करने के लिए यहां कुछ ट्रेंडी प्रोडक्ट्स और शानदार ऑफर्स दिए गए हैं : महिलाओं के लिए प्योर कॉटन रेगुलर फ्लोरल प्रिंटेड टॉप: 299 रुपये, यह हल्का, आरामदायक और बेहद आकर्षक टॉप गर्मियों के लिए एकदम परफेक्ट है। कॉफी आउटिंग, कैजुअल फ्राइडे या गर्मी में स्टाइलिश लुक के लिए यह बेहतरीन विकल्प है। यह बिना ज्यादा कोशिश के आराम और खूबसूरती, दोनों का शानदार मेल पेश करता है। पुरुषों के लिए कैजुअल शर्ट: 346 रुपये, इस आरामदायक और स्टाइलिश शर्ट के साथ अपने समर वॉर्डरोब को नया लुक दें। इसका हल्का और आरामदायक फैब्रिक गर्मियों के लिए बेहद उपयुक्त है। इसे डेनिम या चिनो के साथ पहनकर कैजुअल और स्मार्ट लुक आसानी से पाया जा सकता है।

वायरल वीडियो मामले में धनबाद एसएसपी हाई कोर्ट में पेश, जांच तेज करने का निर्देश

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने वायरल वीडियो मामले में धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है। सोमवार को एक क्रिमिनल अपील की सुनवाई के दौरान न्यायालय के आदेश के आलोक में धनबाद एसएसपी सशरीर अदालत में उपस्थित हुए। सुनवाई के दौरान एसएसपी की ओर से अदालत को बताया गया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली गई है। इसके बाद न्यायालय ने उनका पक्ष सुनते हुए अगली सुनवाई में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट प्रदान कर दी। मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 जून की तिथि निर्धारित की गई है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ में हुई। अदालत ने एसएसपी को निर्देश दिया कि मामले की जांच में तेजी लाई जाए और अगली सुनवाई के दौरान विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जाए। अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी आया कि युवती का वायरल वीडियो झारखंड के बजाय गुजरात से प्रसारित हुआ था। इस पर न्यायालय ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस को वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद उसे हटाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए थे। दरअसल, इस मामले में अपीलकर्ता रवि साव को पूर्व में जमानत मिल चुकी है। इसके बाद पीड़िता ने उनकी जमानत रद्द करने के लिए याचिका दायर की। पीड़िता का आरोप है कि जमानत पर रिहा होने के बाद भी अपीलकर्ता ने अवैध गतिविधियों को जारी रखा। इस संबंध में उसने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। युवती का कहना है कि उसी क्रम में उसका वीडियो वायरल हुआ। अदालत के समक्ष यह भी बताया गया कि शिकायत में संज्ञेय अपराध का स्पष्ट उल्लेख होने के बावजूद पुलिस ने प्रारंभ में एफआईआर दर्ज नहीं की थी। इस पर उच्च न्यायालय ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा था कि जब शिकायत में संज्ञेय अपराध का स्पष्ट खुलासा हो रहा था, तब एफआईआर दर्ज करने में देरी क्यों की गई।

कोकर से लापता 18 माह की बच्ची के परिजनों से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने सोमवार को रांची के कोकर स्थित खोरहा टोली रोड नंबर–02 से पिछले कई दिनों से लापता 18 माह की बच्ची के परिजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा साझा की। उन्होंने पुलिस प्रशासन को 36 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में बच्ची को सुरक्षित बरामद नहीं किया गया, तो भाजपा के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। आदित्य साहू ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का भय समाप्त हो गया है और अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। उनके अनुसार, राज्य में कानून का नहीं बल्कि अपराधियों का शासन दिखाई दे रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं हैं। अपराधियों की बढ़ती हिम्मत का आलम यह है कि खुलेआम धमकी भरे तरीके अपनाए जा रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बन रहा है। अब तक मासूम बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलना अत्यंत चिंताजनक है। आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और पुलिस की ढिलाई के कारण एक मासूम की जिंदगी खतरे में है। उन्होंने मांग की कि इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए और बच्ची को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया जाए। साहू ने कहा कि इससे पहले भी जगन्नाथपुर और ओरमांझी जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें जनदबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद बच्चों की बरामदगी संभव हो सकी थी। यह स्पष्ट करता है कि त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से ही सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। आदित्य साहू ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को गंभीरता से ले रही है और पीड़ित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ी है। न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने पुलिस से अपील की कि अपहरणकर्ताओं को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। साथ ही, उन्होंने कोल्हान क्षेत्र में 13 महीनों में 106 युवतियों के लापता होने की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि यह पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनके अनुसार, पुलिस को अपने मूल कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए ताकि राज्य में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

साहित्य

संस्कार भारती रांची महानगर की साधारण सभा में मातृशक्ति

साहित्य और संस्कृति का अनुपम संगम

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। संस्कार भारती रांची महानगर द्वारा आयोजित साधारण सभा गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 2:30 बजे मुख्य अतिथि विजय भूषण द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आगंतुकों का स्वागत मंगल तिलक एवं अंगवस्त्र अर्पित कर किया गया, जबकि स्वागत भाषण उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सुजाता मजूमदार एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत ध्येय गीत और सरस्वती वंदना ने पूरे माहौल को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। महामंत्री शशिकला पौराणिक ने

संगठन का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, वहीं कोषाध्यक्ष अनूप कुमार मजूमदार ने आय-व्यय का विस्तृत विवरण रखा। मुख्य अतिथि विजय भूषण ने अपने संबोधन में भारतीय कला, साहित्य और संस्कारों के संरक्षण में संस्कार भारती की भूमिका की सराहना करते हुए इसे सांस्कृतिक चेतना का सशक्त मंच बताया। अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष रामानुज पाठक ने संगठन की रचनात्मक गतिविधियों को और व्यापक बनाने का आह्वान किया।

सभा का मुख्य आकर्षण ह्यमाँ दिवसह्व पर आधारित काव्य गोष्ठी रही, जिसमें कवियों ने मातृत्व, नारी अस्मिता और पारिवारिक संवेदनाओं को मार्मिक अभिव्यक्ति दी। डॉ. सुरिंदर कौर नीलम ने अपनी भावपूर्ण पंक्तियों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया–

सूरज से भी पहले उठकर, धूप की सांकल खोले माँ,
रिश्ते तो अब सौदेबाजी, ममता कभी न तोले माँ।

अरुणाभूषण ने माँ तेरे सपने सच हो जाए की कामना व्यक्त की, जबकि ऋतुराज वर्षा ने माँ की पीड़ा और ममता को संवेदनशील शब्दों में उकेरा। रेनू बाला धार ने नारी आरक्षण के मुद्दे पर तीखा स्वर देते हुए कहा–

नारी के आरक्षण पर जाने क्यों खलबली हुई,
आज भी हर हाल में नारी ही छली गई।

ग्रामीण संवेदना को स्वर देते हुए रेणु झा रेणुका ने भोजपुरी में अपनी प्रस्तुति दी–

बाबा दहलीजे, कदम की गाछ,
ताहि तरे अम्मा बिछावें नित खाट।

जवाहरलाल ने माँ को रिश्तों की संपूर्णता बताते हुए कहा–

माँ मन के संदूक में आकांक्षाओं की तह भर देती है,
माँ अकेली ही हर रिश्ते की जगह भर देती है।

अमरेश कुमार ने कहा– माँ बिना अधूरा जीवन है, माँ है तो जीवन है,ह्व जबकि राकेश रमन की पंक्तियों ने श्रोताओं को भावुक कर दिया–

ह्यअब आज जब माँ नहीं है,
मेरे मुँह से जब-तब निकलता है – अइया गे मइया।

उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद ने कहा– माँ केवल एक शब्द नहीं, जीवन का सम्मान है, धरती पर ईश्वर का सबसे सुंदर रूप माँ है।

संगीत प्रस्तुति में डॉ. सुजाता मजूमदार ने माँ के विभिन्न रूपों पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। अवनींद्र सिंह ने कविवर निराला की प्रसिद्ध रचना वीणा वादिनी वर दे की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, वहीं जे.पी. सिंह ने भी अपने गीतों से समां बांध दिया।

कार्यक्रम के अंत में महामंत्री शशिकला पौराणिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर गुर कमल सिंह जगदेव, अमरेश कुमार, जयप्रकाश सिंह, राकेश रमन, जेपी श्रीवास्तव, लल्लन राय, कुमकुम गौड़, रीना सहाय, विजय खोवाला, अंजलि जैन, दीपमाला, डॉ. सुरिंदर कौर नीलम, जवाहरलाल, अवनींद्र सिंह, शिवपूजन पाठक, अनूप कुमार, सुजाता मजूमदार, ऋतुराज वर्षा, रेनू झा रेणुका, रेनू बाला धार सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स में मदर्स डे पर चित्रकला प्रतियोगिता

रांची। कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स एवं कलाकृति आर्ट फाउंडेशन द्वारा रविवार को डोरंडा कन्या पाठशाला प्रांगन में मदर्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जहां बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इस अवसर में संस्था के निदेशक धनंजय कुमार ने कहा की सभी बच्चों के आपनी माँ का आदर सम्मान करना चाहिये और अपनी जन्ननी माँ को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। माताएं अपना सबकुछ त्याग कर भी अपने बच्चों को एक मुकाम तक ले के जाती है हम सब को अपनी माँ के सपनो को साकार करने के लिए अपना जीवन निछावर कर देना चाहिये। इस कार्यक्रम को सफल बनाने कलाकृति संस्था की उपनिदेशक रजनी कुमारी, कलाकृति आर्ट फाउंडेशन के उपाध्यक्ष अजय कुमार एवं कोमल, शिखा, रिंकी, तन्वी अमीषा, ईशा, जया, निजात, अर्चना, हर्षिता एवं मनस्वी आदि का सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

रातू में 14 वर्षीय छात्र लापता, परिजनों ने पुलिस से लगायी गुहार

रातू। थाना क्षेत्र के जीटी सेंटर के पास से प्रदीप पटेल के पूत्र प्रमीत पटेल उर्फ मिठु 14 वर्ष पिछले 36 घंटे से लापता है। इस संबंध में प्रदीप पटेल ने रातू थाना में आवेदन देकर अपने बेटे प्रमीत रंजन पटेल उर्फ मिठु की खोजबीन की गुहार लगाई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती शिशु मंदिर रातू के कक्षा आठ का छात्र प्रमीत रंजन पटेल रविवार सुबह सात बजे बिना बताए घर से निकल गया। इसके बाद 36 घंटा होने को है वह वापस नहीं लौटा। लापता प्रमीत का रंग गोरा, ऊंचाई करीब 5 फीट 2 इंच है। वह नीले रंग का फुल पैंट और ग्रे रंग की टी-शर्ट पहने हुए है तथा पैर में हवाई चप्पल है। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रातू पुलिस ने आवेदन लेकर बच्चे की खोजबीन शुरू कर दी है। रातू पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को बच्चे के बारे में जानकारी मिले तो थाना को सूचित करें।

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने की तैयारी, 15 दिनों में खराब चापाकलों की होगी मरम्मत

मांडर। मांडर प्रखंड मुख्यालय से सोमवार को चापानल मरम्मती अभियान रथ को प्रखंड अध्यक्ष मंगा उराव सहित अन्य ने ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ के माध्यम से प्रखंड के सभी पंचायतों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत विशेष अभियान के तहत की जाएगी। गर्मी और जेठ महीने में पेयजल संकट को देखते हुए कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। विदित हो की मांडर प्रखंड में सर्वे के अनुसार 180 से अधिक चापाकल खराब या आंशिक रूप से खराब हैं।इनकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य पूरा किया जाएगा, मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर, आबिद अंसारी, तबारक कहां, होसे उराव, बंधु टोप्पो, एहसान अंसारी, सुका उराव, जमील मल्लिक, शेरोफिना मिंज, सरिता तिग्गा, सीता देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

सांसद ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

खूंटी। कालीचरण मुंडा ने सोमवार को मुख्य सचिव अविनाश कुमार से मुलाकात कर खूंटी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनहित और स्वास्थ्य संबंधी लंबित योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान सांसद ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और अधूरी योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने की मांग उठाई।

ईश्वर की कृपा पाने के लिए निरंतर प्रयास, सेवा व समर्पण आवश्यक : डॉ. प्रदीप मिश्रा

रांची में श्री शिव महापुराण कथा का सात दिवसीय भव्य समापन, हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा सुकुरहुटू

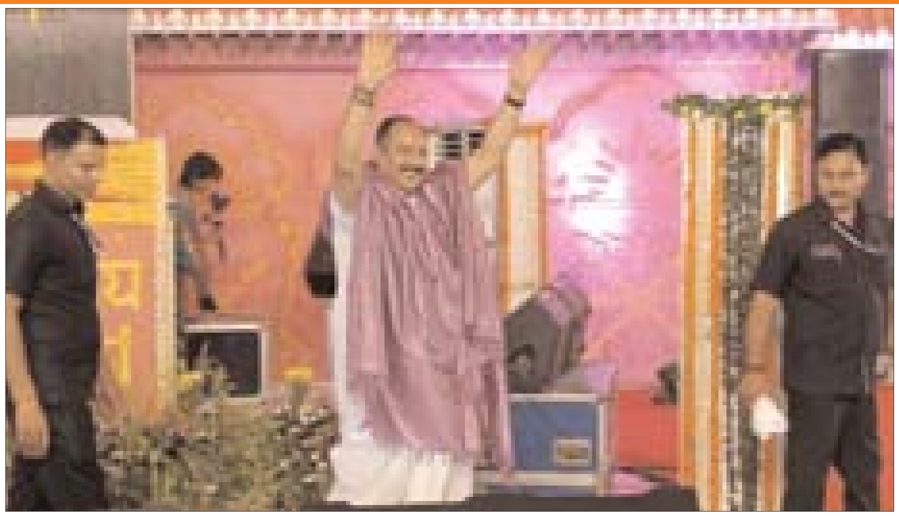

रांची। रांची के सुकुरहुटू स्थित कथा स्थल पर श्री शिवाला सेवा समिति की ओर से आयोजित श्री शिव महापुराण कथा का सातवां एवं अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हर हर महादेव एवं श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के जयघोष से गूंज उठा।

अंतिम दिन की कथा प्रातः 8 बजे शुरू होकर साढ़े 11 बजे तक चली। इस दौरान श्रद्धालु पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर पंडित प्रदीप मिश्रा के दिव्य प्रवचनों का श्रवण करते रहे। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

अपने प्रवचन में पंडित प्रदीप मिश्रा ने माता-पिता, गुरु और भगवान शिव की सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से इनकी सेवा करता है, उसे तुरंत शुभ फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सेवा ही जीवन में सुख, शांति और सफलता का मार्ग है।

प्रदीप मिश्रा ने आगामी सिंहस्थ कुंभ का उल्लेख करते हुए श्रद्धालुओं को उज्जैन आने का निमंत्रण दिया। साथ ही बताया कि उज्जैन से सीहोर की दूरी लगभग 150 किलोमीटर है, जहां श्रद्धालु शिव भक्ति और सत्संग का लाभ ले सकते हैं। उनके इस आह्वान से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

साधना और प्रयास के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि जैसे दूध को मथने पर ही माखन प्राप्त होता है, वैसे ही जीवन में सफलता और ईश्वर की कृपा निरंतर प्रयास, सेवा और समर्पण से ही मिलती है। कथा के दौरान रांची के मौसम का उल्लेख करते हुए पंडित मिश्रा ने हल्के-फुल्के अंदाज में उसकी प्रशंसा की, जिससे पंडाल तालियों और ठहाकों से गूंज उठा। उन्होंने रांची की श्रद्धा और प्रेम की सराहना करते हुए पुनः यहां आने की इच्छा भी व्यक्त की।

प्रदीप मिश्रा ने अपने संदेश एक लोटा जल सभी समस्याओं का हल को दोहराते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान शिव पर जल अर्पित करने से अनेक कष्ट स्वतः दूर हो जाते हैं। भक्ति का वातावरण उस समय और अधिक भावविभोर हो गया जब उन्होंने देर न लगाओ बाबा देर न लगाओ, पर्वत से भोले बाबा नीचे चले आओ भजन प्रस्तुत किया। इस दौरान पूरा पंडाल शिवमय हो उठा और श्रद्धालु भक्ति में झूमने लगे। इस आयोजन के मुख्य यजमान विवेक कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी विनीता देवी रहे, जिन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन कर कथा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। वहीं राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश भी कथा में शामिल हुए और आशीर्वाद प्राप्त किया। सात दिनों तक चले इस भव्य आयोजन ने रांची को पूर्णतः शिवमय बना दिया। समापन अवसर पर श्रद्धालु भावुक हो उठे और हर हर महादेव के जयघोष के साथ कथा का भव्य समापन किया गया।

बेलगाम टुकटुक से जाम

दुकानदार परेशान, हादसे का खतरा, बिना नंबर के भी दौड़ रहे कई वाहन

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। प्रखंड का मुख्य चौक काठीटांड एवं तिलता ओवरब्रीज और आसपास के इलाकों में बेतरतीब ढंग से चल रहे टुकटुक और ऑटो से स्थानीय दुकानदारों के साथ-साथ आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई टुकटुक तो बिना नंबर प्लेट के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे जाम और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

दुकान के सामने लगाते हैं टुकटुक - रेडियो स्टेशन रोड, ठाकुरगांव रोड, मांडर रोड एवं तिलता चौक के दुकानदारों का आरोप है कि टुकटुक चालक सवारियों के इंतजार में दुकानों के ठीक सामने घंटों वाहन खड़ा कर देते हैं। इससे न सिर्फ ग्राहकों का आना-जाना बाधित होता है, बल्कि दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। रातू बाजार के इलेक्ट्रीक दुकानदार गौतम दुबे ने बताया कि सुबह से शाम तक दुकान के सामने 4-5 टुकटुक लगे रहते हैं। मना करने पर चालक बदतमीजी पर उतर आते हैं। ग्राहक गाड़ी पार्क नहीं कर पाते और आगे बढ़ जाते हैं।

बिना नंबर के टुकटुक बढ़ा रहे खतरा – स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में चल रहे करीब 25% टुकटुक पर नंबर प्लेट ही नहीं है। कुछ पर अस्थायी नंबर लिखे हैं तो कई बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो वाहन की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। एक अभिभावक सुबोध साहु ने कहा कि बच्चों को स्कूल छोड़ने में डर लगता है। बिना नंबर के टुकटुक वाले तेज रफ्तार में चलते हैं और ट्रैफिक नियम भी नहीं मानते। **जाम की समस्या गंभीर** - काठीटांड चौक एनएच 39 के ठीक टर्निग प्वाइंट पर दिनभर टुकटुक की वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल टाइम और शाम को बाजार खुलने के समय होती है। एम्बुलेंस तक को निकलने में दिक्कत होती है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग - रातू चेंबर कॉमर्स के सचिव संजय साहू ने कहा हमने कई बार थाना और ट्रैफिक विभाग को लिखित शिकायत दी है। मांग है कि बिना नंबर के टुकटुक को जब्त किया जाए और स्टैंड निर्धारित किया जाए ताकि दुकानों के सामने बेवजह वाहन खड़े न हों।

क्या कहते है रातू थाना प्रभारी - इस संबंध में रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि समस्या संज्ञान में है। जल्द ही ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया जाएगा। बिना नंबर और कागजात के चल रहे टुकटुक को जब्त कर चालकों पर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सभी टुकटुक का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए और रूट परमिट तय हो, ताकि बेलगाम टुकटुक पर लगाम लग सके।

क्या कहते है पंडरा यातायात प्रभारी – इस संबंध में पंडरा यातायात थाना के प्रभारी रंजीत कुमार से बात करने पर उन्होने बताया कि हम लोग 24 घंटा जाम मुक्त बनाने के लिए लगे रहते है। शुक्रवार को हम लोगो ने 70 बाईक चालको का फाइन काटा है। शनिवार को काठीटांड चौक में भी अभियान चलाया जाएगा।

खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर उपायुक्त ने दिया जोर

खूंटी। समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में जिला खेल संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल गतिविधियों को सुदृढ़ और व्यवस्थित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला ओलंपिक संघ, जिला हॉकी संघ के पदाधिकारी सहित आवासीय एवं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षक उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने जिले में नव स्वीकृत तीन आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों में चयनित खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चिकित्सा जांच के बाद जल्द नामांकन कर प्रशिक्षण शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में सुरक्षा कर्मी, सफाई कर्मी और ग्राउंड्समैन की नियुक्ति के लिए संबंधित विभाग को पत्राचार करने के निर्देश दिया।

विश्व रिकॉर्डधारी युवा तैराक इशांक सिंह का सिकिदिरी में भव्य स्वागत

खेल प्रभारी अमन कुमार भी सम्मानित

नव प्रदेश संवाददाता

अनगड़ा। सिकिदिरी स्थित गैर सरकारी संगठन जनकल्याण समर्पण संस्थान द्वारा तैराकी में विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाले सात वर्षीय युवा तैराक इशांक सिंह का भव्य स्वागत किया गया। उनके प्रशिक्षक सह संस्थान के खेल प्रभारी अमन कुमार जायसवाल का भी स्वागत किया गया। स्वागत समारोह की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने किया। सुजीत कुमार ने कहा कि जनकल्याण समर्पण संस्थान विगत 18 वर्षों से तैराकी सहित विभिन्न खेलों में नई प्रतिभाओं को खोजने, तराशने और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देकर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में जसपुरिया बीएड कॉलेज के अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने कहा कि जनकल्याण समर्पण संस्थान खेल और सामाजिक क्षेत्र में अत्यंत सराहनीय कार्य कर रहा है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में मिनी ओलंपिक जैसे आयोजन कर संस्थान ने स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। विशिष्ट अतिथिजिप सदस्य अनुराधा मुंडा उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रशिक्षक अमन कुमार जायसवाल ने कहा कि संस्थान के माध्यम से नई प्रतिभाओं को प्रशिक्षण देना उनके लिए गर्व और खुशी की बात है। मालूम हो कि इशांक सिंह ने विगत 30 अप्रैल तलाईमन्नार से धनुषकोड़ी तक पाक जलडमरूमध्य में 29 किलोमीटर की कठिन समुद्री दूरी नौ घंटे 50 मिनट में तैरकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। संचालन रमन कुमार व धन्यवाद ज्ञापन पिंकी कुमारी ने किया। मौके पर सत्यपाल राउत, संदीप कुमार वर्मा, नीतीश कुमार, कोच विवेक बेदिया, कुंती देवी, अजीत कुमार, पंकज पटेल, रंजन सोरेन, संजय गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

बदहाल सड़क से टोल वसूली, आंदोलन की चेतावनी

ईचागढ़। सरायकेला-खरसावां जिले के महत्वपूर्ण चौका-कांड्रा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर अब राजनीतिक और जनआक्रोश तेज होने लगा है। लगभग एक वर्ष से जर्जर पड़े इस टोल रोड को लेकर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह ईचागढ़ के पूर्व विधायक प्रत्याशी हरे लाल महतो ने सरकार और सड़क निर्माण एजेंसी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में हरे लाल महतो ने कहा कि चौका-कांड्रा मार्ग केवल ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिले के हजारों लोगों के लिए राजधानी रांची पहुंचने का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि रोजाना लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन चुके हैं, खासकर चौका क्षेत्र के आसपास स्थिति अत्यंत भयावह है। भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और आए दिन वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। हरे लाल महतो ने टोल वसूली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब यह एक टोल रोड है तो इसकी देखरेख करने वाली एजेंसी आखिर क्या कर रही है। लोगों से नियमित रूप से टोल टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सड़क की मरम्मत के नाम पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे रहने वाले दुकानदार और स्थानीय ग्रामीण पिछले एक साल से धूल और कीचड़ के बीच नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गर्मी में उड़ती धूल और बारिश में जमा कीचड़ ने लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। हरे लाल महतो ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया तो क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर अनिश्चितकालीन सड़क जाम आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और संबंधित विभाग की होगी।

एक नजर

प्रांतीय यादव महासभा ने मिलकर सांत्वना दिया, ढांढस बंधाया और आर्थिक सहयोग दिया

बुढ़मू। प्रांतीय यादव महासभा के रांची जिला अध्यक्ष रामविलास गोप के नेतृत्व में बुढ़मू प्रखंड के यादव महासभा का एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रखंड के मुरगी गांव निवासी मृतक रामलाल यादव के घर जाकर परिवार वालों से मिलकर इस दुःख की घड़ी में सांत्वना दिया एवं ढांढस बंधाया और यादव समाज बुढ़मू की ओर से मृतक के परिवार को आर्थिक सहयोग दिया एवं मृतक के परिवार को हमेशा मदद सहयोग करने का आश्वासन दिया, वही यादव समाज के लोगों ने मृतक के परिवार को विधवा पेंशन सहित अन्य सरकारी लाभ दिलाने का आश्वाशन दिया। मौके पर यादव महासभा बुढ़मू के प्रखंड अध्यक्ष नरेश यादव, खलारी प्रखंड अध्यक्ष मुकेश यादव, यादव समाज के प्रखंड सचिव हीरालाल यादव, यादव समाज के युवा नेता अजय कुमार यादव, यादव समाज के जिला मीडिया प्रभारी राजेश यादव, सतदेव यादव, अशोक यादव, रामजीत यादव, दुबराज यादव सहित यादव समाज के दर्जनों लोग मौजूद थे।

स्वस्थ सेवा की रीढ़ है नर्सिंग और समाज के अदृश्य नायक है नर्स : कुलदीप सिंह

अनगड़ा : विद्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग अनगड़ा में सोमवार को निदेशक विद्या सिंह के नेतृत्व में कैंपिंग एवं शपथ ग्रहण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलप्रकाश नर्सिंग कॉलेज के निदेशक कुलदीप सिंह उपस्थित थे। इस दौरान एएनएम के 20 जीएनएम के 60 प्रशिक्षु नर्सो का कैपिंग किया गया। सभी प्रशिक्षुओं को बगैर भेद-भाव किए मानव सेवा करने की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह ने कहा कि नर्सिंग स्वास्थ सेवा की रीढ़ है और नर्स समाज के अदृश्य नायक है। नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा का एक बड़ा रूप है। मुख्य अतिथि व कॉलेज की निदेशक विद्या सिंह ने नर्सिंग में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं के बीच पुरस्कार का वितरण किया। मौके पर रवीश कुमार, गणेश वर्मा,शिक्षक, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़।

-: अति आवश्यक सूचना :-

PR No.379398 Building (26-27):D

कार्यपालक अभियंता

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रांची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रांची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

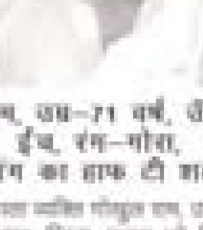

वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची

अधूरे आंगनबाड़ी केंद्रों को जल्द पूरा करें, वरना होगी कार्रवाई : डीसी

नवप्रदेश/बोकारो। उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में विकास कार्यों की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में निमार्णाधीन सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को युद्धस्तर पर पूरा कर संबंधित विभाग को हैंडओवर किया जाए ताकि बच्चों और महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं मिल सकें।

भूमि विवाद सुलझाने के लिए समन्वय पर जोर

समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण भूमि विवाद के कारण अटका हुआ है। इस पर उपायुक्त ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी के साथ मिलकर तीन दिनों के भीतर भूमि संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर चर्चा करते हुए डीसी ने कहा कि वृद्ध और दिव्यांगों को पेंशन के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने सभी प्रखंडों में विशेष शिविर लगाकर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (DLC) और सत्यापन के लंबित मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित करने का आदेश दिया। साथ ही, आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया कि मुआवजे के आवेदनों में तकनीकी त्रुटियों को सुधारकर प्रभावितों को तुरंत सहायता राशि प्रदान की जाए। प्रमुख निर्देश एक नजर मे अनुपालन प्रतिवेदन 'दिशा' की पिछली बैठक के निदेर्शों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट 3 दिनों के भीतर जमा करें। जनगणना 2027 15 मई तक चलने वाले 'स्वगणना अभियान' के प्रति लोगों को जागरूक करें। सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, चास एसडीओ श्रीमती प्रांजल ढांडा, बेरमो एसडीओ श्री मुकेश मछुआ सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन का यह कड़ा रुख जिले में लंबित योजनाओं को गति देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हो सकता है।

गढ़वाल टूटा, सड़क पर खतरा मंडराया

नवप्रदेश/घाघरा। जिले के घाघरा प्रखंड के सुदूरवर्ती दिरगांव पंचायत में पंचायत सचिवालय आने-जाने वाले मुख्य मार्ग पर संकट मंडरा रहा है। अड़िया नदी धाम के समीप बने गढ़वाल के टूट जाने से पक्की सड़क क्षतिग्रस्त होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) से मिलकर शीघ्र मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि गढ़वाल टूटने से बरसात के दौरान सड़क बहने की आशंका बढ़ गई है। समय रहते मरम्मत न हुई तो दर्जनों गांवों का संपर्क मुख्यालय से पूरी तरह कट जाएगा। इस सड़क से प्रतिदिन छात्र-छात्राएं, मैट्रिक परीक्षा देने वाले युवा एवं आमजन आवागमन करते हैं, जिससे लोगों में चिंता का माहौल है। गिरगांव पंचायत के ग्रामीण प्रखंड कार्यालय पहुंचे और बीडीओ को समस्या बताते हुए आवेदन सौंपा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के कई गांवों की मुख्य जीवनरेखा है, क्षति होने पर भारी परेशानी होगी। बीडीओ ने बात को गंभीरता से लेते हुए कहा कि अभियंता द्वारा गढ़वाल का आकलन कराया जाएगा। रिपोर्ट बनने के बाद जिला प्रशासन को भेजकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

12 वर्षों की मेहनत मेहनत रंग लाई, अरुण कुमार पांडे बने कांग्रेस के जिला महासचिव

नवप्रदेश/गुमला। कांग्रेस पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए घाघरा प्रखंड के वरिष्ठ नेता अरुण कुमार पांडेय को गुमला जिला महासचिव नियुक्त किया है। वहीं पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता कृष्णा लोहार को भी महासचिव की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। अरुण कुमार पांडेय लगातार 12 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी के घाघरा प्रखंड अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, मेहनत और सक्रिय भूमिका को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जिला महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकताओं एवं समर्थकों ने अरुण कुमार पांडे और कृष्णा लोहार को बधाई देते हुए खुशी जाहिर की। कई कार्यकताओं ने कहा कि दोनों नेताओं के नेतृत्व में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी। इस मौके पर अरुण कुमार पांडे ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे पूरी लगन, ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इस मौके पर बधाई देने वालों में शिवकुमार भगत बॉबी भगत महेश कुजूर रमेश जयसवाल पुष्पलता दुबे आदित्य भगत शहजाद खान गुंदर महली जेवियर लकड़ा संदीप मिंज घुड़ा उरांव सुरेश सिंह साहित्य कार्यकर्ता ने बधाई दी।

जयप्रकाश वर्मा के अध्यक्षता में बैठक संपन्न

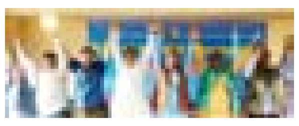

नवप्रदेश/गुमला। उक्त बैठक मैं भारी संख्या में विभिन्न पिछडे समाज से संबंध रखने वाले समाजसेवी बुद्धिजीवी भारी संख्या में उपस्थित हुए यह बैठक रांची के हेमसी हाइट कचहरी रोड मे हुई। प्रदेश सम्मेलन में मुख्य रूप से 1- पिछड़ों को नौकरियों में 36% आरक्षण देने की मांग, 2- पंचायत चुनाव में पिछड़ों का आरक्षण सुनिश्चित करना। 3- झारखंड के प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में भी पिछड़ों का आरक्षण प्रदान करना,4- झारखंड के जिन जिलों पिछड़ों का आरक्षण शून्य या काम है वहां पर जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करना, 5- लोकसभा और विधानसभा में ओबीसी महिला का आरक्षण तय करना के अलावा पिछड़ों के हित से संबंधित अन्य विषयों पर विचार विमर्श किया गया। प्रदेश सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रो जय प्रकाश वर्मा ने कहा पिछड़ी आपस में जातियों में बटे हैं उसे मिटा कर एक हो संघर्ष करना होगा तभी अधिकार प्राप्त हो सकेंगे, प्रो वर्मा ने कहा कि झारखंड के सभी जिलों में धरना एवं प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे उसके बाद रांची में महाजुटान किया जाएगा। इस बैठक का संचालन अब्दुल खालिक एवं मंत्री सुरेंद्र कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया, प्रदेश सम्मेलन में जिलों के अध्यक्षगण, प्रभारीगण के अलावा पूर्व सांसद सूरज मंडल , प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रमशः अब्दुल खालीक, अरुण कश्यप ,उपेंद्र नारायण, इंद्रदेव महतो, महामंत्री पप्पू रावत, प्रधान महामंत्री सदन प्रजापति के अलावा सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुलिस पक्षपात करना बंद करे, सात दिनों के अंदर करे कार्रवाई नहीं तो उग्र आंदोलनः ढुल्लू

नवप्रदेश/बोकारो। इरफान अंसारी के कथित बयान और बोकारो के चीरा चास थाना में दर्ज मामलों को लेकर सांसद ढूलू महतो ने सेक्टर वन स्थित सासंद कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। सांसद ने पुलिस को ताकीद की कि वो पार्टी ना बने और जल्द से जल्द अपराधी इरफान अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेजे। जिले के चीरा चास थाना अंतर्गत नंदुस्थान स्थित एक जिम केंद्र में 1 मई को दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में पीड़ित पक्ष के हर्ष पांडेय ने 2 मई को चीरा चास थाना कांड संख्या 37/26 दर्ज कराया, जिसमें महताब अंसारी, आरिफ अंसारी सहित 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया। आरोप है कि घटना के नौ दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा किसी भी नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं की गई। वहीं, दूसरी ओर नामजद अभियुक्त आरिफ अंसारी ने 5 मई को चीरा चास थाना में कांड संख्या 38/26 दर्ज कराते हुए हर्ष पांडेय एवं अन्य पर मारपीट का आरोप लगाया।

अवैध बालू खनन पर जिला प्रशासन सख्त, उपायुक्त ने दिया 'जीरो टॉलरेंस' का निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स (DMTF) की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में जारी खनन गतिविधियों और अवैध बालू उठाव की रोकथाम को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। उपायुक्त ने कड़े शब्दों में कहा कि जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। बैठक के दौरान जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि जिले के 07 चिन्हित बालू घाटों में से 02 घाटों को पर्यावरणीय स्वीकृति व अन्य क्लियरेंस प्राप्त हो चुके हैं। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी शेष औपचारिकताएं अविलंब पूरी कर इन घाटों का संचालन शुरू कराएं। इससे आम जनता को निर्माण कार्यों के लिए उचित दाम पर वैध बालू की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

बिना नंबर के वाहनों पर गिरेगी गाज

परिवहन विभाग को सख्त निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के विरुद्ध डीटीओ (DTO) विशेष अभियान चलाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अक्सर बिना पंजीकरण वाले वाहनों का उपयोग अवैध खनिज ढोने में किया जाता है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन न केवल राजस्व की क्षति है, बल्कि यह पर्यावरणीय संतुलन को भी बिगाड़ता है। वन, पुलिस और प्रशासन संयुक्त रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छापेमारी करें।

अब तक की कार्रवाईः 12 प्राथमिकी और लाखों का जुमार्ना

जिला खनन पदाधिकारी श्री रवि कुमार ने पिछली कार्रवाई का ब्यौरा देते हुए बताया कि 18 दिसंबर 2025 से 13 मार्च 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान में काफी सफलता मिली है। इस अवधि में कुल जब्त खनिजः 301.825 यूनिट (बालू, पत्थर व कोयला)।

जब्त वाहन : अवैध परिवहन में लगे 46 वाहन।

कानूनी कार्रवाई : 12 प्राथमिकी (FIR) दर्ज की गई।

जुमार्नाः दोषी वाहन मालिकों से 2.45 लाख रुपये की वसूली।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी (चास) श्रीमती प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी (बेरमो) श्री मुकेश मछुआ, एसडीपीओ सिटी श्री आलोक रंजन, जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती मारूति मिंज सहित सभी प्रखंडों के बीडीओ और सीओ उपस्थित थे।

पानी-बिजली संकट के खिलाफ भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

चंपई सोरेन ने झारखंड सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में पेयजल और बिजली की बिगड़ती व्यवस्था के खिलाफ भाजपा बोकारो जिला संगठन ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल और जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने हाथों में घड़े थामे सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा संकट के समाधान की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि चंपई सोरेन ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार में डूबे होने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ₹जो सरकार बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं जनता को नहीं दे सकती, उससे किसी का भला नहीं हो सकता। राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है, महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और भ्रष्टाचार हद पार कर चुका है। बंगाल में 15 साल पुरानी सरकार को जनता ने भाजपा की अगुवाई में उखाड़ फेंका, वैसे ही झारखंड में भी यह काम होगा।

बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने चास ग्रामीण-शहरी, चंदनक्यारी और विस्थापित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि लगभग 500 करोड़ रुपये की योजनाएं– जैसे चास ग्रामीण वृहत पेयजलापूर्ति योजना, पूपुनकी-रहारगोड़ा योजना, रानी पोखर-भतुआ योजना, चास नगर निगम फेज-2 और कई लघु ग्रामीण योजनाएं–कछुए की चाल से चल रही हैं या बंद पड़ी हैं। सरकार की उदासीनता से जनता तरस रही है, इस सरकार से भला नहीं होगा, उन्होंने कहा बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने पेयजल योजनाओं की दयनीय स्थिति पर बोलते हुए कहा कि हजारों चंपाकल बंद पड़े हैं और बिजली की आपूर्ति में आंख-मिचौनी चल रही है।

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं तो होगा आंदोलनः राकेश

नवप्रदेश/गोमिया (बोकारो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की गोमिया प्रखंड कमेटी द्वारा गोमिया रेलवे स्टेशन पर अपनी मांगों को लेकर एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गोमिया स्टेशन के साथ किए जा रहे सौतेले व्यवहार को बंद करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय नेताओं ने जोर देकर कहा कि गोमिया रेलवे स्टेशन से होकर वर्तमान में चार एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इनमें से किसी का भी ठहराव यहाँ नहीं दिया गया है। गोमिया स्टेशन के साथ सौतेला व्यवहार बंद करो और विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव शुरू करो जैसे नारों से स्टेशन परिसर गूंज उठा। प्रदर्शन के पश्चात, गोमिया प्रखंड सचिव सह बोकारो जिला कमेटी सदस्य राकेश कुमार के नेतृत्व में स्टेशन प्रबंधक को धनबाद रेल मंडल प्रबंधक (DRM) के नाम एक 13 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। राकेश कुमार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने इससे पहले 17 अप्रैल को भी एक मांग पत्र सौंपा था।

एक नजर

बिहार भेजने की तैयारी में था 47 किलो गांजा, बोकारो पुलिस ने बस स्टैंड से किया जब्त

नवप्रदेश/बोकारो। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बोकारो पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार शाम नया मोड़ बस स्टैंड स्थित पवन सुत बस पड़ाव से पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से दो प्लास्टिक की बोरियों में पैक 47 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसे बस के जरिए बिहार ले जाने की योजना थी। पुलिस अधीक्षक (रढ) श्री नाथू सिंह मीणा को गुप्त सूचना मिली थी कि नया मोड़ बस स्टैंड से तस्करों द्वारा गांजे की एक बड़ी खेप बिहार भेजी जाने वाली है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी दल ने बस स्टैंड के चबूतरे पर रखे दो संदिग्ध बोरों की तलाशी ली, जिसमें 47 पैकेटों में बंद कुल 47 किलो गांजा मिला। पुलिस की तफ्तीश में इस तस्करी में शामिल दो अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है। इस संबंध में बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 89/26 दर्ज किया गया है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। छापेमारी टीम में पुनि सुदामा कुमार दास, पुअनि महती बोयपाय, पुअनि निरज सेठ, सअनि भरत नायक, हवलदार बिगावन सिंह और आरक्षी मदन प्रसाद, योगेन्द्र कुमार रजक, विजय कुमार सिंह व राजीव कुमार शामिल थे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुमला द्वारा मॉडल कारा गुमला का किया गया निरीक्षण

नवप्रदेश/गुमला। 90 डेज इंटेंसिव कैंपेन के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री अजीत कुमार सिंह के निर्देश पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुमला के द्वारा मंडल कारा गुमला का निरीक्षण किया गया तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जेल के बंदी को माननीय नालसा औ? झालसा के विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया इसके अलावा उन्हें जेल बंदी के अधिकारों के बारे में बताया गया तथा उनके केस की प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी गई, निरीक्षण के क्रम में उन्होंने यह सुनिश्चित किया की जेल में संसीमित सभी बन्दीयो के अधिवक्ता है अथवा नहीं जिस पर कारा प्रशासन औ? एलईडीसीएस के द्वारा बताया गया की सभी बन्दीयो के अधिवक्ता है, जागरूकता के तहत प्ली बारगेनिंग औ? प्लीड गिल्टी के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया गया निरीक्षण के दौरान जेल में बंद कैदियों के भोजन की भी जांच की गई, सचिव महोदय ने बताया कि वकील उनमे और कोर्ट के बीच पुल का काम करते हैं हर बंदी को वकील निश्चित रूप से रखना चाहिए यदि वे वकील रखने में असमर्थ है तो अपना बंदी आवेदन डालसा गुमला के ऑफिस मे भेज सकते हैं सचिव डीएलएसए गुमला के द्वाराजानकारी दी गई की उनके परिवार वालों के लिए विधिक हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है जहां पर जेल विजिटर लॉयर्सऔ? पीएलवी के द्वारा बंदी के परिवार वालों को विधिक सलाह एवं सहायता दी जाती है, बन्दीयो से पूछा गया कि जिनके परिवार वाले मिलने नहीं आते है यदि उनका पता दे तो जिला विधिक प्राधिकार गुमला उनके परिवार वालों से मिलने में मदद करेगी कार्यक्रम के दौरान चीफ लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल श्री देवेंद्र नाथ ओहदार, सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल जितेंद्र कुमार सिंह, प्रकाश पाण्डेय आदि उपस्थित थे

जनता की अनसुनी की तो खैर नहीं, लापरवाह थानेदारों पर गिरेगी गाज

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो के पुलिस अधीक्षक (रढ) नाथू सिंह मीणा ने जिले की कानून व्यवस्था को लेकर रविवार को आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है। बैठक के दौरान एसपी का कड़ा रुख देखने को मिला, जहां उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग का मूल मंत्र 'जनसेवा' होना चाहिए। उन्होंने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी कि जो थानेदार आम नागरिकों का फोन रिसीव करने में कोताही बरतेंगे, उनके विरुद्ध तत्काल कड़ी विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शहर की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए एसपी ने एक विशेष कार्ययोजना पेश की। उन्होंने रक्षक राइडर्स और मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया। विशेष रूप से बीएसएल (इरछ) आवासीय कॉलोनियों में गश्त बढ़ाने और सूचना मिलने पर 'क्विक रिस्पॉन्स' (त्वरित प्रतिक्रिया) को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। स्कूल परिसरों, खेल के मैदानों और पार्कों के आसपास असामाजिक तत्वों के जमावड़े (अड्डेबाजी) को रोकने के लिए समय और स्थान चिन्हित कर प्रभावी पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है। एसपी ने पुलिसकर्मियों को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की नसीहत देते हुए कहा कि यदि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या नागरिक के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिली, तो संबंधित अधिकारी पर तत्काल गाज गिरेगी। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं को 'जनसेवक' के रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। जिले में संगठित अपराध और लंबित मामलों के निपटारे के लिए एसपी ने नई रणनीति साझा की। बाहरी गिरोहों को बेअसर करने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत किया जाएगा। एसडीपीओ और डीएसपी को आदेश दिया गया है कि वे संगीन मामलों की सूची तैयार कर एक विशेष टास्क फोर्स का गठन करें, ताकि अपराधियों को सजा के अंजाम तक पहुँचाया जा सके। पुलिस और जनता के बीच के फासले को कम करने के लिए एसपी ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधे संवाद करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का त्वरित समाधान तभी संभव है जब पुलिस अधिकारी हर समय फोन पर सक्रिय और जनता के लिए उपलब्ध रहें।

शब्दों के अर्घ्य से महकी 'तरंग' काव्य गोष्ठी

कवयित्रियों ने बिखेरे साहित्य के रंग

नवप्रदेश/बोकारो। साहित्य जब संवेदनाओं से मिलता है, तो शब्दों की बयार मन के कोने-कोने को भिगो देती है। कुछ ऐसा ही नजारा रविवार को महिला काव्य मंच, बोकारो की ओर से आयोजित 'तरंग काव्य गोष्ठी' में देखने को मिला। मंच की विदुषी कवयित्रियों ने अपनी लेखनी से कहीं मां की ममता को उकेरा, तो कहीं राष्ट्रप्रेम का अलख जगाया। कार्यक्रम का आगाज मंच की अध्यक्ष काजल भालोटिया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। रीना यादव ने जब मधुर कंठ से 'मां शारदे' की वंदना की, तो पूरा परिवेश साहित्यिक ऊर्जा से भर गया। प्रदेश अध्यक्ष अर्चना अश्क मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कविता केवल तुकबंदी नहीं, बल्कि समाज का आईना है।

काव्य-धाराः श्रृंगार से लेकर सरोकार तक गोष्ठी में रचनाओं का एक अनूठा कोलाज देखने को मिला।

बेटियों का सम्मानः डॉ. आशा पुष्प ने 'सशक्त बेटियां' पढ़कर आधुनिक समाज में नारी की शक्ति का शंखनाद किया।

मां की महिमाः क्रांति श्रीवास्तव, अर्चना मिश्रा और माला की कविताओं ने 'मां' के त्याग और प्रेम को शब्दों में पिरोकर सबकी आंखें नम कर दीं।

राष्ट्रीय चेतनाः ज्योति वर्मा की 'वतन शहीदों का' और पद्मावती कोमल की 'मेरा भारत मेरी शान' ने श्रोताओं में जोश भर दिया।

मनोवैज्ञानिक चित्रणः आरफा साइमन ने 'जब आईना कुछ न छुपाए' और नीलम झा ने 'लोग क्या कहेंगे' के माध्यम से सामाजिक कुंठाओं पर गहरा कटाक्ष किया।

साहित्यिक चर्चा और संचालन

मंच का सफल और सधा हुआ संचालन जयंती सिंह ने अपनी विशिष्ट शैली में किया, जिससे गोष्ठी की लय अंत तक बनी रही। गीता कुमारी 'गुस्ताख' की व्यंग्यात्मक रचना और शीला तिवारी के नवगीत ने भी खूब तालियां बटोरीं। लेखनी जब उठती है, तो मौन भी शब्द बन जाते हैं। आज की गोष्ठी ने यह सिद्ध कर दिया कि बोकारो की धरा पर साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं।

जैक बोर्ड परीक्षा 2026 में ऐतिहासिक सफलता पर गुमला में भव्य सम्मान समारोह आयोजित

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में गुमला जिले के विद्यार्थियों द्वारा राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जाने के उपलक्ष्य में सोमवार, 11 मई 2026 को नगर भवन, गुमला में भव्य सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस वर्ष गुमला जिले ने जैक बोर्ड परीक्षाओं में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए माध्यमिक स्तर पर राज्य में प्रथम स्थान, इंटर कला संकाय में प्रथम स्थान, विज्ञान संकाय में द्वितीय स्थान तथा वाणिज्य संकाय में तृतीय स्थान प्राप्त कर पूरे राज्य में अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महत्तो सहित जिले के सभी वरीय प्रशासनिक एवं शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान माध्यमिक परीक्षा में राज्य स्तरीय सेकेंड टॉपर रहे विद्यार्थियों, जिला स्तर पर टॉप-10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 310 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में जिला अंतर्गत टॉप-10 स्थान प्राप्त करने वाले कुल 40 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें कला संकाय के 16 विद्यार्थी, वाणिज्य संकाय के 11 विद्यार्थी तथा विज्ञान संकाय के 13 विद्यार्थी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के मैट्रिक परीक्षा में टॉप-3 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों की मेधावी छात्राओं तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के विशेष प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले 100 से अधिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, बोर्ड परीक्षा विजय अभियान में योगदान देने वाले लगभग 70 शिक्षकों, जिला एवं प्रखंड स्तरीय मॉनिटरिंग टीम, शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों तथा विभिन्न स्तरों पर कार्यरत कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो ने अपने संबोधन में कहा कि गुमला जैसे अति दुर्गम क्षेत्र के विद्यार्थियों द्वारा राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना अत्यंत गर्व की बात है और यह उपलब्धि एक दिन की नहीं बल्कि वर्षों के सतत प्रयास, सुनियोजित रणनीति और टीम वर्क का परिणाम है।

पानी संकट और लगातार बिजली कटौती से जनता परेशान

नवप्रदेश/गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव ने कहा कि भीषण गर्मी में गिरिडीह जिला की जनता पानी संकट और लगातार बिजली कटौती से परेशान है। गांव से लेकर शहर तक लोग मूल भूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे। श्री साव ने कहा कि झारखंड में आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है और हेमंत सरकार सत्ता के सुख में डूबी हुई है। आम जनता प्यास, अंधेरे और बदहाल व्यवस्था से त्रस्त है जबकि सरकार पूरी तरह से संवेदनहीन और विफल साबित हो रही और यहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि को ये सब समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। सुरेश साव ने कहा कि एक तरफ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा लोक जनकल्याणकारी योजना चला रही है और अपने संकल्प के साथ हर घर जल नल योजना से पेयजल आपूर्ति कर रही है और वही योजना आज झारखंड में शोभा की वस्तु बन गयी है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

पदाधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

▶▶ शीघ्र मरम्मति कर पुनः संचालित करने का निर्देश

नवप्रदेश/सरायकेला। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नीतिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए खराब चापाकलों एवं जलमीनारों की शीघ्र मरम्मति सुनिश्चित करने, पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन करने तथा छूटे हुए सभी ग्राम एवं टोलों को नल-जल योजना से आच्छादित कर पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिया गया कि ड्राई क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

इसके अतिरिक्त जल जीवन मिशन (JJM), सिंगल विलेज स्कीम (रश्ट), मल्टी विलेज स्कीम (टश्र), 14वें एवं 15वें वित्त आयोग सहित विभिन्न योजनाओं के तहत निर्मित पेयजल आपूर्ति योजनाएं, जो वर्तमान में किसी कारणवश बंद अथवा खराब हैं, उनकी शीघ्र मरम्मति कर पुनः संचालित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त पेयजल संबंधी शिकायतों एवं सूचनाओं का त्वरित संज्ञान लेते हुए निर्धारित समयावधि के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की भौतिक स्थिति का निरीक्षण करने, जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए योजनाओं के सुचारु संचालन, जलापूर्ति की गुणवत्ता बनाए रखने तथा क्षेत्रीय स्तर पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में योजनाओं की प्रगति, कार्यों की अद्यतन स्थिति एवं लंबित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में प्रभारी उप विकास आयुक्त सह निदेशक डीआरडीए श्री अजय तिर्की, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी कनीय अभियंता, जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

एनएच पर सुरक्षा इंतजाम नदारद, नहीं जल रहा फोरलेन का स्ट्रीट लाइट

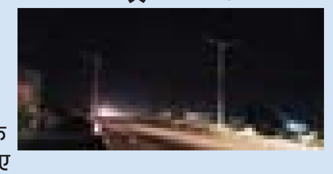

नवप्रदेश/चांडिल। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी एक बार फिर सामने आई है। चौका में फोरलेन पर लगाए गए स्ट्रीट लाइट बीते एक सप्ताह से बंद हैं। सड़क पर बनाए गए ओवर ब्रीज पर लगाए गए लाइट नहीं जलने से रात के वक्त दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है। स्थिति और गंभीर इसलिए भी है क्योंकि सर्विस रोड की शुरूआत वाले स्थान पर न तो कोई गतिरोधक (स्पीड ब्रेकर) बनाया गया है और न ही पर्याप्त चेतावनी संकेत लगाए गए हैं। सर्विस रोड शुरू होने वाले स्थान पर पर्याप्त संकेतक (साइनेज) और सुरक्षा व्यवस्था नहीं रहने के कारण आए दिन वाहन चालक भ्रमित होकर डिवाइडर पर चढ़ जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, संबंधित स्थान पर रेडियम युक्त साइनेज नहीं हैं, जिससे रात के समय वाहन चालकों को सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के विभाजन का स्पष्ट संकेत नहीं मिल पाता और वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं। बताया जाता है कि इससे पहले भी करीब एक दर्जन वाहन इसी स्थान पर डिवाइडर पर चढ़ चुके हैं। उक्त स्थान पर पूर्व में एनएचएआइ द्वारा काला-पीला पट्टी वाला संकेतक लगाया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में वह भी किसी वाहन की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद से अब तक वहां कोई नया संकेतक नहीं लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द रेडियम साइनेज, स्पीड ब्रेकर और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

विद्यालयों एवं ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य एवं योग शिविर आयोजित

नवप्रदेश/सरायकेला। आयुष विभाग द्वारा आयुरविद्या कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पदमपुर में स्वास्थ्य एवं वेलनेस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 52 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. गजाला परवीन द्वारा किया गया तथा आवश्यकता अनुसार दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक प्रेमाशीष महतो द्वारा छात्र-छात्राओं के बीच योग वेलनेस सत्र का आयोजन किया गया। साथ ही 5 योग मित्रों के बीच टी-शर्ट, कैप एवं बैच का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी द्वारा जनुम क्षेत्र में वयोवृद्ध स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच एवं दवा वितरण किया गया। वहीं आयुष विभाग द्वारा आयुरविद्या कार्यक्रम के अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, डिटसाई में स्वास्थ्य एवं वेलनेस शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 43 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. डिंपल कुंकल द्वारा किया गया तथा आवश्यकता अनुसार दवाओं का वितरण किया गया। सरायकेला-खरसावां जिला के उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षक भवानी शंकर एवं रश्मि महतो द्वारा योग वेलनेस सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही 5 योग मित्रों के बीच टी-शर्ट, कैप एवं बैच का वितरण किया गया।

ग्रामीणों ने एक बैल चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंपा, अन्य पांच भागने में सफल

नवप्रदेश/ईचागढ़। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के ईचागढ़ वस्ती में ग्रामीणों ने सोमवार को एक बैल चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों ने बीते रात को भाग रहे चोरों का पीछे करते हुए पुरी रात जगाकर सोमवार सुबह को नदी किनारे एक झाड़ी में छुपे हुए चोर को पकड़ लिया। पूर्व उप मुखिया चण्डी चरण यादव ने बताया कि रविवार देर रात को एक सफेद रंग का एस्कापीयी गाड़ी में उनके बैलों को पकड़कर गाड़ी में डाल रहा था,तभी किसी ने देख लिया और आपस में एक दुसरे को सुचित कर चोरों को घेरने का कोशिश किया तो बैलों को छोड़कर गाड़ी लेकर चार चोर फरार हो गया एवं दो नदी में छलांग लगा कर भागा। उन्होंने कहा कि पुरे ग्रामीण चारों ओर रात भर खोजने के बाद सुबह नदी किनारे एक झाड़ी में पकड़ा गया एवं ग्रामीणों के समक्ष बैल चोरी की कोशिश भी अबुल किया। बताया जा रहा है कि बैल चोरी के संदेह में पकड़े गए युवक का नाम मोहम्मद फैज कपाली के रहने वाला बताया जा रहा है। हालांकि ईचागढ़ पुलिस द्वारा ग्रामीणों के बयान पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुटी है।क्षेत्र में चोरी का घटनाओं से क्षेत्र में भय का माहौल है। चुंकि दो दिन पहले भी टीकर गांव में भक्तु साहू के बंद घर का ताला तोड़कर आभूषण सहित लाखों रुपए चोरी कर लिया गया है। एक सप्ताह पूर्व उत्क्रमित मध्य विद्यालय आगसीया में अज्ञात चोरों द्वारा मध्यान्ह भोजन का चावल,डेग, बाल्टी,थाली,गैस सिलेंडर आदि चोरी कर लिया गया था। बढ़ते चोरी का घटना से लोग काफी भयभीत हैं।

जिला स्तरीय संयुक्त प्रवर्तन दल का गठन

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निदेश पर आगामी खरीफ मौसम को ध्यान में रखते हुए दुमका जिले में उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी एवं औद्योगिक दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला स्तरीय संयुक्त प्रवर्तन दल (खङ्गल्ल३ एल्लाङ्गॄील्ल३ ळीं)/ऊ२३ॢ३ छीफ़ी' ळंर' ऋङ्कॄी का गठन किया गया है। यह गठन कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार से प्राप्त निदेशों के आलोक में किया गया है। ठित संयुक्त प्रवर्तन दल में पुलिस अधीक्षक, दुमका, उप विकास आयुक्त, दुमका, अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका एवं जिला कृषि पदाधिकारी, दुमका को सदस्य बनाया गया है। उपायुक्त ने गठित टीम को निर्देश दिया है कि खरीफ मौसम में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध हो, इसके लिए नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी एवं अवैध उपयोग के विरुद्ध अभियान चलाकर सघन जांच एवं छापेमारी की जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रेम प्रसंग मामले में हत्या का खुलासा

इनकी हुई गिरफ्फतारी

देवा गृहीं, उम्र- 40 वर्ष, पिता- स्व० सहिबा गृही, सा०- झुंझी थाना रामगढ़, जिला दुमका, बनासारी देवी, उम्र-30 वर्ष, पति- देवा गृही सा०- झुंझी थाना रामगढ़, जिला दुमका, आशिक गृही, उम्र 23 वर्ष, पिता- स्व० मंगरू गृही सा०- झुंझी थाना रामगढ़, जिला दुमका, जगेवर देहरी, उम्र-18 वर्ष, पिता स्व० सुदिन देहरी सा०- आसनबनी थाना काठीकुण्ड जिला दुमका

नवप्रदेश/दुमका। दिनांक-07.05.2026 को प्रातः 08.45 बजे सूचना मिली कि सा०-झुंझी एवं दोन्दिया के बीच स्थित डंगाल में एक व्यक्ति का शव मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। प्राप्त सूचना के आलोक में रामगढ़ थाना सनहा सं0-08/26 दर्ज करते हुए सूचना के सत्यापन एवं विधि सम्मत कार्रवाई हेतु सशस्त्र बल के साथ ग्राम दोंदिया डंगाल पहुंचकर शव को देखने एवं छानबीन करने पर प्रथम द्दष्टया मामला हत्या का प्रतीत होना पाया गया। तदोपरान्त शव को पुलिस द्वारा अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका भेजा गया तथा मृतक दिनेश कुमार राय की पत्नी ललिता देवी के फर्दब्यान के आधार पर रामगढ़ थाना काण्ड सं0-34/2026, दिनांक-07.05.2026, धारा 103 (1)/238 भारतीय न्याय संहिता 2023 अज्ञात अपराधकर्मियों के अंकित किया गया। काण्ड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय दुमका के निदेर्शानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक रक्ळ का गठन किया गया। रक्ळ के द्वारा गुप्त सूचना एवं तकनिकी अनुसंधान के क्रम में पाया गया कि काण्ड के मृतक दिनेश कुमार राय एवं अप्राथमिकी अभियुक्त बनासरी देवी के बीच प्रेम प्रसंग था। जिसके आधार पर अप्राथमिकी अभियुक्त बनासरी देवी एवं उसके पति देवा गृही को पुलिस द्वारा पुछताछ करने पर दोनो ने अपने अन्य सहयोगी 1. जोगेश्वर देहरी एवं 2. आशिक गृही के साथ मिलकर अपराधिक षडयंत्र रचकर दिनेश कुमार राय की हत्या करने की बात स्वीकार किये। उसके बाद काण्ड के अप्राथमिकी अभियुक्त, देवा गृही, उम्र- 40 वर्ष, पिता- स्व० सहिबा गिरही, बनासारी देवी, उम्र-30 वर्ष, पति- देवा गृही, आशिक गृही, उम्र 23 वर्ष, पिता- स्व० मंगरू गृही तीनों सा० झुझी, थाना रामगढ़, जगेश्वर देहरी, उम्र 18 वर्ष, पिता स्व० सुदिन देहरी सा०-आसनबनी थाना काठीकुण्ड सभी जिला दुमका को गिरफ्तार करते हुए उनलोगो के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का रड, खून लगा हुआ दो पत्थर, मृतक का मोबाईल एवं कुल्हाड़ी को बरामद किया गया है।

जिला प्रशासन के निर्देश पर करमाटांड में छापेमारी, अवैध खनन पर कसा शिकंजा

नवप्रदेश/करमाटांड। गांडेय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गांडेय थाना क्षेत्र के करमाटांड गांव में रविवार की रात को अवैध रुप से संचालित एक पत्थर खदान में छापामारी किया है। छापामारी के क्रम में पुलिस ने खदान से दो टैक्टर कम्पैसर लगा हुआ और एक पोकलेन को जब्त किया है। पुलिस जब्त वाहन को थाना ले आई है। पुलिस ने मामले पर त्वरित कारवाई करते हुए गांडेय सीओ मो हुसैन के लिखित आवेदन के आधार पर खदान संचालक कोडरमा निवासी अंकित सिह के खिलाफ 22/26 के तहत मामला दर्ज किया है। बता दे कि गिरिडीह जिला प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि करमाटांड गांव में अवैध रुप से खदान का संचालन किया जाता जा रहा है। जिला प्रशासन ने गांडेय सीओ को कारवाई का निर्देश दिया। जिला प्रशासन का निर्देश मिलते ही गांडेय सीओ के गांडेय पुलिस को कारवाई का निर्देश दिया। सीओ से निर्देश मिलने पर गांडेय थाना प्रभारी अमित कुमार चोधरी दल - बल के साथ खदान पहुंचे और कारवाई किया।

सरकारी विद्यालयों में संचालित स्पोकन इंग्लिश अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

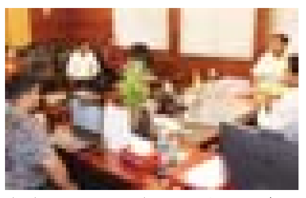

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सरकारी विद्यालयों में संचालित स्पोकन इंग्लिश अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के प्रभावी संचालन, विद्यार्थियों की भागीदारी तथा अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को उनकी सीखने की क्षमता एवं स्तर के अनुसार अलग-अलग कैटेगरी में विभाजित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ग के बच्चों के लिए उसी अनुरूप स्पोकन इंग्लिश से संबंधित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों को बेहतर तरीके से अंग्रेजी सीखने का अवसर मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के लिए ऐसी सरल एवं व्यवहारिक स्टडी मटेरियल तैयार की जाए, जिससे उन्हें अंग्रेजी पढ़ने, समझने एवं बोलने में आसानी हो। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों के अनुकूल शिक्षण पद्धति अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि अध्ययन सामग्री रोचक एवं उपयोगी होनी चाहिए। उन्होंने विद्यालयों में स्पोकन इंग्लिश क्लब के गठन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि क्लब के माध्यम से बच्चों को नियमित अभ्यास, संवाद एवं समूह गतिविधियों का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें अंग्रेजी बोलने का आत्मविश्वास विकसित होगा।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया गुण्डा पंचायत का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश/चांडिल। नीमडीह प्रखंड अंतर्गत सोमवार की सुबह नीमडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्राम पंचायत गुण्डा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत कार्यालय के विभिन्न अभिलेखों और सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कार्यालय के रखरखाव और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। बीडीओ ने कोई पंजियों और योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें कार्यालय अभिलेखः डिस्पैच रजिस्टर, इंडेक्स रजिस्टर और इश्यू रजिस्टर की बारीकी से जांच की गई।कैशबुक को अपडेट रखने और सरकारी राशि के सदुपयोग का मिलान किया गया। विकास योजनाएं चल रही योजनाओं में मजदूरों की उपस्थिति और मस्टर रोल की जांच। पंचायत स्तर पर हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा किया। पीएम आवास पीएम आवास और अबुआ आवास के तहत लंबित पड़े मकानों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पंचायत में 'ज्ञान केंद्र' पुस्तकालय/अध्ययन केंद्र का उद्धघाटन भी किया गया। बीडीओ ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया और कहा कि यह केंद्र ग्रामीण छात्र-छात्राओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत के कामकाज में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं करे एवं जनसमस्या पर त्वरित कार्यवाई करते हुए उनकी समस्या का निदान करे। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का निपटारा समयबद्ध तरीके से हो और सभी सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। पंचायत कार्यालय को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी रजिस्टर प्रतिदिन अपडेट होने चाहिए। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना, साथ ही संबंधित अधिकारियों को जल्द निष्पादन का भरोसा दिलाया।

जनता दरबार का आयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह। पचम्बा थाना परिसर में जमीन विवादों के निष्पादन को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की देखरेख गिरिडीह सदर अंचल अधिकारी जितेंद्र प्रसाद ने की। इस दौरान राजस्व कर्मचारी शंभू कुमार एवं पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार उपस्थित रहे। जनता दरबार में पहुंचे लोगों की जमीन संबंधी समस्याओं को सुनते हुए लगभग 6 से 7 मामलों का निष्पादन किया गया। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात सुनकर आपसी सहमति से विवादों को सुलझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीन विवाद को लेकर किसी भी पक्ष द्वारा जमीन पर जाकर गाली-गलौज, दबाव बनाने या गुंडागर्दी करने की कोशिश नहीं की जाए। कानून को हाथ में लेने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। मौके पर अंचल अधिकारी ने कहा कि आम लोगों को जमीन विवाद से राहत दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह पचम्बा थाना में जनता दरबार लगाया जाएगा, ताकि लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

मोबाइल मेडिकल यूनिट से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित

नवप्रदेश/दुमका। समाहरणालय सभागार में अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मोबाइल मेडिकल यूनिट से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच तथा क्षेत्रवार कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जहां भी मोबाइल मेडिकल यूनिट जाएगी, वहां संबंधित सहिया की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सहिया के माध्यम से आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया जाए, ताकि ग्रामीणों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि स्कूलों के आसपास मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे बच्चों एवं किशोरियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा की जा रही सभी जांचों की प्रविष्टि ल्टक्र पोर्टल पर अनिवार्य रूप से की जाए। साथ ही जिस क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट जा रही हो, वहां की गर्भवती महिलाओं के एएनसी ड्यू डेट की सूची संबंधित टीम को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय पर एएनसी जांच सुनिश्चित करते हुए उसे ल्टक्र में भी अपडेट किया जा सके। इस संबंध में सभी एमओआईसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने सिविल सर्जन कार्यालय में मोबाइल मेडिकल यूनिट की लाइव ट्रैकिंग व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि यह जानकारी उपलब्ध रहे कि वर्तमान समय में यूनिट किस क्षेत्र में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में भी मोबाइल मेडिकल यूनिट का उपयोग त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली-पानी संकट पर भाजपा का मटकी फोड़ आंदोलन, सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप

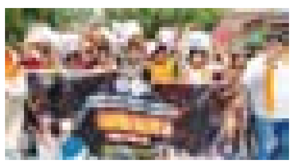

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह में बिजली और पानी की गंभीर समस्या को लेकर सोमवार को भाजपा ने समाहरणालय परिसर में मटकी फोड़ आंदोलन किया। आंदोलन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए आम जनता की समस्याओं को उठाया। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के बीच राज्य सरकार लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है। शहर से लेकर गांव तक लोग बिजली कटौती और पानी की किल्लत से परेशान हैं। नेताओं ने कहा कि अनियमित बिजली आपूर्ति और पेयजल संकट ने आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ह्लराज्य सरकार जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। गर्मी के मौसम में लोगों को पर्याप्त बिजली और पानी उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह असफल साबित हुई है।

टोल वसूली जारी, सड़क बदहाल, चौका-कांड्रा मार्ग पर भड़के हरे लाल महतो, दी आंदोलन की चेतावनी

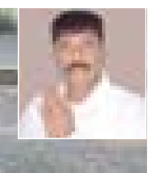

नवप्रदेश/ईचागढ़। सरायकेला-खरसावां जिले के महत्वपूर्ण चौका-कांड्रा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर अब राजनीतिक और जनआक्रोश तेज होने लगा है। लगभग एक वर्ष से जर्जर पड़े इस टोल रोड को लेकर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह ईचागढ़ के पूर्व विधायक प्रत्याशी हरे लाल महतो ने सरकार और सड़क निर्माण एजेंसी पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में हरे लाल महतो ने कहा कि चौका-कांड्रा मार्ग केवल ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिले के हजारों लोगों के लिए राजधानी रांची पहुंचने का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि रोजाना लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन चुके हैं, खासकर चौका क्षेत्र के आसपास स्थिति अत्यंत भयावह है। भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और आए दिन वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है।

हरे लाल महतो ने टोल वसूली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब यह एक टोल रोड है तो इसकी देखरेख करने वाली एजेंसी आखिर क्या कर रही है। लोगों से नियमित रूप से टोल टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सड़क की मरम्मत के नाम पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे रहने वाले दुकानदार और स्थानीय ग्रामीण पिछले एक साल से धूल और कीचड़ के बीच नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गर्मी में उड़ती धूल और बारिश में जमा कीचड़ ने लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोल्हान आयुक्त कार्यालय से लेकर जिला मुख्यालय तक के अधिकारी अक्सर इसी मार्ग से रांची आते-जाते हैं।

बद्रीनारायण साहा डीएवी पब्लिक स्कूल में समर कैंप का भव्य उद्घाटन

नवप्रदेश/गिरिडीह। सिरसिया स्थित बद्रीनारायण साहा डीएवी पब्लिक स्कूल में सोमवार को 'छह दिवसीय समर कैंप' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय में उपस्थित अभिभावकों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर बच्चों की उमंग, उत्साह और रचनात्मक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दिया। समर कैंप में कक्षा तीन से कक्षा आठ तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कैंप में पाठ्य, सहगामी एवं खेल आधारित अनेक गतिविधियों को शामिल किया गया है। कैंप के दौरान छात्र-छात्राएँ हिंदी ड्रामा, भाषण, अभिव्यक्ति, कविता पाठ, अंग्रेजी ग्रामर, ड्रामा एवं स्पीच, ह्लमैथ्स विद फनह्व, संगीत एवं कलाशिक्षा तथा नृत्य कौशल जैसी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त क्रिकेट, बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल गतिविधियों को भी समर कैंप का हिस्सा बनाया गया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्रों के बौद्धिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता एवं टीम भावना का विकास होगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर मुकाम हासिल कर सकेंगे। विद्यालय के प्राचार्य सचिन गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के चौमुखी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल और आत्मविश्वास के विकास के लिए ऐसे रचनात्मक मंच अत्यंत आवश्यक हैं।

दिलीप दास हत्याकांड की जांच तेज

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह के कबरीबाद इलाके में दिलीप दास हत्याकांड की जांच तेज हो गई है। सोमवार को रांची से एफएसएल की चार सदस्यीय टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम का नेतृत्व सहायक निदेशक डॉ. लवकुश शर्मा कर रहे थे। टीम में वैज्ञानिक जहांगीर इमाम, प्रिंस कुमार सहित अन्य तकनीकी कर्मी शामिल थे। टीम ने पूरे इलाके का बारीकी से निरीक्षण किया और वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए। जमीन, आसपास के क्षेत्र तथा संभावित स्थानों से मिट्टी व अन्य जैविक-भौतिक नमूने एकत्र किए गए। घटनास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी की गई ताकि हर पहलू का रिकॉर्ड सुरक्षित रहे। सभी सैंपल को जांच के लिए रांची एफएसएल लैब भेजा गया है। मौके पर मुफस्सिल थाना पुलिस भी मौजूद रही और टीम को अब तक की जांच से अवगत कराया गया।

संपादकीय

देश में गंभीर आर्थिक संकट

वैश्विक परिदृश्य इस समय अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने हालात को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से पेट्रोलियम उत्पादों के संयमित उपयोग और सोने की खरीद पर रोक लगाने की अपील महज एक सामान्य सलाह नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। यह अपील देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने और विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने की दिशा में एक गंभीर कदम है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस जैसी आवश्यक वस्तुएं सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों से प्रभावित होती हैं। जब वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर देश के आयात बिल पर पड़ता है, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव बनता है। ऐसे में यदि आम नागरिक अनावश्यक ईंधन खपत को कम करते हैं, तो यह सामूहिक रूप से एक बड़ी आर्थिक राहत दे सकता है। इसी प्रकार, भारत में सोने की भारी मांग भी एक आर्थिक चुनौती है। सोना सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसके आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यदि लोग एक वर्ष तक सोने की खरीद को टालते हैं, तो इससे अरबों डॉलर की बचत संभव है। यह कदम देश की आर्थिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। प्रधानमंत्री की अपील में केवल चेतावनी ही नहीं, बल्कि समाधान के संकेत भी हैं। वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना, अनावश्यक यात्रा से बचना, ऑनलाइन बैठकों को प्राथमिकता देना–ये सभी कदम न केवल ईंधन की खपत कम करेंगे, बल्कि आधुनिक कार्यसंस्कृति को भी मजबूती देंगे। इसके साथ ही खाने के तेल की खपत में कमी और सस्ती उर्वरकों का उपयोग जैसे सुझाव भी आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में सार्थक प्रयास हैं। सरकार भी वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर तेजी से काम कर रही है। सौर ऊर्जा, इथेनॉल मिश्रण, पाइप्ड गैस और सीएनजी जैसे विकल्प भारत को आत्मनिर्भर ऊर्जा प्रणाली की ओर ले जा रहे हैं। इन पहलों से न केवल आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। हालांकि, इन अपीलों की सफलता नागरिकों की भागीदारी पर निर्भर करती है। आर्थिक संकट से निपटना केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है। आज देशभक्ति का अर्थ केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग में भी निहित है। इस कठिन समय में यदि देशवासी संयम, समझदारी और सहयोग का परिचय देते हैं, तो भारत न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य में एक मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में उभर सकता है।

मुद्दा

सड़कों पर दम तोड़ती गायें

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है–कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को माता कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और इंसानों की लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल दूध देने वाली मशीन समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है? विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक गौ माता का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती? यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं। भारत स्मार्ट सिटी और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है। हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ लिया

हरदीप सिंह पुरी

> बंगाल का इतिहास गवाह है कि यह राज्य केवल सांस्कृतिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का भी केंद्र रहा है। यह वही भूमि है जिसने भारत को औद्योगिक आधार, वाणिज्यिक राजधानी और प्रशासनिक ढांचा दिया। आज जरूरत है कि उस गौरव को फिर से हासिल किया जाए। इसके लिए नीतिगत सुधार, निवेश को प्रोत्साहन, और पारदर्शी प्रशासन आवश्यक हैं।

हावड़ा को कभी एशिया का शेफील्ड कहा जाता था। हुगली नदी के किनारे फैली जूट मिलें, इस उपमहाद्वीप के संगठित औद्योगिक ढांचे की रीढ़ हुआ करती थीं। उस समय का कलकत्ता–आज का कोलकाता–सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक धड़कन था। यह वह दौर था जब उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसरों का सबसे बड़ा केंद्र यहीं था। बिड़ला और टाटा जैसे औद्योगिक घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स जैसी बड़ी कंपनियों के मुख्यालय इस शहर में स्थित थे।

1950-51 के आसपास बंगाल देश के कुल मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत योगदान देता था–यह आंकड़ा अपने आप में उस समय के औद्योगिक प्रभुत्व को दर्शाता है। यह वह समय था जब कोई भी युवा, अपने सपनों का संदूक लेकर कलकत्ता आता था और विश्वास के साथ कह सकता था कि वह भारत के आर्थिक केंद्र में कदम रख रहा है। ट्रामें चलती थीं, फैक्ट्रियां गूंजती थीं और रोजगार के अवसर निरंतर बढ़ते रहते थे।

लेकिन इस चमकते हुए औद्योगिक साम्राज्य का पतन अचानक नहीं हुआ। इसे धीरे-धीरे, व्यवस्थित रूप से और नीतिगत विफलताओं के जरिए कमजोर किया गया। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद एक नई राजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत हुई, जो 34 वर्षों तक चली। इस दौरान श्रमिक हितों के नाम पर ट्रेड यूनियनवाद को बढ़ावा मिला, लेकिन यह जल्द ही उद्योग-विरोधी माहौल में बदल गया।

व्यापार और उद्योग के लिए अनुकूल माहौल खत्म होने लगा। हर छोटी-बड़ी गतिविधि के लिए अनुमति और चंदा जरूरी हो गया। मकान बनाना हो या दुकान खोलना, परिवहन पंजीकरण हो या पंचायत बैठक–हर जगह एक समानांतर सत्ता का प्रभाव दिखने लगा। इससे उद्योगपति और निवेशक राज्य से बाहर जाने लगे।

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बंगाल, जो कभी औद्योगिक शक्ति का केंद्र था, धीरे-धीरे आर्थिक पिछड़ेपन की ओर बढ़ने लगा। 2000 के दशक में जब वाम सरकार ने अपने रुख में बदलाव करते हुए उद्योगों को वापस लाने की कोशिश की और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने का प्रयास किया, तब राजनीतिक विरोध ने इस प्रयास को विफल कर दिया। परिणामस्वरूप, यह परियोजना गुजरात चली गई–जो बंगाल के औद्योगिक भविष्य के लिए एक बड़ा झटका था।

2011 में सत्ता में आयी तृणमूल कांग्रेस

2011 में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई और परिवर्तन का वादा किया। लेकिन वास्तविकता में जो बदलाव आया, वह केवल स्वरूप का था, सार का नहीं। चंदा अब एवजी-रकम बन गया और कार्यकर्ता सिंडिकेट में बदल गए। भ्रष्टाचार और अनौपचारिक तंत्र ने राज्य की प्रशासनिक संरचना को जकड़ लिया। इसके परिणामस्वरूप, बंगाल की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती गई। मैन्युफैक्चरिंग में राज्य की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत से गिरकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई। प्रति व्यक्ति आय, जो कभी राष्ट्रीय औसत से अधिक थी, अब उससे काफी नीचे पहुंच गई। हजारों कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर लिए।

सबसे अधिक असर युवाओं पर पड़ा। जो युवा कभी बंगाल में अवसर खोजते थे, अब वे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों की ओर पलायन करने लगे। राज्य से प्रतिभा का यह निरंतर पलायन, विकास के अवसरों की कमी को दर्शाता है। इसी दौरान कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठे। कई घटनाओं ने यह संकेत दिया कि राज्य में प्रशासनिक तंत्र कमजोर हो चुका है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों और न्याय में देरी ने जनता के विश्वास को और कमजोर किया। इसके साथ ही भर्ती घोटाले, भ्रष्टाचार और घूसखोरी ने युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया। शिक्षकों की नियुक्तियों में अनियमितताएं सामने आईं और हजारों नियुक्तियां रद्द करनी पड़ीं। इससे न केवल युवाओं का भरोसा टूटा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हुई। राशन घोटाला, मवेशी तस्करी और अन्य भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी है। आम नागरिक, जो इन व्यवस्थाओं के बीच फंसा हुआ था, धीरे-धीरे बदलाव की ओर देखने लगा।

अब वास्तविक बदलाव लाने का प्रयास

इसी पृष्ठभूमि में, जनता के सामने एक विकल्प उभरा–एक ऐसा विकल्प जो विकास, पारदर्शिता और सुशासन की बात करता था। केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत ने लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने का प्रयास किया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने भ्रष्टाचार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन योजनाओं के प्रभाव ने जनता को यह विश्वास दिलाया कि यदि सही नीतियां लागू हों, तो बदलाव संभव है।

चुनाव के दौरान यह भावना और मजबूत हुई। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं ने कठिन परिस्थितियों में काम किया। धमकियों और हिंसा के बावजूद उन्होंने मतदाताओं तक पहुंच बनाई और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया। अंततः, जनता ने अपने मत के माध्यम से निर्णय लिया। यह केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं था, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक बदलाव की शुरूआत का संकेत था। यह जनादेश केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने के लिए था।

मतदाता सूची में सुधार और रिकॉर्ड मतदान ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता अपने निर्णय को लेकर सजग और प्रतिबद्ध है। विरोध के बावजूद, आंकड़े यह दिखाते हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रही।

आज बंगाल एक नये मोड़ पर

आज बंगाल एक नए मोड़ पर खड़ा है। जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह हिंसा, भ्रष्टाचार और अनिश्चितता से मुक्त एक नया भविष्य चाहती है। वह रोजगार, विकास और स्थिरता की ओर बढ़ना चाहती है।

बंगाल का इतिहास गवाह है कि यह राज्य केवल सांस्कृतिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का भी केंद्र रहा है। यह वही भूमि है जिसने भारत को औद्योगिक आधार, वाणिज्यिक राजधानी और प्रशासनिक ढांचा दिया। आज जरूरत है कि उस गौरव को फिर से हासिल किया जाए। इसके लिए नीतिगत सुधार, निवेश को प्रोत्साहन, और पारदर्शी प्रशासन आवश्यक हैं।

यदि सही दिशा में प्रयास किए जाएं, तो बंगाल एक बार फिर देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में बंगाल का योगदान महत्वपूर्ण हो सकता है।

यह जनादेश केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत का संकेत है–एक ऐसे भविष्य की ओर, जहां विकास, न्याय और अवसर हर नागरिक तक पहुंचे।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस आज : फ्लोरेंस नाइटिंगेल जो कर गईं, वह बेमिसाल

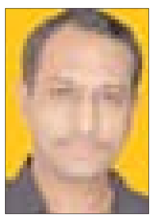

योगेश कुमार गोयल

> 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई।

दया और सेवा की प्रति मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता माना जाता है। उनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उनकी जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके।

लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत में वर्ष 1973 में नर्सों के अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करती है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटैलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की। मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही उन्हें एहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवाकार्यों के लिए ही हुआ है।

हालांकि उस दौर में नर्सिंग को सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्किये की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार ने फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्किये भेजा। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। उन्होंने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से लेडी विद द लैंप कहने लगे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहीं।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सेवा कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया। उन्हें रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने सम्मानित किया। फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। दुनिया जानती है कि फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया। उनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सामाजिक -आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी- संत मुक्ताबाई

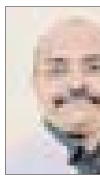

गिरीश जोशी

> मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है। उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं।

महाराष्ट्र की संत परंपरा में संत मुक्ताबाई का नाम अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल संत ज्ञानेश्वर की छोटी बहन ही नहीं थीं, बल्कि स्वयं एक उच्चकोटि की संत, दार्शनिक चिंतक और कवयित्री थीं। वारकरी संप्रदाय में मुक्ताबाई को स्त्री-संत परंपरा की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त है। उनकी वाणी में ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, समता और आत्मबोध का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। मध्यकाल में जब दुनिया भर के अन्यान्य देशों में महिलाओं को उचित स्थान नहीं था तब भारतीय समाज में मुक्ताबाई ने अपने चिंतन और आध्यात्मिक योगदान से विशेष स्थान अर्जित किया।

जन्म एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि

संत मुक्ताबाई का जन्म 13वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के आपेगांव आलंदी क्षेत्र में माना जाता है। वे अपने तीन संत भाई निवृत्तिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव की छोटी बहन थीं। उनका परिवार सामाजिक बहिष्कार, धार्मिक रूढ़ियों की प्रताड़ना का शिकार हुआ था। उनके पिता विठ्ठलपंत ने पहले संन्यास लिया था लेकिन किसी कारण से बाद में फिर से गृहस्थ जीवन में लौटने के कारण समाज ने इनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था। इस सामाजिक पीड़ा ने मुक्ताबाई के मन में विद्वेष की जगह करुणा, समता और आध्यात्मिकता को मजबूती से विकसित किया।

आध्यात्मिक संस्कार

मुक्ताबाई को आध्यात्मिक संस्कार उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विठ्ठल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकाभिमुख बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्भुद समन्वय मिलता है। मुक्ताबाई का जीवन यह प्रतिपादित करता है कि ईश्वर-प्राप्ति, ज्ञान और मोक्ष में स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है। उनकी भूमिका से स्पष्ट हुआ कि स्त्री भी गुरु हो सकती है। स्त्री भी दार्शनिक संवाद कर सकती है। स्त्री भी समाज को दिशा दिखा सकती है । मुक्ताबाई का जीवन वृत्त संत साहित्य, लोककथाओं और परंपरागत आख्यानों पर आधारित है। उनका प्रभाव वारकरी संप्रदाय और मराठी संत साहित्य पर गहरा पड़ा है। उनकी रचनाओं में स्त्री अनुभव, सामाजिक पीड़ा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का अद्भुत समन्वय मिलता है।

संत ज्ञानेश्वर के जीवन में भूमिका

मुक्ताबाई केवल संत ज्ञानेश्वर की बहन ही नहीं थीं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सहयात्री भी थीं। अनेक कथाओं में ये उल्लेख भी मिलता है कि जब ज्ञानेश्वर सामाजिक विरोध

और मानसिक वेदना से व्यथित होते, तब मुक्ताबाई उन्हें धैर्य, समता और क्षमा का भाव धारण करने का संदेश देती थीं। उनकी प्रसिद्ध उक्ति विश्व रागे झाले वन्ही, संत सुखे व्हावे पाणी अर्थात जब संसार क्रोध और द्वेष की अग्नि बन जाए, तब संतों को शीतल जल के समान बन जाना चाहिए। एक बार की बात है समाज के अपमान और तिरस्कार से दुःखी और निराश होकर ज्ञानेश्वर ने स्वयं को एक कुटिया में बंद कर लिया था। तब मुक्ताबाई ने ताटी (कुटिया का दरवाजा) खोलो ये विनती करते हुए अभंग लिखें है। इन अभंगों में करुणा, समता, क्षमा और संत स्वभाव का गहन तत्त्वज्ञान व्यक्त हुआ है।

ताटी के अभंग

ताटी के अभागों में सबसे प्रसिद्ध अभंग है-ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा। योगी पावन मनाचा॥ मुक्ताबाई ज्ञानेश्वर से कहती हैं कि सच्चा योगी लोगों के व्यवहार से विचलित नहीं होता। संत जेणे व्हावे। जग बोलणे सहावे॥ संत वही कहलाए। जो जग की बातें सह जाए॥ इस पंक्ति में संत स्वभाव का सार व्यक्त किया गया है कि संत वही हो सकता है जो दुनिया की निंदा, अपमान, उपेक्षा आदि को सहन करना सीख जाता है। थोरपण जेथे वसे। तेथे भूतदया असे॥ जहां महानता बसती है। वहाँ प्राणिमात्र पर दया होती है॥ मुक्ताबाई के अनुसार सच्ची महानता प्रत्येक प्राणियों के प्रति दया और करुणा में होती है। आपण जैसे व्हावे। अवघे अनुमानावे॥ स्वयं जैसे बनो। वैसे ही सबको समझो॥ मनुष्य स्वयं जैसा होता है वैसा ही दूसरों से अपेक्षा कर सकता है। क्रोधे यावे कोठे। अवघे आपण निधोटे॥ क्रोध किस पर करें। सब अपने ही स्वरूप हैं॥ राग और द्वेष व्यर्थ हैं, क्योंकि सभी जीव उसी परमात्मा के अंश हैं। जीभ दातांनी चाविली। कोणी बत्तीशी तोडिली॥ यदि दांतों ने जीभ काट ली तो क्या कोई अपनी पूरी बत्तीसी तोड़ देता है? जैसे दाँत गलती से जीभ काट लें तो हम दाँत नहीं तोड़ते, वैसे ही सब मनुष्य अपने ही है इसलिए उनकी भूलों को क्षमा करना चाहिए।चणे खावे लोखंडाचे। मग ब्रह्मपदी नाचे॥ लोहे के चने चबाने पड़ते हैं। तब ब्रह्म पद प्राप्त होता है॥ आध्यात्मिक साधना से ब्रह्म तत्व को पाना कठिन होता है उसके लिए धैर्य, सहनशीलता और कठोर तप आवश्यक है। संत मुक्ताबाई के ताटी के अभंग वारकरी संत साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

साहित्यिक योगदान

मुक्ताबाई की रचनाएं मुख्यतः अभंग शैली में उपलब्ध हैं। उनकी वाणी सरल, मार्मिक और अनुभवप्रधान है। उनके अभंगों के प्रमुख विषय आत्मज्ञान, समता, और सामाजिक भेदभाव का विरोध, वैराग्य- माया, अहंकार और लोभ से मुक्ति का संदेश तथा भक्ति, ईश्वर के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण रहे हैं।

सामाजिक दृष्टि एवं नारी विमर्श का स्वर

मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है। उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसलिए आधुनिक महिला विमर्श की दृष्टि से मुक्ताबाई का अध्ययन जरूरी है। मुक्ताबाई की विशेषता उनके ज्ञानप्रधान भक्ति दर्शन में दिखाई देती है। जैसे मीराबाई का केंद्र कृष्णप्रेम है, वैसे ही मुक्ताबाई का केंद्र आत्मज्ञान और समरसता है। आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में मुक्ताबाई का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने 13वीं शताब्दी में ही स्त्री की बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक समानता, सामाजिक अस्मिता और मानवीय गरिमा को स्थापित किया। तत्कालीन समय में मुक्ताबाई का संत, कवयित्री और गुरु रूप में उभरना सामाजिक दृष्टि से क्रांतिकारी घटना थी।

भाषा और अभिव्यक्ति

मुक्ताबाई ने लोकभाषा मराठी में अभंग रचे। उनकी वाणी में सहजता,अनुभव की प्रामाणिकता, करुणा, प्रतिरोध की सौम्य शैली और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वतंत्र स्त्री वैचारिकी की प्रतिनिधि हैं। उन्होंने मध्यकालीन समाज में स्त्री की बौद्धिकता, आध्यात्मिक समानता, स्वतंत्र पहचान और सामाजिक गरिमा को स्थापित किया। वे जागरूक भारतीय स्त्री चेतना की प्रारंभिक प्रवक्ता हैं, जिन्होंने अपने जीवन और वाणी से स्त्री सशक्तिकरण का रास्ता दिखाया।

जीवन का अंतिम चरण

किंवदंतियों के अनुसार अल्पायु में ही उन्होंने देहत्याग किया। किंतु उनका आध्यात्मिक प्रभाव वारकरी परंपरा में आज भी जीवित है। वे महाराष्ट्र की प्रारंभिक स्त्री संत कवयित्री हैं। उन्होंने भक्ति को सामाजिक समता से जोड़ा। उनकी वाणी में ज्ञानेश्वर की परंपरा का दार्शनिक विस्तार मिलता है। वे स्त्री-आध्यात्मिक नेतृत्व का सशक्त उदाहरण हैं। संत मुक्ताबाई का जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक महानता आयु, लिंग या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता पर आधारित होती है। मुक्ताबाई की वाणी आज भी समाज को यह संदेश देती है कि जब संसार द्वेष से जल रहा हो, तब मनुष्य को प्रेम, शांति और करुणा का जल बनना चाहिए।

राजीव गांधी शहादत दिवस की तैयारी को लेकर कांग्रेस की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/लातेहार। जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से 12 मई 2026 मंगलवार को दिन के 11 बजे मयूर इंटरनेशनल स्थित दुबे जी के गोला सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में जिला के सभी प्रखंड अध्यक्ष, कांग्रेस पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन शामिल होंगे।बैठक में 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शहादत दिवस को भव्य रूप से आयोजित करने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी एवं संगठनात्मक रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है। बैठक में मुख्य रूप से केशव महतो कमलेश, प्रदीप बालमुचू, रामेश्वर उरांव, धीरज प्रसाद साहू एवं रामचंद्र सिंह की उपस्थिति रहेगी यह जानकारी असगर खान ने देते हुए सभी कांग्रेसजनों से बैठक में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने दुसरे दिन भी पानी समस्या की ली जानकारी

नल-जल का मोटर स्टार्टर विभाग के पास बढ़ा रहा शोभा, पेयजल के लिए परेशान हैं ग्रामीण

नवप्रदेश/चंदवा। कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने दुसरे दिन भी गांव का भ्रमण कर पानी समस्या की जानकारी ली, उन्होंने बताया कि कामता पंचायत के ग्राम कामता चेकनाका स्थित सूरज साव के घर के समीप लगे नल - जल कई माह से खराब पड़ा हुआ, खराब मोटर को बनाने के लिए विभाग ने मोटर को अपने पास मंगवा लिया है लेकिन अबतक मोटर लगाकर नल-जल चालु नहीं की गई है इससे दर्जन भर ग्रामीण पानी संकट से जूझ रहे हैं, इसी के बगल में गुदून केशरी के घर के समीप लगे नल-जल की पानी सप्लाई पाईप छतीग्रस्त हो गया है, इसके कारण घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

बेलवाही में माडू गंझु के घर के समीप लगे नल-जल में मोटर और स्टार्टर खराब है, मोटर स्टार्टर को खोलकर इसे बनाने के लिए विभाग के मिस्त्री लेकर चले गए हैं, आज तक मोटर स्टार्टर नहीं लगाए जाने से ग्रामीण पानी समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं दामोदर में एनएच किनारे सुरेंद्र उरांव के घर के पास लगे नल-जल का मोटर खराब है इसके कारण गांव वासी पानी के लिए त्राहि-त्राहि हैं, एक तरफ नल - जल का मोटर स्टार्टर विभाग के पास शोभा बढ़ा रहा है। इधर पेयजल के लिए ग्रामीण परेशान हैं, पंसस अयुब खान ने कहा कि पंचायत के ग्राम और टोलों में जगह जगह नल-जल योजना खराब है। इसकी जानकारी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को है लेकिन इसे ठीक करने में विभाग की दिल चश्पी नहीं है, अयुब खान ने उपायुक्त महोदय संदीप कुमार से पंचायत में पेयजल समस्या दूर करने की मांग किया है।

अनियंत्रित बोलेरो पलटी, चालक गंभीर रूप से घायल

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के पकरी गांव में सोमवार को एक बोलेरो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक की पहचान कोमर निवासी लक्ष्मण उरांव (38 वर्ष) पिता विशु उरांव के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मण उरांव अपने घर कोमर से बोलेरो लेकर मासियातू जा रहा था। इसी दौरान पकरी गांव के समीप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर बालूमाथ पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सक अलीशा टोप्पो द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

पानी टंकी मोड़-चंदनडीह सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप

नवप्रदेश/लातेहार। शहर के पानी टंकी मोड़ से चंदनडीह तक बन रही पीसीसी सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में संवेदक पर व्यापक अनियमितता बरतने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क क्षेत्र की अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क है, क्योंकि इसी मार्ग से स्कूल, अस्पताल सहित कई गांव जुड़े हुए हैं। वर्षों से सड़क की हालत बदहाल थी और बरसात के दिनों में लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता था। लंबे इंतजार के बाद सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों में उम्मीद जगी थी, लेकिन अब निर्माण की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण से पहले पुराने पीसीसी मार्ग की समुचित सफाई तक नहीं की जा रही है। धूल-धूसरित सड़क पर ही सीधे ढलाई कर दी जा रही है, जिससे सड़क की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि अभी से लापरवाही बरती गई तो सड़क कुछ ही समय में टूट जाएगी और सरकारी राशि की बबार्दी होगी।

ग्रामीणों ने तकनीकी प्रावधानों का हवाला देते हुए बताया कि आरडब्ल्यूडी के नियमों के अनुसार जहां पहले से पीसीसी सड़क बनी हुई है, वहां छह इंच की ढलाई होनी चाहिए। वहीं जहां सड़क मिट्टी या मोरम की है, वहां बॉक्स कटिंग कर आठ इंच की ढलाई करना अनिवार्य है। लेकिन निर्माण कार्य में इन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि कई जगहों पर बिना बॉक्स कटिंग किए ही सीधे ढलाई की जा रही है।मामले को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह सड़क शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क है, इसलिए इसकी गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व उन्होंने उपायुक्त से मुलाकात कर सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने का आग्रह किया था।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यदि निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी निर्माण कार्य में घटिया गुणवत्ता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही संबंधित विभाग को निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने की जरूरत है ताकि जनता को टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण सड़क मिल सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कर दोषी संवेदक एवं संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहे और जनता को बेहतर सुविधा मिल सके।

कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग कर रहे आंदोलनकारियों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/दुमका। उपराजधानी दुमका के घनी आबादी के बीच स्थित रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग अब तेज होने वाली है। रविवार को कोयला डस्ट से भरे पड़े दुमका रेलवे स्टेशन का पोल खोलने के बाद आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा से ज्ञापन सौंपकर यहां से अविलंब कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में आंदोलनकारियों ने साफ किया है कि अविलंब यहां से कोयला यार्ड को नहीं हटाया गया तो स्थानीय फूलों झानो चौक पर कोयला गाड़ी का परिचालन बंद कर दिया जाएगा। आंदोलनकारियों का प्रतिनिधित्व कर रहे रवि शंकर मंडल के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में रेलवे स्टेशन की भौगोलिक स्थिति की जानकारी देते हुए स्थानीय लोगों की मूल समस्या और पीसीबी की मिली भगत और बीजीआर कंपनी की मनमानी का भी उल्लेख किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि दुमका देश का पहला रेलवे स्टेशन है जहां यात्रियों का आवागमन और कोयला का परिचालन एक साथ होता है। आंदोलनकारियों ने उपायुक्त श्री सिन्हा से पहल करते हुए और आम यात्रियों और जनता के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए यहां से कोयला डंपिंग यार्ड हटाया जाए। प्रतिनिधिमंडल में श्री मंडल के साथ विष्णु यादव,अभय गुप्ता,अर्जून कापरी,जिमी यादव,जगरनाथ पंडित और आशीष नायक शामिल थे।

डीसी ने जिला कृषि कार्यालय एवं पशुपालन कार्यालय का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार के द्वारा जिला कृषि कार्यालय, भूमि संरक्षण कार्यालय, गव्य विकास कार्यालय एवं पशुपालन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में कर्मियों की उपस्थिति की जानकारी ली गई तथा कार्यालय व्यवस्था का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्यालय संचालन में अनुशासन एवं कार्य संस्कृति बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आमजनों के कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय परिसर एवं कक्षों में साफ-सफाई की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं कार्यालय परिसर को व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि कार्यालयों में बेहतर कार्य वातावरण एवं अनुशासित व्यवस्था से आमजनों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं तत्परता के साथ करने का निर्देश दिया।

एक नजर

बरवाडीह में स्कूली वाहन पलटा,आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल दो रेफर

नवप्रदेश/बरवाडीह। लातेहार जिले बरवाडीह क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब संत क्लारेट स्कूल के बच्चों को लेकर लौट रहा स्कूली वाहन पैरा के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के समय वाहन में 20 से अधिक बच्चे सवार थे। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बच्चों की चीख-पुकार सुन स्थानीय लोग एवं राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी बच्चों को वाहन से बाहर निकाला गया। हादसे में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हुए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार सभी बच्चे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। वहीं दो बच्चों के हाथ में फ्रैक्चर होने की सूचना है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया है। घायलों का इलाज मिशन अस्पताल, गांधी जी मेडिकल्स एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही अस्पतालों में अभिभावकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक वाहन चालक का नियंत्रण खोने के कारण हादसा हुआ। इलाके में घटना को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है।

कल 13 माई को बरवाडीह मंडल मार्ग का होगा शिलान्यास : प्रेम सिंह

नवप्रदेश/बरवाडीह। लातेहार जिले के बहुप्रतीक्षित बरवाडीह मंडल मार्ग निर्माण कार्य का शिलान्यास कल 13 मई को किया जाएगा,कार्यक्रम 17 सी अंडरपास के समीप सुबह 11 बजे आयोजित होगा,मुख्य अतिथि के रूप में मनिका विधानसभा क्षेत्र विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह करेंगे, बताया गया कि झारखंड कैबिनेट से सड़क निर्माण योजना को मंजूरी मिलने के बाद अब कार्य शुरू होने जा रहा है। सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह देखा जा रहा है। इसकी जानकारी विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह उर्फ पिंटू ने दी और काफी संख्या में ग्रामीण जनता और समर्थन उपस्थित होने के भी अपील किये।

गाली-गलौज और मारपीट मामले में चालक ने बालूमाथ थाने में दर्ज कराई शिकायत

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के जाला ग्राम निवासी शिबू उरांव ने गाली-गलौज एवं मारपीट का आरोप लगाते हुए सोमवार दोपहर बालूमाथ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में शिबू उरांव ने बताया कि वह 7 मई 2026 की रात करीब 8:30 बजे ट्रक संख्या जेएच 19एफ 9942 चलाकर बुकरू और जरी गांव के बीच सड़क जाम के कारण खड़ा था। इसी दौरान हाईवा वाहन संख्या जेएच02बीवाई 8429 वहां पहुंची। आरोप है कि हाईवा चालक ने पहले गाली-गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार, आरोपी चालक ने फोन कर अन्य छह लोगों को भी मौके पर बुला लिया, जिसके बाद सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि हृतुम दो नंबर का काम करते हो, गाड़ी का ज्यादा चस्का लग गया है, गाड़ी चढ़ा देंगे। मारपीट की इस घटना में शिबू उरांव का सिर फट गया तथा शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं।इधर, बालूमाथ थाना पुलिस ने घायल चालक की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर क्विज व निबंध प्रतियोगिता आयोजित

विज्ञान और तकनीक से ही विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव: दशरथ साहू

नवप्रदेश/लातेहार। शहर के गांधी इंटर कॉलेज में सोमवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा युवा भारत, लातेहार के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर क्विज एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का विषय विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी प्रगति रखा गया था, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मेरा युवा भारत की उप निदेशक कंचन कुमारी ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत परमाणु संपन्न राष्ट्र बना था। इसके बाद 11 मई 1999 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस दिन को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों में वैज्ञानिक सोच और तकनीक के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य से इस आयोजन का आयोजन किया गया।कॉलेज के प्राचार्य दशरथ साहू ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए विज्ञान एवं तकनीक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र साइंस और टेक्नोलॉजी के बल पर ही विकसित बन सकता है। साथ ही भारत के परमाणु संपन्न बनने में योगदान देने वाले वैज्ञानिकों और संस्थाओं को भी याद किया। उन्होंने मेरा युवा भारत लातेहार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गिरिडीह और गांडेय विधानसभा के जिला कमिटी और प्रखंड कमिटी संगठन विस्तार करें: जनार्दन

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह और गांडेय विधानसभा के जिला और प्रखंड कमिटी की बैठक हुई विषय था,संगठन विस्तार मधुबन में हुई,बैठक की अध्यक्षता पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद कर रहे थे, माले के जिला सचिव अशोक पासवान और राज्य कमिटी सदस्य पूरन महतो ने बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा की। पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद ने कहा कि गिरिडीह और गांडेय विधानसभा के साथी सक्षम है। ब्रांच कमिटी,लोकल कमिटी, को और भी सुदृढ़ करने की जरूरत है। प्रसाद ने कहा कि दबे कुचले, छात्र, महिला, आदिवासी, अल्पसंख्यक के संगठन को एक्टिव करने की जरूरत है। जिला सचिव अशोक पासवान ने सभी मेंबर का लिस्ट,फॉर्म,ब्रांच, लोकल कमिटियों का नाम,उसकी बैठक,उसका सम्मेलन कैसे समय पर हो, ब्रांच कमिटी की बैठक लगातार हो, लोकल कमिटी नियमानुसार बने। वही राज्य कमिटी के सदस्य,किसान नेता पूरन महतो ने कहा संगठन विस्तार गांडेय और गिरिडीह विधानसभा को बेहतर करने के लिए मुहिम छेड़ा जाय, मधुबन, पीरटांड़, शहर, गांडेय, बेंगाबाद में बेहतर बनाने का प्रयास करें लीडर। बैठक खत्म होने के बाद मधुबन पारसनाथ के तलहटी में थोरिया बस्ती के महिला पुरुष ने सभी पार्टी के लीडर से मुलाकात की कहा कि बस्ती में पानी की समस्या है,बिजली का कनेक्शन कई घरों नहीं है,बिजली कनेक्शन देने वाले पैसा घुस लेते है। इस बात की जानकारी जैसे ही माले नेता राजेश सिन्हा को पता चला राजेश सिन्हा ने बिजली विभाग के जीएम को फोन किया और लोगों की परेशानी का जिक्र किया,घूसखोरी का जिक्र किया। बैठक में कन्हाई पांडेय, अजीत राय,राम लाल मुर्मू,नागेश्वर महतो,मसूदन कोल, हिमांशु शेखर सिंह,मो सलामत अंसारी,मौजूद थे,सभी ने कहा कि संगठन विस्तार करेंगे। वही कन्हाई पांडे और अजीत राय मुफ्फसिल और मधुबन को लालमय करना है,जल्द सब दिखने लगेगा। वही रामलाल मुर्मू,शेखर सिंह और सलामत अंसारी ने कहा क्षेत्र में विभागों के लुट के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

गोठगांव चर्च में चार उपयाजकों का पुरोहिताभिषेक संपन्न, श्रद्धा और उल्लास का दिखा संगम

बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने नव पुरोहितों को सेवा, समर्पण और मानवता का दिया संदेश

नवप्रदेश/महुआडांड़ (लातेहार)। पवित्र परिवार पल्ली गोठगांव चर्च प्रांगण में 11 मई को दिव्य एवं भावपूर्ण वातावरण के बीच चार उपयाजकों का पुरोहिताभिषेक समारोह संपन्न हुआ। यह पावन अनुष्ठान थियोडोर मस्कारेन्हास की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 पुरोहित, हजारों धर्मविश्वासी एवं नव अभिषिक्त फादरों के परिजन उपस्थित रहे। प्रभु भोज समारोह सुबह सात बजे पारंपरिक आदिवासी संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आरंभ हुआ। पूरे पल्ली क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। उपयाजकों को उनके माता-पिता, भाई-बहनों एवं श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए पवित्र वेदी तक पहुंचाया, जहां बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने उन्हें पवित्र कलीसिया की सेवा हेतु समर्पित किया।अपने प्रेरणादायी प्रवचन में बिशप ने पुरोहिताई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेवा, नम्रता और ईश्वर एवं मानवता के प्रति समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ईश्वर की शक्ति से हर कार्य संभव है। उन्होंने नव अभिषिक्त अजित कुजूर, बीरबल कुजूर, संजीवन खाखा एवं समीर तिग्गा से आग्रह किया कि वे यीशु मसीह के समान सच्चे चरवाहे बनकर गरीबों और वंचितों की सेवा करें। पुरोहिताभिषेक प्रक्रिया के दौरान विशेष अभिषेक प्रार्थना एवं हाथों के रखे जाने की परंपरा निभाई गई। इसके बाद नव पुरोहितों को स्टोल एवं चासुबुल पहनाया गया, जो उनके नए उत्तरदायित्व और समर्पण का प्रतीक है। नव अभिषिक्त फादरों ने अपने प्रथम मिस्सा बलिदान में भाग लेते हुए माता-पिता, बिशप एवं श्रद्धालुओं को प्रथम आशीर्वाद प्रदान किया।समारोह के सफल आयोजन में अशोक नागेशिया, कैथोलिक सभा, महिला संघ, यूथ संघ एवं समस्त पल्लीवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन सोसायटी ऑफ इंडियन मिशनरी के दिगेश्वर भोगता ने किया, जबकि कोयल दल का नेतृत्व फादरों एवं मदर टेरेसा होलीक्रॉस की धर्मबहनों ने किया।

पवित्र मिस्सा के उपरांत नव पुरोहितों एवं बिशप के सम्मान में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर रामचंद्र सिंह भी अपने समर्थकों के साथ उपस्थित हुए और सभी नव पुरोहितों को नए जीवन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अमृत मिंज, प्रभुदास मिंज, सुमन, मुक्ता मिंज, मरतियु कुजूर एवं अजित पाल कुजूर सहित अनेक धर्मविश्वासियों का सराहनीय योगदान रहा।

जनता दरबार में भड़के विधायक प्रकाश राम, अंचल अधिकारी को लगाई फटकार

नवप्रदेश/लातेहार। बालूमाथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार के दौरान स्थानीय विधायक प्रकाश राम अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर जमकर नाराज दिखे। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने पहुंचे विधायक ने पूर्व में दिए गए निदेर्शों और निर्णयों का अनुपालन नहीं होने पर अंचल अधिकारी को खुले मंच से कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान जनता दरबार में मौजूद लोगों के बीच कुछ देर तक माहौल काफी गर्म हो गया।जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने जमीन विवाद, पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, दाखिल-खारिज, मनरेगा भुगतान तथा राजस्व संबंधित मामलों की शिकायत विधायक के समक्ष रखी।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई मामलों में महीनों से आवेदन लंबित हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। शिकायतें सुनने के बाद विधायक प्रकाश राम ने अधिकारियों से जवाब-तलब किया।विधायक ने अंचल अधिकारी से नाराजगी जताते हुए कहा कि पूर्व में आयोजित जनता दरबार में कई मामलों के समाधान के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आज तक उनका पालन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर है, जबकि अधिकारी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं। विधायक ने कहा, ह्लक्या करता है आपका ऑफिस, मॉनिटरिंग नहीं करते हैं। सिर्फ रुपये लेने में लगे रहते हैं। एक-एक चीज की सूचना हमें मिलती रहती है। किसी भी भ्रम में मत रहिए। उनके इस बयान के बाद जनता दरबार में मौजूद लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई। कई ग्रामीणों ने भी विधायक के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बिना पैसे दिए कई कार्यों में फाइल आगे नहीं बढ़ती। विधायक ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो उच्च स्तर पर शिकायत की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

तीन-चार दिन और लगेगा स्वच्छ पानी मिलने में : अरुणा शंकर, महापौर

महापौर अरुणा शंकर ने किया बेलवाटीका पम्पूकल का निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम में पिछले कुछ दिनों से हो रही दूषित जलापूर्ति की जनशिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मेदिनीनगर नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर ने शनिवार को स्थानीय पम्पूकल का औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने जल शोधन प्रणाली और सप्लाई पाइपलाइनों की बारीकी से जांच करते हुए अधिकारियों व तकनीकी टीम के साथ वस्तुस्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान महापौर ने पम्पूकल के संचालन में आ रही तकनीकी बाधाओं और फिल्टरेशन प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों को गहराई से समझा और मौके पर मौजूद कनीय अभियंताओं को कड़े लहजे में निर्देशित किया कि मशीनरी में जो भी तकनीकी खराबी है उसे अविलंब दुरुस्त किया जाए ताकि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता न हो। महापौर ने स्पष्ट किया कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, साथ ही उन्होंने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि मरम्मत और सफाई का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है जिसके परिणामस्वरूप आगामी एक-दो दिनों के भीतर ही वार्डों में पूरी तरह स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पानी की सप्लाई सुचारू रूप से बहाल कर दी जाएगी। इस मौके पर उन्होंने विभाग को नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव और जल भंडारण टैंकों की समय-समय पर सफाई सुनिश्चित करने का भी सख्त निर्देश दिया ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो सके। महापौर ने बताया गत दिनों अचानक कोयल में बाढ़ आने की वजह से गंदा पानी का प्रवाह नदी में होने लगा जिसके चलते पंपू कल टंकी में भी मट्टी मिला पानी आ गया जिसे प्लांट द्वारा सफाई कराया जा रहा ।

मालूम हो कि मेदिनी नगर बेलवती का पंपू कल स्थित जहां से पानी की आपूर्ति की जाती है बीते दिनों आपूर्ति की जाने वाली पानी के पाइप लाइन में बालू और मिट्टी भर गया जिससे एक-दो दिन तो पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी थी उसके बाद डायरेक्ट पानी की सप्लाई की जाने लगी जो गंदा पानी के रूप में शहर वासियों को मिल रहा है इसकी जानकारी जो ही महापौर अरुण शंकर को मिली उन्होंने त्वरित एक्शन में आकर सभी अभियंताओं और कर्मियों को निर्देशित किया की यथा सिर्फ तकनीकी खराबियों को दूर कर शहर वासियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जाए। शहर वासियों ने महापौर अरुणा शंकर के इस कार्रवाई का प्रशंसा किया है।

बाल संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हरिहरगंज में सोमवार को बाल संसद के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमंडल के दायित्वधारियों का शपथ ग्रहण समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया. विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयेन्द्र प्रसाद ने चयनित छात्र-छात्राओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी. साथ ही उन्हें अपने दायित्वों का ईमानदारी व अनुशासन के साथ निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया. शपथ लेने वालों में प्रधानमंत्री मुस्कान कुमारी (कक्षा 8), अध्यक्ष रोहित कुमार (कक्षा 10), सचिव नंदनी कुमारी (कक्षा 8), अनुशासन प्रमुख शिवम कुमार (कक्षा 7), चिकित्सा प्रमुख साक्षी कुमारी (कक्षा 10), जयंती प्रमुख चांदनी कुमारी (कक्षा 6), प्रेरक प्रमुख साक्षी कुमारी (कक्षा 7) तथा वंदना प्रमुख शिवम कुमार (कक्षा 7) शामिल हैं.प्रधानाचार्य ने कहा कि बाल संसद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है. उन्होंने छात्र-छात्राओं से विद्यालय के आदर्शों का पालन करते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनने की अपील की. कार्यक्रम में शिक्षक मोहन ठाकुर, नीलिमा मेहता, संजय सिंह, हंसराज गुप्ता, कशिश कुमारी, प्रियंका कुमारी समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

छत्तरपुर में 20 लीटर जार पानी कारोबार की जानकारी को लेकर दायर हुई RTI

नवप्रदेश/छत्तरपुर. पलामू। छत्तरपुर प्रखंड क्षेत्र में संचालित 20 लीटर जार एवं पैकेज्ड पेयजल कारोबार की जानकारी प्राप्त करने हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत एक आवेदन दायर किया गया है। यह आवेदन ग्राम कचनपुर निवासी दीपक कुमार उर्फ डीके सरकार द्वारा लोक सूचना पदाधिकारी, प्रखंड कार्यालय छत्तरपुर को स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है। आवेदन में छत्तरपुर प्रखंड क्षेत्र में संचालित पानी प्लांट एवं 20 लीटर जार सप्लाई कारोबारियों की सूची, वैध लाइसेंस, ट्रेड लाइसेंस, जांच रिपोर्ट, विभागीय कार्रवाई एवं निर्धारित सरकारी मानकों की जानकारी मांगी गई है। आवेदक ने यह भी जानना चाहा है कि क्षेत्र में संचालित पानी कारोबारियों की अब तक कितनी बार जांच की गई तथा बिना अनुमति संचालन करने वालों पर क्या कार्रवाई की गई है। दीपक कुमार उर्फ डीके सरकार ने बताया कि आम लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े मामले को देखते हुए पेयजल कारोबार में पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि RTI के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तहार

नवप्रदेश/छतरपुर पलामू : छतरपुर थाना काण्ड सं0-168/23, दिनांक 10 अगस्त 2022 के प्राथमिकी अभियुक्त दिवाकर जी उर्फ बसंत सिंह उर्फ बच्चन जी के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई तेज कर दी है। मामला धारा 147, 148, 149, 341, 342, 353, 325, 307, 452, 504, 506 भा0द0वि0 एवं 17 सीएल एक्ट से संबंधित है। अभियुक्त दिवाकर जी उर्फ बसंत सिंह उर्फ बच्चन जी, पिता गोराई सिंह, निवासी नौडिहा, थाना मनातु, जिला पलामू के विरुद्ध सोमवार 11 मई 2026 को मनातू थाना के सहयोग से विधिवत इश्तहार चिपकाया गया। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के घर, बाजार तथा आंगनबाड़ी केंद्र में इश्तहार चस्पा कर न्यायालय में निर्धारित तिथि तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया। बताया गया कि यदि अभियुक्त तय समय सीमा के भीतर न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

श्री केशव महतो कमलेशः संगठन, संघर्ष और संविधान के अद्वितीय प्रहरीः हृदयानंद मिश्र

नवप्रदेश/पलामू। जब झारखंड की राजनीतिक चेतना, कांग्रेस संगठन की पुनर्स्थापना और संविधान की रक्षा के संघर्ष का इतिहास लिखा जाएगा, तब एक नाम विशेष आदर और गौरव के साथ स्मरण किया जाएगा—केशव महतो कमलेश।

वे केवल एक प्रदेश अध्यक्ष नहीं, बल्कि संगठनात्मक पुनर्जागरण के ऐसे शिल्पी हैं, जिन्होंने अपने संपूर्ण राजनीतिक जीवन को कांग्रेस संगठन और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया।

विद्यार्थी जीवन से ही संघर्ष, सामाजिक चेतना और कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ने वाले श्री कमलेश ने राजनीति को कभी सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना। विधायक और मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहने के पश्चात भी उन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर संगठन को प्राथमिकता दी। आज जबकि अधिकांश नेता सत्ता के शिखर तक पहुँचकर संगठन से दूरी बना लेते हैं, ऐसे समय में श्री केशव महतो कमलेश का अपना सम्पूर्ण जीवन कांग्रेस संगठन को समर्पित कर देना एक असाधारण उदाहरण है।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे राजनीति को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे धरातल पर कार्यकताओं की शक्ति में परिवर्तित करते हैं। झारखंड कांग्रेस के इतिहास में पहली बार उन्होंने संगठनात्मक प्रशिक्षण को एक व्यापक अभियान का स्वरूप दिया। चाईबासा में झारखंड और उड़ीसा के कांग्रेस जिलाध्यक्षों का एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर उन्होंने यह स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस केवल चुनाव लड़ने वाली पार्टी नहीं, बल्कि वैचारिक प्रतिबद्धता और संगठनात्मक अनुशासन की जीवंत परंपरा है।

यह प्रशिक्षण शिविर केवल औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि कांग्रेस की आत्मा को पुनर्जीवित करने का प्रयास था। वहाँ संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, आदिवासी अस्मिता, संगठन प्रबंधन और जनसंवाद जैसे विषयों पर गहन मंथन हुआ। श्री कमलेश स्वयं प्रत्येक सत्र में गंभीरता और समर्पण के साथ उपस्थित रहे। उनकी दृष्टि स्पष्ट थी—जब तक कार्यकर्ता वैचारिक रूप से प्रशिक्षित और संगठित नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र की रक्षा का संघर्ष अधूरा रहेगा।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पुनर्गठन को भी ऐतिहासिक स्वरूप दिया। जिला कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों का मनोनयन करते समय उन्होंने जातीय, क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन के साथ-साथ कर्मठता और संघर्षशीलता को प्राथमिकता दी। बूथ स्तर तक कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने का जो व्यापक अभियान उन्होंने प्रारंभ किया, उसने झारखंड कांग्रेस में नई ऊर्जा का संचार किया है।

राजनीति के वर्तमान दौर में जहाँ संगठन अक्सर व्यक्तिपूजा का केंद्र बन जाते हैं, वहाँ श्री केशव महतो कमलेश ने कार्यकर्ता आधारित राजनीति को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया है। बूथ लेवल वर्करों का प्रशिक्षण कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति शीर्ष नेतृत्व में नहीं, बल्कि गाँव-गाँव और मोहल्लों में कार्य कर रहे समर्पित कार्यकताओं में निहित होती है।

संविधान के प्रति उनका समर्पण भी अद्वितीय है। वे संविधान को केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा मानते हैं। यही कारण है कि संविधान बचाओ अभियान उनके नेतृत्व में जनांदोलन का स्वरूप ग्रहण करता दिखाई दे रहा है। उनकी वाणी में संवेदना है, संघर्ष है और लोकतंत्र को बचाने की वह बेचैनी है जो किसी सच्चे जननेता में ही दिखाई देती है।

रांची में आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में उन्होंने संविधान सभा के महान नायकों—जयपाल सिंह मुंडा, बोनीफेस लकड़ा, कृष्ण बल्लभ सहाय और अमिय कुमार घोष—को स्मरण कर झारखंड की गौरवशाली विरासत को वर्तमान संघर्ष से जोड़ने का कार्य किया।

श्री केशव महतो कमलेश की राजनीति का मूल तत्व यही है कि संगठन मजबूत हो, कार्यकर्ता सम्मानित हों और संविधान सुरक्षित रहे। उनकी गंभीरता, सादगी और कार्यकताओं के प्रति आत्मीयता ने उन्हें झारखंड कांग्रेस का केवल नेता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक बना दिया है।

आज जब लोकतांत्रिक संस्थाएँ अनेक चुनौतियों से गुजर रही हैं, तब श्री कमलेश जैसे नेता आशा के केंद्र बनकर उभरे हैं। वे संघर्ष की उस परंपरा के वाहक हैं, जिसमें पद नहीं, बल्कि विचार सर्वोपरि होते हैं।

निस्संदेह, झारखंड कांग्रेस के इतिहास में उनका योगदान स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित होगा। उन्होंने सिद्ध कर दिया है कि यदि नेतृत्व समर्पित हो, संगठन के प्रति निष्ठा हो और कार्यकताओं के प्रति सम्मान हो, तो राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं रहती—वह समाज परिवर्तन का विराट माध्यम बन जाती है।

श्री केशव महतो कमलेश वास्तव में एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संगठनात्मक पुनर्जागरण, संवैधानिक चेतना और लोकतांत्रिक संघर्ष का जीवंत प्रतीक हैं।

हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष के उपस्थिति में छात्र छात्राओं पोशाक वितरण किया गया

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामूः सोमवार को नगर पंचायत के अंतर्गत गांव राम बीघा के राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में छात्र छात्राओं के बीच पोशाक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर मुख्य अतिथि के रूप में हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती वार्ड पार्षद बबीता देवी सोनू कुमार चंद्रवंशी प्रधानाध्यापक विनय कुमार शर्मा रमेश चंद्रवंशी रंजन कुमार वर्मा रहे उपस्थित मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने कहा कि सब बढ़े सब पढ़ें वही पोशाक वितरण पर बच्चों को हौसला एवं चेहरे पर मुस्कान दिखाई दी मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें कहा कि विद्यालय नियमित रूप से प्रतीदिन आने का एवं पढ़ने के लिए प्रेरित किया

देश की अग्रणी कंपनी लॉन्ड्री मेटिक के फ्रेंचाइजी केंद्र का उद्घाटन

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सरकार समिति सदस्य सह प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के संरक्षक अविनाश कुमार वर्मा के पुत्र आकाश वर्मा के द्वारा उक्त फ्रेंचाइजी के माध्यम से प्रतिष्ठा का उद्घाटन मेदिनीनगर नगर निगम की मेयर अरुणा शंकर, पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आनंद शंकर, प्रसिद्ध ज्योति संकेत सरवन, पिंकी वर्मा एवं कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अंकित श्रीवास्तव नारियल फोड़ कर किया। आज उद्घाटन समारोह के पहले चतरा भद्रकाली मंदिर के पुजारी एवं ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप शर्मा और उनके सहयोगी पंकज शर्मा ने संयुक्त रूप से पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना संपन्न किया। संध्या काल में अतिथियों द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में प्रोपराइटर आकाश वर्मा ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया जबकि आनंद शंकर और अरुणा शंकर ने युवा उद्यमी के रूप में नई चीजों के साथ शहर को सुविधाजनक व्यवस्था देने के लिए बधाई देते हुए दोनों भाई बहन आकाश वर्मा और विशाखा वर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, सिविल सर्जन पलामू डॉ अनिल श्रीवास्तव, चार्टर्ड अकाउंटेंट राजेश अग्रवाल, डॉ एमपी सिंह, डॉ सैफ,आकर्ष आनंद, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, बिनोद सिंह, झामुमो उपाध्यक्ष सानू सिद्दीकी, छत्तीसगढ़ से आए मुन्ना जी, सुनील गुप्ता, नरेंद्र पांडे, दिवाकर पांडे ,मंगल सिंह, जितेंद्र पांडे, विवेकानंद उपाध्याय, अमित आनंद, प्रेम कुमार, लोकेश चंद्रा, संतोष दुबे, ज्योति पांडे विपुल गुप्ता, कमलेश सिन्हा , आशुतोष तिवारी, नरेश गुप्ता, लातेहार के उत्तम सोनिक, सुमित पाठक, प्रकाश राय, अमित अग्रवाल, अजय श्रीवास्तव, सतीश अग्रवाल,अरुण सिंह, सिंटू सिंह, प्रभात भुईयां, अविनाश देव, कृष्णा अग्रवाल, रिंकू दुबे, सरदार इंद्रजीत सिंह डिंपल, प्रेम श्रीवास्तव, स्नेह रंजन श्रीवास्तव, संजय सरण, बाबूलाल दुबे ,दीपेंद्र पांडे, सुजीत सिंह, मनीष भिवानिया, रंजीत कुमार,छोटू सिन्हा, हर्ष सिन्हा, प्रिंस तिवारी, गोलू पांडे, अरुण वर्मा, शशांक सुमन, पिंकी वर्मा, अभिलाषा वर्मा, अजीत कुमार, दिवाकर पांडे, वीरेंद्र प्रसाद, गिरधारी गर्ग, राजा सिन्हा, लाल बहादुर सिन्हा, विवेक कुमार, राजेश सिन्हा,अतुल सिन्हा, छोटन सिंह, अमिताभ मिश्रा, अनिल गर्ग, उत्कर्ष वर्मा, आकांक्षा वर्मा, अमर सहाय, नवनीत सिन्हा , प्रकाश राय, डिंबेश श्रीवास्तव,समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

महापौर ने युवा उद्यमी आकाश वर्मा को नई चीजों के साथ शहर को सुविधा देने का किया प्रशंसा

नवप्रदेश/पलामू : मेदिनीनगर स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के सामने देश की अग्रणी कंपनी लॉन्ड्री मेटिक के फ्रेंचाइजी केंद्र का उद्घाटन संपन्न हुआ.

विदित हो कि भाजपा के प्रदेश सरकार समिति सदस्य सह प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड के संरक्षक अविनाश कुमार वर्मा के पुत्र आकाश वर्मा के द्वारा उक्त फ्रेंचाइजी के माध्यम से प्रतिष्ठान का उद्घाटन मेदिनीनगर नगर निगम की मेयर अरुणा शंकर, पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आनंद शंकर, प्रसिद्ध ज्योति संकेत सरवन, पिंकी वर्मा एवं कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अंकित श्रीवास्तव नारियल फोड़ कर किया। आज उद्घाटन समारोह के पहले चतरा भद्रकाली मंदिर के पुजारी एवं ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप शर्मा और उनके सहयोगी पंकज शर्मा ने संयुक्त रूप से पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना संपन्न किया।

संध्या काल में अतिथियों द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में प्रोपराइटर आकाश वर्मा ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया जबकि आनंद शंकर और अरुणा शंकर ने युवा उद्यमी के रूप में नई चीजों के साथ शहर को सुविधाजनक व्यवस्था देने के लिए बधाई देते हुए दोनों भाई बहन आकाश वर्मा और विशाखा वर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, सिविल सर्जन पलामू डॉ अनिल श्रीवास्तव, चार्टर्ड अकाउंटेंट राजेश अग्रवाल, डॉ एमपी सिंह, डॉ सैफ,आकर्ष आनंद, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, बिनोद सिंह, झामुमो उपाध्यक्ष सानू सिद्दीकी, छत्तीसगढ़ से आए मुन्ना जी, सुनील गुप्ता, नरेंद्र पांडे, दिवाकर पांडे ,मंगल सिंह, जितेंद्र पांडे, विवेकानंद उपाध्याय, अमित आनंद, प्रेम कुमार, लोकेश चंद्रा, संतोष दुबे, ज्योति पांडे विपुल गुप्ता, कमलेश सिन्हा , आशुतोष तिवारी, नरेश गुप्ता, लातेहार के उत्तम सोनिक, सुमित पाठक, प्रकाश राय, अमित अग्रवाल, अजय श्रीवास्तव, सतीश अग्रवाल,अरुण सिंह, सिंटू सिंह, प्रभात भुईयां, अविनाश देव, कृष्णा अग्रवाल, रिंकू दुबे, सरदार इंद्रजीत सिंह डिंपल, प्रेम श्रीवास्तव, स्नेह रंजन श्रीवास्तव, संजय सरण, बाबूलाल दुबे ,दीपेंद्र पांडे, सुजीत सिंह, मनीष भिवानिया, रंजीत कुमार,छोटू सिन्हा, हर्ष सिन्हा, प्रिंस तिवारी, गोलू पांडे, अरुण वर्मा, शशांक सुमन, पिंकी वर्मा, अभिलाषा वर्मा, अजीत कुमार, दिवाकर पांडे, वीरेंद्र प्रसाद, गिरधारी गर्ग, राजा सिन्हा, लाल बहादुर सिन्हा, विवेक कुमार, राजेश सिन्हा,अतुल सिन्हा, छोटन सिंह, अमिताभ मिश्रा, अनिल गर्ग, उत्कर्ष वर्मा, आकांक्षा वर्मा, अमर सहाय, नवनीत सिन्हा, प्रकाश राय, डिंबेश श्रीवास्तव,समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

एक नजर

हुसैनाबाद प्रखंड प्रमुख के आवास परिसर में मदर्स डे का आयोजन

मां के बिना जीवन संभव लगता हैः राजकुमारी देवी

नवप्रदेश/हुसैनाबाद/पलामूः नगर पंचायत के हुसैनाबाद अंतर्गत कृष्णा नगर स्थित हुसैनाबाद प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी के आवास परिसर में मदर्स डे केक काटकर संयुक्त रूप से मनाया गया मौके पर प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी मुन्सी पासवान उनके पुत्री सोनी कुमारी रेणु मौके पर बच्चों को संदेश दिया की मां के बिना जीवन असंभव लगता है ना ही वह है जो अपने बच्चों को अपने पैरों पर चलना सिखाती है आज हम सभी को अपनी बताओ को उनके पालन पसंद और हर तरह का सहयोग लिए धन्यवाद देने का कहा यह अनमोल अवसर मिला है क्योंकि उनके बिना हम आज यहां खड़े नहीं होने होतेमां त्याग और समर्पण की मिसाल होती है सोनी कुमारी रेणु कुमारी मम्मी कुमारी अंशु कुमारी जया कुमारी सहित हम लोग मौजूद थे!

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लक्ष्मी नारायण तिवारी का चलो गांव की ओर अभियान अभी भी जारी

नवप्रदेश/पलामू : चलो गाँव की ओर कार्य क्रम में आज चैनपुर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम किनी,खुटार, ताली,तलैया,बभन्डी, कटुअल, लिधकी,पतरिया, गाँव का भ्रमण किया। इस चिलचिलाती धूप में ग्रामीणों से मिलकर उनके समस्याओं को जानने का प्रयत्न किया। कटुअल के लोगों ने बताया कि कटुअल में दलित मुहल्ले से कोल्हुआ बान्ध तक बिजली का पोल लगा है लेकिन करीब 15 पोल पर तार नहीं लगा है यदि खड़ा पोल में तार लगा दिया जाता तो पूरे गाँव की समस्या का समाधान हो जाता । हमने स्थल पर से ही कार्यपालक अभियंता बिद्युत बिभाग से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं हो पाई । मैंने आश्वासन दिया कि इस समस्या के समाधान हेतु कार्य पालक अभियंता से संपर्क कर समाधान करने का प्रयास करेंगे गाँव भ्रमण के दौरान ग्रामीणों में आशीष पासवान,अजीत कुमार पासवान,संदीप कुमार,सुधीर कुमार,निरंजन राम,बाबुलाल महतो, राजेन्द्र साव ,नागेंद्र कुमार ,मनोज कुमार दुबे किशोर कुमार सिंह एवं कांग्रेस नेता पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमरेश कुमार पाण्डे साथ में उपस्थित थे

वाहन जांच में बिना वैध चालान गिट्टी लदा ट्रक ट्रेलर जब्त

नवप्रदेश/हरिहरगंज : मेदिनीनगर-औरंगाबाद एनएच-139 स्थित कटैया मोड़ के पास वाहन जांच अभियान के दौरान हरिहरगंज पुलिस ने बिना चालान स्टोन चिप्स (गिट्टी) लदे एक ट्रक ट्रेलर को जब्त किया है. कार्रवाई के बाद अवैध खनन एवं बिना वैध कागजात गिट्टी ढुलाई करने वालों में हड़कंप मच गया है. जानकारी के अनुसार, एएसआइ विनोद राय द्वारा वाहन को रोककर जांच की गयी. जांच के दौरान पाया गया कि यूपी 32 पीएन 8847 नंबर का ट्रक ट्रेलर बिना किसी वैध चालान के स्टोन चिप्स लेकर बिहार की ओर जा रहा था. इसके बाद पुलिस ने तत्काल वाहन को जब्त कर हरिहरगंज थाना ले आयी. एसआइ संतोष कुमार ने बताया कि मामले की सूचना जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ), पलामू को दे दी गयी है तथा आवश्यक प्रतिवेदन भी भेजा गया है. उन्होंने कहा कि डीएमओ के जांच प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन एवं बिना चालान गिट्टी ढुलाई करने वाले ट्रक संचालकों में हड़कंप देखा जा रहा है.

बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी-चन्द्रदीप पासवान

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। बच्चों को उनके अधिकारो के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। उक्त बातें पीएलवी चन्द्रदीप पासवान ने कही वे बिश्रामपुर प्रखंड के कधवन ,कामता, लोटार ,हंसदागा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 90 दिवसीय गहन जागरूकता एवं आउटरीच प्रोग्राम के तहत कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नालसा योजना बच्चों हेतु बाल अनुकूल विधिक सेवाएं 2024 योजना उन बच्चों के लिए बिशेष रूप से बनाई गई है जो देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता में हैं या विधि से संघर्ष रत हैं। इसके तहत अनाथ बच्चों को निशुल्क सुलभ ओर बाल अनुकूल बिधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है ताकि वे न्यायिक प्रक्रिया को समझ सके ओर अपने अधिकारों की रक्षा कर सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चों को सुरक्षित वातावरण शिक्षा ओर न्याय तक पहुच का अधिकार है। इस मौके पर बहादुर प्रसाद गुप्ता, नागेंद्र कुमार, शुभम कुमार पांडेय ने भी स्पॉन्सरशिप, व सी डब्लू सी के बारे में बिस्तार से बताया।

पैरा आर्मरेसलिंग की पैरालंपिक में एंट्री की राह साफ

ब्रिस्बेन 2032 के लिए पूरा हुआ अंतरराष्ट्रीय मानक

मुंबई। पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पाफी) और प्रो पंजा लीग ने सोमवार को बड़ी खुशी जताते हुए बताया कि पैरा आर्मरेसलिंग ने ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक खेलों में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति द्वारा तय वैश्विक भागीदारी मानक को पूरा कर लिया है।

विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ की ओर से अतिरिक्त भागीदारी आंकड़े जमा किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने पुष्टि की कि अब पैरा आर्मरेसलिंग में 32 से अधिक देशों की नियमित और व्यापक भागीदारी हो चुकी है। यह उपलब्धि इस खेल को भविष्य में पैरालंपिक में शामिल किए जाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

इस खबर को भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि देश में पैरा आर्मरेसलिंग खिलाड़ियों की मजबूत और तेजी से उभरती प्रतिभा मौजूद है। पिछले कुछ वर्षों में पाफी और प्रो पंजा लीग ने पैरा खिलाड़ियों के लिए पेशेवर मंच तैयार करने की दिशा में लगातार काम किया है।

प्रो पंजा लीग के दोनों सत्रों और देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित मेगा मुकाबलों में पैरा आर्मरेसलिंग वर्ग को विशेष स्थान दिया गया। इसके जरिए चंदन कुमार बेहरा, बुट्टा सिंह, श्रीनिवास बीवी, मोहन शर्मा और अरविंद रजक जैसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला।

प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने कहा, ह्लयह केवल वैश्विक आर्मरेसलिंग ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक क्षण है। हमने प्रो पंजा लीग और देशभर में आयोजित मेगा मुकाबलों के जरिए पैरा वर्ग में शानदार प्रतिभाएं देखी हैं। शुरू से ही हमारा मानना रहा कि पैरा आर्मरेसलिंग को समान पहचान और अवसर मिलना चाहिए, इसलिए हमने इसे हर सत्र में शामिल किया। यदि यह खेल ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक का हिस्सा बनता है, तो भारत के पास कई पदक जीतने का मजबूत मौका होगा।

पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष और एशियाई आर्मरेसलिंग महासंघ की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, ह्लभारत हमेशा से पैरा खेल प्रतिभाओं का केंद्र रहा है और आर्मरेसलिंग भी इससे अलग नहीं है। देशभर के पैरा खिलाड़ियों से हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान और बांग्लादेश दौरे के लिए टीमों का किया ऐलान, कई नए खिलाड़ियों को मिला मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने मई-जून 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला और बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों की टीमों का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी मिशेल मार्श करेंगे। इस दौरे के लिए कई नए खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को सभी टीमों से बाहर रखा गया है।

तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक और राइली मेरेडिथ की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। वहीं युवा खिलाड़ियों ओलिवर पीक, लियाम स्कॉट और जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को केवल पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चुना गया है, जबकि स्कॉट को बांग्लादेश दौरे की एकदिवसीय टीम में भी जगह मिली है। डेविस को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 टीम में मौका मिला है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेल रहे ट्रैविस हेड,

कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और

पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड बाहर

जेवियर बार्टलेट पाकिस्तान श्रृंखला के बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम से जुड़ेंगे। ये खिलाड़ी क्रमशः ओलिवर पीक, बिली स्टैनलेक, राइली मेरेडिथ और मैट शॉर्ट की जगह लेंगे।

गौरतलब है कि एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ग्लेन मैक्सवेल को टी20 टीम में भी जगह नहीं मिली है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, ह्लनए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिलते देखना हमेशा उत्साहजनक होता है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का यह मिश्रण उपमहाद्वीप के इन दौरों में टीम को संतुलन देगा।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग एनजेड20 की शुरूआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग एनजेड20 की शुरूआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरूआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है।

सोमवार को जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के लिए अभी और समय की जरूरत है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, हम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो। एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है।

उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डॉन मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, ह्लहम चाहते हैं कि एनजेड20 बिना किसी समझौते के शुरू हो और पहले दिन से ही दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार हो। यह भी जरूरी है कि यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ तालमेल में चले, न कि उसके खिलाफ।

मैकिनन ने बताया कि न्यूजीलैंड और विदेशों से निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। इसी कारण अब लीग के प्रमुख निवेश साझेदार और विभिन्न फ्रेंचाइजी के मालिकों के चयन के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अतिरिक्त समय मिलने से फ्रेंचाइजी के शहरों और क्षेत्रीय पहचान को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी, ताकि लीग पूरे देश में मजबूत आधार बना सके।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा खिताब

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने रविवार रात खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। कैंप नोउ में खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा और जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया।

हांसी फ्लिक की टीम अब 91 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से 14 अंक आगे निकल चुकी है। सीजन में अब केवल तीन मुकाबले बचे हैं, ऐसे में रियल के लिए बार्सिलोना को पकड़ पाना असंभव हो गया है। वहीं विलारियल 69 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

मुकाबले की शुरूआत से ही बार्सिलोना आक्रामक नजर आया। नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। एंटोनियो रुडिगर द्वारा फेरान टोरेस पर बॉक्स के बाहर फाउल करने के बाद मिले मौके को रैशफोर्ड ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदल दिया।

इसके नौ मिनट बाद बार्सिलोना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। फर्मिन लोपेज के क्रॉस पर दानी ओल्मो ने शानदार बैकहील पास दिया, जिस पर फेरान टोरेस ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ हांसी फ्लिक ने लगातार दूसरा ला लीगा खिताब जीता। पिछले सीजन में भी उन्होंने बार्सिलोना को ला लीगा और कोपा डेल रे का दोहरा खिताब दिलाया था।

दोनों टीमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। बार्सिलोना की शुरूआती एकादश में लामिन यामाल, राफिन्हा और जूल्स कुंडे शामिल नहीं थे।

वहीं रियल मैड्रिड के कई अहम खिलाड़ी चोट और अन्य कारणों से बाहर रहे। एदर मिलिताओ, दानी कावार्जाल, फेरलैंड मेंडी, आर्दा गुलर और रोड्रिगो टीम का हिस्सा नहीं थे। फेडेरिको वाल्वेर्डे भी सिर में चोट लगने के कारण नहीं खेल सके। बताया गया कि मिडवीक में ड्रेसिंग रूम में ऑरेलियन चुआमेनी के साथ झगड़े के बाद दोनों खिलाड़ियों पर पांच लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया।

किलियन एम्बाप्पे भी पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में विनीसियस जूनियर और युवा स्ट्राइकर गोंजालो को आक्रमण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन बार्सिलोना का हमला ज्यादा खतरनाक रहा। रियल के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने कई शानदार बचाव कर टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुमार्ना, अंपायर से बहस करना पड़ा भारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए। मैच रेफरी अमित शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद एंडी फ्लावर को दोषी पाया। आरसीबी के मुख्य कोच ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और उन पर लगाए गए जुमार्ने को मान लिया। गौरतलब है कि रायपुर में खेले गए इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरी गेंद पर मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया था। मुकाबले का अंत बेहद तनावपूर्ण रहा, जिसके दौरान मैदान पर दबाव और भावनाएं साफ नजर आईं।

बंगाल टी20 लीग में मोहम्मद शमी की एंट्री, सवोर्टेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने बनाई मजबूत टीम

कोलकाता। बंगाल टी20 लीग के आगामी सत्र के लिए हाल ही में हुए पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी में सवोर्टेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अपनी टीम में शामिल कर बड़ा दांव खेला है। इसके साथ ही टीम ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित संयोजन तैयार करते हुए अपनी पूरी टीम को अंतिम रूप दे दिया है। नीलामी में सवोर्टेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने ऑलराउंडर करण लाल को भी अपनी टीम में शामिल किया। फ्रेंचाइजी ने घरेलू क्रिकेट के कई प्रमुख खिलाड़ियों के लिए जोरदार बोली लगाई और मजबूत टीम बनाने पर फोकस रखा।

मोहम्मद शमी के अलावा बंगाल के तेज गेंदबाज ईशान पोरेल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं भारत और बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप एक बार फिर टीम का हिस्सा बने हैं। वह पहले सत्र से ही इस फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े हुए हैं। सवोर्टेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, हम नीलामी में अपनी रणनीति से बेहद संतुष्ट हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना था, जिसमें अनुभव, शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी और युवा प्रतिभाएं शामिल हों। मोहम्मद शमी, करण लाल और ईशान पोरेल जैसे खिलाड़ियों के आने से टीम को काफी मजबूती मिली है। टीम रणनीतिकार चैतन्य नंदा ने कहा, हम स्पष्ट योजना के साथ नीलामी में उतरे थे। हमारा फोकस ऐसे खिलाड़ियों पर था जो टूर्नामेंट की अलग-अलग परिस्थितियों में प्रभाव छोड़ सकें। हमें भरोसा है कि टीम आगामी चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है। बंगाल टी20 लीग की नीलामी में ए+, ए, बी, अंडर-19 और अंडर-16 वर्गों के खिलाड़ियों को शामिल किया गया।

मुरादाबाद में इंटर क्लब क्रिकेट मुकाबले में सोनकपुर ब्लू ने सोनकपुर ग्रीन को 21 रन से हराया

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में इंटर क्लब क्रिकेट मुकाबले में सोनकपुर ब्लू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोनकपुर ग्रीन को 21 रन से पराजित कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सोनकपुर ब्लू की ओर से मो. सैफ ने छह विकेट हासिल किए। शानदार गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सोमवार को सोनकपुर स्टेडियम में खेले गए मैच में सोनकपुर ग्रीन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोनकपुर ब्लू की टीम 19.4 ओवर में 172 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से रेयान सैफी ने 38 रन की कप्तानी पारी खेली। हमजा ने 35 रन बनाए, जबकि सिद्धार्थ कश्यप और कुणाल ने 15-15 रन का योगदान दिया।

योनेक्स सनराइज इंडिया ने स्ट्रिंगिंग वर्कशॉप सीरीज के जरिए भारत में तकनीकी विशेषज्ञता को दी नई दिशा

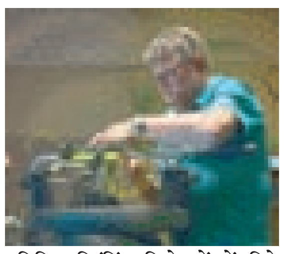

नई दिल्ली। भारत में रैकेट खेलों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धा के बीच योनेक्स सनराइज इंडिया ने बैडमिंटन खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जुड़े एक महत्वपूर्ण तकनीकी पक्ष–प्रोफेशनल रैकेट स्ट्रिंगिंग– को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इसी क्रम में झंडेवालान स्थित नोवोटेल न्यू दिल्ली सिटी सेंटर में विशेष योनेक्स-सनराइज स्ट्रिंगिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप का नेतृत्व विश्वप्रसिद्ध स्ट्रिंगिंग विशेषज्ञ और योनेक्स स्ट्रिंगिंग टीम के हेड स्ट्रिंगर एवं सुपरवाइजर टिम विलिस ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों को एडवांस रैकेट स्ट्रिंगिंग तकनीक, मशीन प्रिसिशन, खिलाड़ियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं और बैडमिंटन व टेनिस में अंतरराष्ट्रीय सर्विसिंग मानकों से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई।

चार दशकों से अधिक के अनुभव वाले टिम विलिस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित स्ट्रिंगिंग विशेषज्ञों में गिने जाते हैं। योनेक्स स्ट्रिंगिंग टीम के संस्थापक सदस्यों में शामिल विलिस ओलंपिक खेलों, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप, थॉमस एवं उबर कप सहित कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने विक्टर एक्सेलसन और कैरोलिना मारिन जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के साथ भी तकनीकी सहयोग किया है। यह वर्कशॉप भारत में आयोजित सबसे बड़े संरचित तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक रही, जिसमें असम, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित 38 शहरों से 100 से अधिक स्ट्रिंगिंग प्रोफेशनल्स ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान योनेक्स प्रिसिशन 9 और नई प्रिसिशन 5.2 स्ट्रिंगिंग मशीनों के माध्यम से लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिए गए, ताकि भारतीय स्ट्रिंगर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीक और टूर्नामेंट-स्तरीय सर्विसिंग मानकों का व्यावहारिक अनुभव मिल सके।

भारत में बैडमिंटन और अन्य रैकेट खेलों के तेजी से विस्तार के साथ प्रोफेशनल स्ट्रिंगिंग सेवाओं और तकनीकी विशेषज्ञता की मांग भी लगातार बढ़ रही है। लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ी अब अपने रैकेट की स्ट्रिंग्स, टेंशन और कंसिस्टेंसी को लेकर पहले से अधिक जागरूक हैं। इसी बदलाव ने स्ट्रिंगिंग समुदाय में भी तकनीकी दक्षता बढ़ाने की नई ऊर्जा पैदा की है।

बेलारूसी खिलाड़ियों की वापसी पर यूक्रेनी स्टार एलीना स्वितोलिना नाराज

आईओसी के फैसले को बताया पीड़ादायक

रोम। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के उस फैसले पर नाराजगी जताई है, जिसमें बेलारूसी खिलाड़ियों को अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ अंतरराष्ट्रीय खेलों में वापसी की अनुमति देने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद 2022 में आईओसी ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों तथा टीमों पर कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। बेलारूस पर रूस को यूक्रेन पर हमले के लिए सहयोग देने का आरोप भी लगा था।

हालांकि पिछले सप्ताह आईओसी ने कहा कि अब वह बेलारूसी खिलाड़ियों और टीमों की भागीदारी पर प्रतिबंध जारी रखने की सिफारिश नहीं कर रहा है। इसके बाद खेल जगत में इस फैसले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

इटैलियन ओपन के दौरान रोम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए एलीना स्वितोलिना ने कहा कि यूक्रेन में अब भी मिसाइल हमले जारी हैं और ऐसे समय में बेलारूसी खिलाड़ियों की वापसी पर विचार किया जाना बेहद दुखद और पीड़ादायक है।

स्वितोलिना ने कहा, यूक्रेन पर अब भी रॉकेट दागे जा रहे हैं। रूस और बेलारूस अब भी आक्रामक देश माने जाते हैं। हमारे लिए यह बेहद दुखद और दर्दनाक है कि इस पर विचार किया जा रहा है। यह बहुत गंभीर विषय है और मैं इस बातचीत का समर्थन नहीं करती।

गौरतलब है कि स्वितोलिना रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों के खिलाफ मैच खेलने के बाद हाथ मिलाने की परंपरा का बहिष्कार करती रही हैं।

फिलहाल रूस और बेलारूस के टेनिस खिलाड़ी पेशेवर टूर्नामेंटों में तटस्थ खिलाड़ी के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। उन्हें राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के बिना खेलने की अनुमति है।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि आईओसी के नए बयान के बावजूद रूस और बेलारूस के टेनिस महासंघों पर लगाया गया निलंबन अभी जारी रहेगा। हालांकि बेलारूस की सदस्यता स्थिति पर अक्टूबर में होने वाली वार्षिक बैठक में सदस्य देशों द्वारा मतदान किया जाएगा।

वहीं बेलारूस की विश्व नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पिछले सप्ताह उम्मीद जताई थी कि टेनिस की संचालन संस्थाएं जल्द ही उन्हें अपना राष्ट्रीय ध्वज वापस इस्तेमाल करने की अनुमति देंगी।

महिला टी-20 विश्व कप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित, किर्स्टी गॉर्डन की सात साल बाद टीम में वापसी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए सोमवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी स्पिनर किर्स्टी गॉर्डन की वापसी सबसे बड़ी चर्चा का विषय रही। गॉर्डन लगभग सात साल बाद फिर से स्कॉटलैंड की जर्सी में नजर आएंगी।

28 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर किर्स्टी गॉर्डन ने 2012 से 2017 के बीच स्कॉटलैंड के लिए 60 मुकाबले खेले थे। इसके बाद उन्होंने 2018 टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के लिए खेलने का फैसला किया था। अब दिसंबर 2025 में स्कॉटलैंड के लिए फिर से खेलने की इच्छा जताने के बाद उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है।

गॉर्डन ने इंग्लैंड के लिए 2018 महिला टी-20 विश्व कप में पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 16 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा 2019 एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच भी खेला था।

स्कॉटलैंड टीम की कप्तानी कैथरीन ब्राइस करेंगी। टीम में पिछले साल मलेशिया में हुए अंडर-19 विश्व कप अभियान से उभरी तीन युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है। इनमें गेंदबाज गैब्रिएला फोंटेनला, मैसी मसेइरा और विकेटकीपर बल्लेबाज पिप्पा स्प्रौल शामिल हैं।

स्कॉटलैंड महिला टीम के मुख्य कोच क्रेग वालेस ने कहा कि टीम का चयन करना बेहद कठिन था, जो स्कॉटलैंड में महिला क्रिकेट के बढ़ते स्तर को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि किर्स्टी गॉर्डन का स्कॉटलैंड लौटना इस बात का संकेत है कि हमारी टीम ने पिछले कुछ वर्षों में कितना विकास किया है। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और उनके आने से टीम का स्तर और ऊंचा होगा।

स्कॉटलैंड लगातार दूसरी बार महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा लेगा। टीम ने अक्टूबर 2024 में यूएई में पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग लिया था। टी-20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को ग्रुप-बी में इंग्लैंड, आयरलैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ रखा गया है। स्कॉटलैंड अपना पहला मुकाबला 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा।

स्कॉटलैंड टीम

कैथरीन ब्राइस (कप्तान), क्लोए एबेल, ओलिविया बेल, सारा ब्राइस, डार्सी कार्टर, प्रियनाज चटर्जी, गैब्रिएला फोंटेनला, कैथरीन फ्रेजर, किर्स्टी गॉर्डन, एल्सा लिस्टर, मैसी मसेइरा, अब्ताहा मकसूद, मेगन मैककोल, रैचल स्लेटर और पिप्पा स्प्रौल।

अपर मुख्य सचिव ने करमा मेडिकल कॉलेज एवं सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी का किया उद्घाटन

नव प्रदेश/कोडरमा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कोडरमा जिले का दौरा किया। इस दौरान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं उप विकास आयुक्त रवि जैन ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। दौरे के क्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने करमा मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा मेडिकल कॉलेज के लेआउट एवं निर्माण प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर का भ्रमण करते हुए निर्माण कार्य के विभिन्न पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। इसके उपरांत उन्होंने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, मॉड्यूलर ओटी, लेबर रूम, एसएनसीयू, वार्ड, पेइंग वार्ड, सीटी स्कैन, एक्स. रे, अल्ट्रासाउंड, हेल्प डेस्क एवं आईसीयू समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधा एवं संतोषजनक इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने सिविल सर्जन को एसएनसीयू में बेड की संख्या बढ़ाने एवं आईसीयू को शीघ्र चालू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन भवनों के कार्य में तेजी लाने तथा जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ. सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने लैबोरेटरी में उपलब्ध जांच सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए। मौके पर संयुक्त सचिव ललित मोहन, निदेशक प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमन कुमार, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार, अंचल अधिकारी चंदवारा अशोक भारती, डीपीएम महेश कुमार समेत चिकित्सक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का दिया निर्देश

नव प्रदेश/कोडरमा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने परिसदन सभागार में जिले के चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सदर अस्पताल सहित विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सकों की पदस्थापना, अस्पताल भवनों की स्थिति, विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सुचारू एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। मौके पर संयुक्त सचिव ललित मोहन, निदेशक प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमन कुमार, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार, अंचल अधिकारी चंदवारा अशोक भारती, डीपीएम महेश कुमार समेत चिकित्सक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

300 किमी दूर प्लांट, फिर कैसे हो रहा मेडिकल वेस्ट का निस्तारण? आरके बसंत ने उठाए बड़े सवाल

नव प्रदेश/कोडरमा। सूचना अधिकार मंच के सचिव आरके बसंत ने जिले के अस्पतालों और नर्सिंग होम से निकलने वाले मेडिकल कचरे के उठाव एवं निस्तारण को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकुड़ की ग्रीनलैंड वेस्ट डिस्पोजल कंपनी के पास न तो वैध पॉल्यूशन सर्टिफिकेट है और न ही नियम अनुसार 75 किलोमीटर के दायरे में निस्तारण प्लांट। कंपनी का प्लांट पाकुड़ जिले के महेशपुर में, कोडरमा से करीब 300 किलोमीटर दूर स्थित है। बसंत ने कहा कि सदर अस्पताल के 100 बेड के एवज में कंपनी को प्रति बेड ?7 का भुगतान किया जा रहा है, बावजूद इसके मेडिकल कचरे का नियमित उठाव नहीं हो रहा। आरोप है कि कचरे को इधर-उधर फेंका जा रहा है, जिससे पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने उपायुक्त और सिविल सर्जन से कंपनी का करार समाप्त कर नियमित निस्तारण व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

कोडरमा जिले में आज आंशिक एवं पूर्ण रूप से रहेगी विद्युत आपूर्ति बाधित

नव प्रदेश/कोडरमा। विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति अंचल, कोडरमा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार डीवीसी द्वारा केटीपीएस स्थित 315 एमवीए, 400/220/33 केवी ग्रिड में आईसीटी.2 के आवश्यक अनुरक्षण एवं तकनीकी निरीक्षण कार्य के लिए दिनांक 12.05.2026 को प्रातः 06:00 बजे से संध्या 08:00 बजे तक इमरजेंसी शटडाउन लिया जाएगा। इस कारण कोडरमा जिले में 50 प्रतिशत लोड रेस्ट्रिक्शन लागू रहेगा। इसके फलस्वरूप गोशाला, साईं, डोमचांच, लोकाई, डाब, मरकच्चो, देवीपुर एवं कुंडीधनवार विद्युत शक्ति उपकेंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। वहीं जिले के सतगावां, जयनगर एवं चंदवारा प्रखंड के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से संध्या 06:00 बजे तक पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। बताया गया कि इस दौरान मसनोडीह डोमचांच से पीहरा ग्राम तक घने जंगलों में 33 केवी मुख्य लाइन से सटे पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई एवं सतगावां-डोमचांच 33 केवी लाइन (लगभग 60 किलोमीटर) का अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चंदवारा, जयनगर प्रखंड एवं हजारीबाग जिले के चलकुशा प्रखंड अंतर्गत 33 केवी एवं 11 केवी संचरण लाइनों का अनुरक्षण तथा लाइन से सटे पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई का कार्य भी किया जाएगा। विद्युत विभाग ने आम उपभोक्ताओं से सहयोग एवं असुविधा के लिए समझदारी बरतने की अपील की है।

रिसोर्स सेंटर में आए शिकायतों के निष्पादन हेतु किया गया बैठक का आयोजन

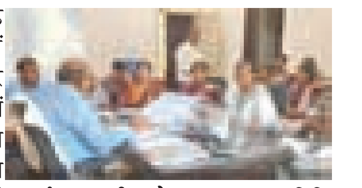

नव प्रदेश/मरकच्चो। प्रखंड स्थित प्रखंड कार्यालय में सोमवार को जेंडर रिसोर्स सेंटर में आए हुए शिकायतों एवं उनके निष्पादन में हो रही समस्या से संबंधित एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर समीक्षा हेतु सलाहकार समिति की बैठक प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मरकच्चो हुलास महतो की अध्यक्षता में की गई। बैठक में प्रखंड प्रमुख मरकच्चो, बाल विकाश परियोजना पदाधिकारी मरकच्चो गीता सोय मौजूद थे। वही बैठक में जेंडर रिसोर्से सेंटर में आए हुए घरेलू हिंसा व अन्य मामलों का चर्चा विस्तार से किया गया। साथ ही वैसे मामले जिसमें आरोपी दूसरे जिला या प्रखंड के हैं। उन्हें नोटिस करने के लिए सलाहकार समिति के द्वारा निर्णय लिया गया। साथ ही साथ जी आर सी के द्वारा पैरालीगल को नोटिश देने का निर्देश दिया गया। ग्राम संगठन स्तर पर बदलाव मंच के बैठक को सुचारू रूप से निर्वाहन कराने का निर्देश दिया गया। वहीं बैठक में डालसा पी एल भी महेश्वरी कुशवाहा, जेएसएलपीएस बीपीएम मरकच्चो सूरज कुमार, जीआरसी पैरालीगल ललिता कुमारी, मनोरमा कुमारी, सभी संकुल के ओ बी मेंबर्स एवं सभी पंचायत के जीसीआरपी बैठक में मौजूद थी।

माहवारी शर्म नहीं, गर्व का विषय मॉडर्न पब्लिक स्कूल में डॉ. शिल्पी काजल ने छात्राओं को किया जागरूक

नव प्रदेश/कोडरमा। झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में स्वस्थ बालिका, सशक्त कल विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पी काजल ने कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं हार्मोनल बदलाव, मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित आहार और एनीमिया से बचाव पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. काजल ने कहा कि माहवारी कोई शर्म नहीं बल्कि सामान्य जैविक प्रक्रिया है और इससे जुड़े अंधविश्वासों को छोड़ वैज्ञानिक सोच अपनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्राओं और महिला शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनका सरल तरीके से समाधान किया गया। विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, हम स्कूल की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी. सी. वर्मा ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किशोरावस्था में बालिकाओं को सही परामर्श मिलना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि छात्राओं के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत झींकपानी कस्तूरबा विद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

पश्चिम सिंहभूम/चाईबासा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए पश्चिम सिंहभूम मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में प्राधिकार के तत्वावधान में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत झिकपानी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें बाल विवाह और बाल सुरक्षा संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की, उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह करना न सिर्फ सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है बल्कि यह कानूनन अपराध भी है, ऐसे में बालिकाओं का जैविक विकास बाधित होता है और वह मानसिक रूप से भी विवाह के लिए तैयार नहीं होते और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, अभी आपके पढ़ने लिखने की और अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण के लिए अध्ययन पर ध्यान देने का उचित समय होता है,

झुमरी तिलैया नगर परिषद ने पेयजल आपूर्ति को लेकर विशेष दल का किया गठन

नव प्रदेश/कोडरमा। उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार बढ़ती गर्मी को देखते हुए नागरिकों को निर्बाध पेयजलापूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु झुमरी तिलैया नगर परिषद द्वारा आवश्यक दिशा. निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार नलों के माध्यम से की जाने वाली जलापूर्ति की क्षमता शत-प्रतिशत बनाए रखने तथा जलापूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होने देने का निर्देश दिया गया है। वहीं जिन क्षेत्रों में नलों के माध्यम से जलापूर्ति नहीं होती है, वहां अधिष्ठापित चापाकलों को चालू हालत में रखने एवं उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में नल अथवा चापाकल से जलापूर्ति संभव नहीं हो पा रही है, वहां टैंकर के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में झुमरी तिलैया नगर परिषद अंतर्गत जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित निष्पादन हेतु एक विशेष दल का गठन किया गया है। गठित दल में नगर प्रबंधक लेगासु कुमार, प्रभारी निरीक्षक राजू राम, पर्यवेक्षक दुलारचंद यादव, उमेश कुमार एवं मुकेश राणा को शामिल किया गया है। नगर परिषद द्वारा जलापूर्ति संबंधी शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर 8987658581 जारी किया गया है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि पेयजल आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना उक्त हेल्पलाइन पर दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

IFS में ऑल इंडिया रैंक. 2 लाने वाले अंशुमन सिंह का ग्रिजली विद्यालय में भव्य सम्मान, छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

नव प्रदेश/कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में यूपीएससी की भारतीय वन सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पूर्व छात्र अंशुमन कुमार सिंह के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वर्तमान में गोवा में डिप्टी कमांडेंट के पद पर कार्यरत अंशुमन ने वर्ष 2011 में सीबीएसई जिला टॉपर बनकर भी विद्यालय का नाम रोशन किया था। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन, निरंतर अध्ययन और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई, समसामयिक घटनाओं की जानकारी और नियमित अभ्यास पर जोर दिया।

विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ ने कहा कि अंशुमन की उपलब्धि पूरे विद्यालय और जिले के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम में उन्हें स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान निदेशक अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं सीओओ तनिष्क सेठ द्वारा अंशुमन कुमार सिंह को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में सुधांशु कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह प्रेरणादायी वातावरण एवं विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

मौत की घाटी में भीषण सड़क हादसा, 9 वाहन टकराए; 14 घायल

हादसा इतना भयावह था कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के जीटी रोड स्थित की दनुआ घाटी में बीती रात भीषण सड़क हादसा हुआ। मौत की घाटी के नाम से चर्चित इस इलाके में तेज रफ्तार के कारण एक के बाद एक कुल 9 वाहन आपस में भिड़ गए। हादसा इतना भयावह था कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि इतनी बड़ी दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। स्थानीय लोग इसे दनुआ घाटी की अब तक की सबसे बड़ी बहु-वाहन दुर्घटनाओं में से एक बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पहले दो भारी वाहनों की टक्कर हुई, जिसके बाद पीछे से आ रही पांच छोटी गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। इसी दौरान दो कंटेनर भी दुर्घटना की चपेट में आ गए। हादसे में धनबाद, बोकारो, गया, रांची और नई दिल्ली के यात्रियों समेत कुल 14 लोग घायल हुए हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय युवा नेता कृष्णा पासवान और ग्रामीणों ने भी राहत कार्य में अहम भूमिका निभाई। क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक अस्पताल चौपारण भेजा गया।

हादसे के बाद अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली भी सामने आई। एक साथ बड़ी संख्या में घायल पहुंचने के बावजूद अस्पताल में कोई एमबीबीएस चिकित्सक मौजूद नहीं था। केवल एक आयुष चिकित्सक के भरोसे इलाज चलता रहा, जिससे परिजनों में नाराजगी देखी गई।

घटना के बाद जेएमएम नेता बीरेंद्र राणा, भाजपा नेता विकास यादव और युवा नेता बिनोद निराला अस्पताल पहुंचे तथा स्वास्थ्य व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। वहीं स्थानीय लोगों ने दनुआ घाटी में सुरक्षा उपाय बढ़ाने, चेतावनी संकेत और नियमित पेट्रोलिंग की मांग उठाई है।

एक नजर

दनुआ के होटलों में पुलिस की छापेमारी, प्रतिबंधित मांस की सूचना पर हुई जांच

नवप्रदेश/चौपारण। थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरदाहा पंचायत के दनुआ स्थित जीटी रोड किनारे संचालित कई होटलों में पुलिस ने सोमवार को छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई बिहार के गया जिले के शरमा बाजार से प्रतिबंधित मांस लाए जाने की गुप्त सूचना के आधार पर की गई। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि टेंपो संख्या बीआर 01 पीएल 9184 से संदिग्ध मांस दनुआ क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के लिए एसआई श्रवण कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर विभिन्न होटलों में जांच कराई गई। पुलिस ने चांद होटल, मदीना होटल, हरियाणा राजस्थान होटल समेत अन्य होटलों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान टेंपो चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई, लेकिन जांच में कोई प्रतिबंधित सामग्री बरामद नहीं हुई। थाना प्रभारी ने जीटी रोड किनारे संचालित सभी होटल संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय सूत्रों के अनुसार छापेमारी से पूर्व संदिग्ध सामग्री को होटल से दूर जमीन में दफन किए जाने की चर्चा भी क्षेत्र में होती रही।

बैंक में महिला से ठगी, रुपये गिनने के बहाने उड़ा ले गया 20 हजार

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के चौपारण स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा में सोमवार को ठगी की एक घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार ग्राम करमा निवासी मीना देवी, पति देवकी पासवान, बैंक से अपने खाते से 49 हजार रुपये की निकासी कर बैंक परिसर में ही बैठकर रुपये गिन रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात युवक उनके पास आकर बैठ गया और बातचीत के दौरान रुपये गिनने में मदद करने लगा। बताया जाता है कि नोटों में एक नोट पर रंग लगा हुआ था, जिसे देखकर युवक ने महिला को नोट बदलवाने की सलाह दी। महिला रंग लगे नोट को बदलवाने के लिए बैंक काउंटर की ओर चली गई। इसी बीच युवक बाकी रखे करीब 20 हजार रुपये लेकर मौके से फरार हो गया। जब महिला वापस लौटी तो युवक गायब मिला और रुपये भी नहीं थे। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार युवक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

पक्की सड़क पर पेवर ब्लॉक का खेल रुका ग्रामीणों के विरोध पर नगर अध्यक्ष ने लगाई रोक

नव प्रदेश/डोमचांच। नगर पंचायत डोमचांच के वार्ड संख्या 5 स्थित शिवसागर तालाब समीप हरिजन टोला में पहले से बनी पीसीसी सड़क पर पेवर ब्लॉक बिछाने की तैयारी का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। लोगों ने कहा कि इलाके में नाली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है, ऐसे में अच्छी सड़क पर दोबारा निर्माण करना सरकारी राशि की बबार्दी है। सूचना मिलने पर नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा मौके पर पहुंचे और निरीक्षण के दौरान पाया कि वहां पहले से पक्की सड़क मौजूद है। इसके बाद उन्होंने जूनियर इंजीनियर को तत्काल काम रोकने का निर्देश दिया। उमेश वर्मा ने कहा कि अधिकारियों की मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी और सबसे पहले नाली निर्माण कराया जाएगा ताकि बरसात में जलजमाव की समस्या खत्म हो सके। साथ ही ग्रामीणों की मांग पर टोला में जलमीनार लगाने का भरोसा भी दिया। आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने संतोष जताया। मौके पर डोमचांच नगर पंचायत उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज सहित स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

जनगणना 2027: डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा ने किया स्व.गणना

नव प्रदेश/डोमचांच। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा ने विशेष पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारियां ऑनलाइन दर्ज कीं। स्व. गणना के बाद नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा ने लोगों से भी इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है और इसके माध्यम से सरकार को जनसंख्या, शिक्षा, आवास, रोजगार तथा सामाजिक. आर्थिक स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से स्व-गणना की सुविधा मिलने से नागरिक अब स्वयं आसानी से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बन गई है। उमेश वर्मा ने कहा कि सभी नागरिकों को सही और पूर्ण जानकारी दर्ज करनी चाहिए, ताकि सरकार को सटीक आंकड़े मिल सकें और विकास योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि भारत की जनगणना 2027 में बढ़. चढ़कर भाग लें और राष्ट्र निर्माण की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाएं।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में तनाव थाना प्रभारी को दिया गया लिखित आवेदन

नव प्रदेश/मरकच्चो। थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बेला निवासी रामदेव पंडित पिता स्व. भुनेस्वर पंडित ने जमीनी निवाद को लेकर दिनांक 7. 4. 2026 को मरकच्चो थाना को दिया लिखित आवेदन अब तक कार्रवाई का होता रहा

इंतजार। वहीं दिए गए आवेदन में आवेदक ने बताया हे की हमारे वंशज दो हिस्सेदार थे। पहला तालों कुम्हार और दूसरा चोलो कुम्हार दोनों के पिता स्व. बालचंद कुम्हार थे। जिसमें तालों कुम्हार के वंशज रामदेव पंडित वगैरा आते हैं और जो खाता 13 प्लॉट 65, 66, 67, 68 में लगातार बिवाद चलते आरहा है । और है दोनों के पूर्वजों द्वारा अदल बदल कियागया था। और मेरे वंश के तालों कुम्हार के खाता 77 प्लॉट ना मालूम कुल रखवा 99के मध्धे साढ़े सोलह डिसमिल जमीन चोलो कुम्हार द्वारा बदलनामा दिया गया था। और चोलो कुम्हार के वंशज बुधन पंडित, टुकलाल पंडित और स्व अमृत पंडित ने तालों कुम्हार के बदलनामा जमीन को किसी अन्य के पास बिक्री करदिया और मेरा बदलनामा जमीन को जबरन पकड़कर रखा है और जबरन उसपर भवन निर्माण कार्य कररहा है। और जब हमलोग मना करने जाते हैं तो उक्त लोग काफी गाली गौज कर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। और पूछने पर उक्त दबंग लोग सीधा जबाब करते हैं की हमलोग जबरन इसी जमीन पर घर बनाएंगे आगे तुमलोगों को जहां जाना है जा सकते हो। वहीं इस बावत मरकच्चो अंचलाधिकारी को भी लिखित आवेदन देने की बातें बताते हुवे आवेदक ने बताया की कोडरमा न्यायालय से उक्त विवादित भूमि पर धारा 163 लगाने हेतु थाना से रिपोर्ट भी मांगा गया है और थाना द्वारा न्यायालय के चिट्ठी को रिसीव भी किया गया है। बावजूद इसके प्रशासन द्वारा न्यायालय को इसका रिपोर्ट नहीं सौंपा जारहा है जबकि उक्त विवादित भूमि पर दिनरात करके निर्माण कार्य जारी है जहां विशेष रूप से तनाव की स्थिति बनिहुई है। जहां आवेदक द्वारा पुलिस प्रशासन पर गम्भीर आरोप भी लगाया जारहा है। वहीं थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी से पूछे जाने पर इस संबंध में स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने बताया की पता करते हैं की आगे क्या हो रहा है।

पुलिस को चुनौती देने वालों को 48 घंटे में जवाब मिल जाएगा : सीएम

- बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाए जाएंगे
- कई अपराधियों का पिंडदान हमारी सरकार करेगी

नवप्रदेश/पटना। सोमवार को दिन पटना के नाला मंदिर पर बनी सड़क का उद्घाटन करते हुए सम्राट चौधरी ने कड़े शब्दों में कहा कि हमने पुलिस के हाथ खोल दिए हैं। अगर पुलिस को कोई चुनौती देता है तो 48 घंटे में जवाब मिलेगा। कोई भी अपराधी अब बच नहीं सकेगा। अगर उद्योग को लाना है तो बिहार में सुशासन को और बेहतर ढंग से स्थापित करना है।

अपराध मुक्त बिहार बनाना है इसके लिए हम कुछ भी करेंगे। इससे समझौता नहीं करेंगे सिएम ने कहा कि कौन अपराधी किया जाति कहां है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बता दे की जहां विपक्ष बिहार में अपराध के मुद्दे पर सरकार को गर्ने की कोशिश कर रहा है वहीं सरकार लगातार कह रही है तथा दवा कर रही है की अपराधियों पर जोरदार प्रहार जारी है। सम्राट सरकार ने महज 18 दिन में है मगध और सरन तक 5 अपराधियों को एनकाउंटर कर चुकी है। इनमें से तीन हाफ तो दो साफ हो गये।

कुछ दिन पूर्व एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपराधियों का पिंडदान किया जाएगा। बिहार में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाए जाएंगे। जहां गया पिंडदान के लिए प्रसिद्ध है। पिंडदान भी होगा। और कुछ लोगों का पंडा दान शुरू भी हो चुका है। बिहार में सुशासन स्थापित करने के लिए ऐसे कई अपराधियों का पिंडदान हमारी सरकार करेगी।। बता दे की 1 15 करोड़ की लागत से पटना के मदिरी नाले पर बनी सड़क का उद्घाटन होने से लोगों में काफी खुशी देखने को मिल रही थी। इस नाले का निर्माण कि मांग लंबे समय से लोगों द्वारा की जा रही थी।

जहां इस सड़क का निर्माण से वार्ड 25, 26 तथा 27 सेमत उत्तरी बिहार की हो जाने वाली लाखों की आबादी को सम सड़क मिलेगी साथ ही साथ बेली रोड पर होने वाली ट्रैफिक दवा भी काम आएगा। जहां राज्य सरकार ने इस सड़क का नाम दिवंगत विधायक नवीन किशोर सिंह के नाम पर रखने का निर्णय लिया है।

देश, धर्म और समाज का हित करना ही सच्ची मानवता : चंदेश्वर

नवप्रदेश/पीरो(भोजपुर)। भगवती मानव कल्याण संगठन के टीम प्रमुख चंदेश्वर योग भारती ने अपने संस्थान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशाखोरी, दहेज प्रथा, वर्गीय भेद-भाव, जातीय विषमता आदि को। दूर कर सुसंस्कृत व समृद्ध समाज की स्थापना को लेकर हम अभियान चला रहे हैं। उन्होंने ये बातें पीरो नगर परिषद की सभापति किरण उपाध्याय और एमएलसी चुनाव के प्रत्याशी मनोज उपाध्याय के आवास पर पंच ज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम के संस्थापक योगेश्वर श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा पीरो के द्वारा आयोजित माता भगवती की पांच घंटे की महाआरती कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा।

यहां आयोजित दिव्य महारती में पीरो नगर परिषद की सभापति किरण उपाध्याय और एमएलसी चुनाव के प्रत्याशी मनोज उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। चंदेश्वर योग भारती के अनुसार इस संगठन द्वारा पूर्ण नशामुक्त, मांसाहार मुक्त समाज के निर्माण हेतु 01 घंटे, 05 घंटे व 24 घंटे का श्री दुर्गा चालीसा पाठ निःशुल्क किया जाता है।

चंदेश्वर योगभारती ने कहा कि परमपूज्य श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने त्रिवेणी से भी पवित्र तीन धाराओं का गठन किया है- पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी, भगवती मानव कल्याण संगठन जो समाज को नशा और मांसाहार से मुक्त चरित्रवान शक्ति साधक बना कर धर्मरक्षा, राष्ट्ररक्षा और मानवता की सेवा के लिए तैयार कर रहे हैं।

एक नजर

बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर बैठक आयोजित

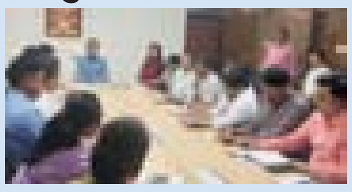

नवप्रदेश/आरा भोजपुर। बिहार विधान परिषद के भोजपुर-सह-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र उप निर्वाचन 2026 के अवसर पर प्रतिनियुक्त सभी जोनल दंडाधिकारी, सुपर जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग बैठक का आयोजन जिला पदाधिकारी, भोजपुर सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सभी दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखी जाए। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि मतदान केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की दिशा सही रहे, ताकि मतदान प्रक्रिया की समुचित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को मतदान केंद्र के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाए। उन्होंने सभी जोनल दंडाधिकारियों को निर्देशित किया कि डिस्पैच के उपरांत सभी मतदान दल सीधे अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर ही पहुंचें तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मतदान दल कहीं अन्यत्र न रुके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, भोजपुर , सभी सुपर जोनल दंडाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी जोनल दंडाधिकारी सहित संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सुहागिनों के लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला वट सावित्री पर्व 16 मई को : तरुण झा

नवप्रदेश/सहरसा। ब्रज किशोर फाउंडेशन एवं ज्योतिष संस्थान के संस्थापक पंडित तरुण झा ने बताया कि ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि को मनाया जाने वाला वट सावित्री व्रत इस वर्ष 16 मई, शनिवार को रखा जाएगा। यह व्रत सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त करने के लिए कठोर व्रत और तप किया था। तभी से वट सावित्री व्रत की परंपरा चली आ रही है। मिथिला में विश्वविद्यालय पंचांग के अनुसार इस वर्ष यह पर्व 16 मई को मनाया जाएगा। पंडित तरुण झा ने कहा कि वट वृक्ष को धार्मिक दृष्टि से देव वृक्ष माना गया है। महिलाएं वट वृक्ष की पूजा कर देवी सावित्री के त्याग, पति प्रेम एवं पतिव्रता धर्म का स्मरण करती हैं। यह व्रत स्त्रियों के लिए सौभाग्य एवं वैवाहिक सुख प्रदान करने वाला माना जाता है। उन्होंने बताया कि नवविवाहित महिलाओं के लिए इस व्रत का विशेष महत्व होता है। पहली बार व्रत करने वाली नवविवाहिता स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कर श्रृंगार करती हैं और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ वट वृक्ष की पूजा के लिए जाती हैं। इस दौरान अन्य महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए उनके साथ चलती हैं। सुहागिन महिलाएं वट वृक्ष में कच्चा धागा बांधकर फल, पकवान एवं पूजा सामग्री अर्पित करती हैं तथा वट सावित्री की कथा सुनती और सुनाती हैं।

यात्री बस व ट्रक में हुई टक्कर, कई घायल

नवप्रदेश/गया। आमस थाना क्षेत्र में राजापुल के नजदीक रविवार की रात जीटी रोड के उतरी लेन पर मगध नामक यात्री बस की टक्कर ट्रक से हो गई। दुर्घटना में बस में सवार कई यात्री साधारण रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें एनएचएआई के डॉ अन्नू व डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने प्राथमिक इलाज किया। डॉक्टरों ने बताया कि इलाज के बाद घायलों की स्थिति में सुधार होने पर छोड़ दिया गया और किसी को अस्पताल भेजने की जरूरत नहीं पड़ी। बताया जाता है कि पीरो से रांची रही बस का संतुलन बिगड़ गई और आगे जा रही ट्रक में पीछे से टकरा गई. बस का अगला भाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इधर ट्रक से हुई टक्कर के बाद बस में सवार पैसेंजरों में अफरातफरी का माहौल बन गया। उनकी चीख पुकार सुन स्थानीय लोग दौड़ पड़े और सहायता में जुट गए। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि पैसेंजरों को दूसरी बस मंगवाकर गंतव्य जगहों के लिए भेज दिया गया।

राजस्व कर्मियों की लंबी हड़ताल समाप्त होने के बाद उन्होंने पुनः योगदान दिया

बेतिया/लौरिया। बेतिया के लौरिया अंचल कार्यालय में 86 दिनों से ठप पड़ा कामकाज सोमवार को फिर से शुरू हो गया। राजस्व कर्मियों की लंबी हड़ताल समाप्त होने के बाद उन्होंने पुनः योगदान दिया और अपना कार्यभार संभाला। इससे आम लोगों ने राहत की सांस ली है। हड़ताल के कारण दाखिल-खारिज, परिमार्जन, रसीद कटान, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र जैसी कई आवश्यक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित थीं। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों को अपने कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचकर भी निराश लौटना पड़ता था। छात्रों, किसानों और अन्य जरूरतमंद लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।कर्मचारियों के वापस लौटने के बाद अंचल कार्यालय में एक बार फिर से गतिविधियां तेज हो गई हैं। लोगों के चेहरों पर राहत और उम्मीद साफ दिखाई दे रही है। नागरिकों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद अब उनके लंबित कार्य पूरे होने की आशा जगी है।लौरिया अंचल अधिकारी नितेश कुमार सेठ ने बताया कि अंचल में कार्यरत सभी राजस्व कर्मियों का योगदान ले लिया गया है। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए हैं, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द राहत मिल सके।योगदान देने वाले राजस्व कर्मियों में मंतोष कुमार, दीपू कुमार, नितीश कुमार, वरुण कुमार चौधरी, नितेश कुमार, अजित कुमार, नवल किशोर दास और अनिल कुमार शामिल हैं। हड़ताल समाप्त होने के बाद अब लोगों को उम्मीद है कि अंचल कार्यालय में पहले की तरह नियमित रूप से कार्य होगा और महीनों से लंबित पड़ी फाइलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा।

पुत्री के लव मैरिज करने पर परिजनों ने जीते जी कर दिया अंतिम संस्कार

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मड़वन के जियन खुर्द गांव के एक अजिब मामला सामने आया है। जहां एक माह पूर्व एक युवती अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई। और परिजनों ने इसकी शिकायत कर्ज थाने में युवती को भागने को लेकर प्राथमिक की दर्ज कराई थी। पुलिस ने युवती को बरामद कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। और न्यायालय में युवती ने अपने आप को बालिक बताते हुए प्रेमी के साथ शादी करने की बात स्वीकारी तथा उसी के साथ रहने की इच्छा जताई। बाद में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने युवती को उसके प्रेमी के घर पहुंचा दिया। लड़की के इस व्यवहार से घर वाले तथा गांव वाले काफी नाराज थे। परिवार वालों पर गांव के लोगों का दबाव पड़ा और बोले की अगर ऐसे मामले में ठोस कदम नहीं उठाया गया तो इलाके की अन्य लड़कियों पर बुरा असर पड़ेगा। यदि उन्हें गांव और समाज में रहना है तो अपनी बेटी का पूरी तरह बहिष्कार करना होगा। फिर क्या समाज और गांव में अपनी जगह बनाए रखने के लिए परिजनों ने बेटी को कागजों और रसों में मृत घोषित किया तथा पछाटी बनाकर पूरे हिंदू रीति रिवाज से उसका दाह संस्कार किया।

बिहार में एटिएम सजती है सैलून की दुकान

नवप्रदेश/पटना। पटना के दानापुर में एक हेयर कटिंग सैलून चर्चा का विषय बना हुआ। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी ही तेजी से वायरल हो रहा है। तथा आप लोग बड़ी उत्सुकता के साथ देख भी रहे हैं तथा वीडियो देखकर हंस रहे हैं और मजे ले रहे हैं। बताते चलेगी यह सैलून रामू नाम का युवक ने खोला है।जिस कोठरी में यह सैलून खुला है। उसमें पहले एसबीआई का एटीएम चलता था। दुकान का पूरा लुक एटीएम वाला ही है। और बाहर में एसबीआई एटीएम का नीला बोर्ड लगा है। और भितर सैलून चल रहा है।जिसका वीडियो बनाकर वायरल किया जा रहा है। अब अपने आप में हैरतअंगेज कि बात है कि जहां कभी पैसे निकालते थे, अब वाहा स्टाइल की दुकान सज रही है।

सिस्टम को हिलाने वाला फरमान जारी

नवप्रदेश/बिहार। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी काम को लेकर ढिलाई और लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारी पर बड़ा फार्मा जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी फाइल को हर हालत में 30 दिनों के भीतर निपटा देना है। अगर इस बीच में फाइल पर आदेश नहीं किया गया तो अगले दिन अधिकारी निलंबित कर दिए जाएंगे। सोमवार को सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजेंद्र यादव, विजय कुमार ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार समेत कई मंत्री और विभागों की अधिकारी मौजूद थे और सभी के मौजूदगी में इस हेल्पलाइन नंबर सहयोग पोटल का शुभारंभ किया गया। आम जन कि समस्या का तुरंत निष्पादन को लेकर सरकार की ओर से यह पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर का शुभारंभ किया गया। उक्त मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अगर 30 दिन के अंदर संबंधित विभाग के अधिकारी लोगों का शिकायत का निष्पादन कर आदेश पारित नहीं करते हैं तो या फाइल लटकते हैं या किसी प्रकार का कोठी पर रखते हैं तो स्वत 31 दिन निलंबित हो जाएंगे।

यूपी के कुशीनगर के रहने वाले हरीनगर शुगर मिल कर्मी की संदिग्ध हुई मौत

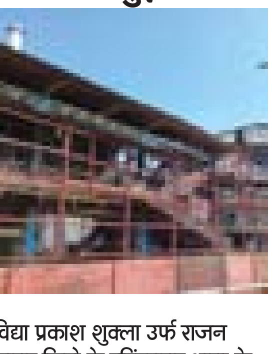

नवप्रदेश/बेतिया। हरीनगर शुगर मिल में कार्यरत,इंजीनियरिंग विभाग के कर्मी, विद्या प्रकाश शुक्ला उर्फ राजन शुक्ला,उम्र 45 वर्ष को मिल बहुवारी स्थित अपनेआवास पर संदिग्ध स्थिति में मृत पाए गए, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला,जो यूपी के कुशीनगर के रहने वाले बताए गए हैं। संवाददाता को पता चला है कि विद्या प्रकाश शुक्ला उर्फ राजन शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के रविंद्रनगर थाना के बेलही शुकुल गांव के निवासी थे। हरीनगर शुगर मिल में इंजीनियरिंग विभाग में वह बॉयलर पर काम करते थे। मिल कॉलोनी में अपने पत्नी और दो बेटे के साथ रहते थे। लगभग एक सप्ताह से उनका परिवार गांव में गया था,वह मिल कॉलोनी स्थित अपनेआवास पर इन दोनों अकेले ही रहते थे। ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह अपने क्वार्टर पर लौट गए थे, रात परिजनों ने जब उनसे मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ बार-बार फोन करने के बाद भी मोबाइल रिसीव नहीं होने से परिजनों की चिंता बढ़ गई, कुशीनगर स्थित उनके गांव से परिजन हरीनगर शुगर मिल में पहुंचे।

पुलिस अनुसंधान कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में गौनाहा थाना अध्यक्ष निलंबित: एसपी

नवप्रदेश/बेतिया। पुलिस प्रशासन में लापरवाही एवं शिथिलता बरतना महंगा पड़ रहा है। पुलिस का कांड के निष्पादन करने में ढलाई बरतने पर भी उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई और निलंबन की कार्रवाई होती रहती है। इसी कारण में संवाददाता को पता चला है कि जिला पुलिस कप्तान डॉक्टर शौर्य सुमन ने गौनाहा थाना अध्यक्ष पुलिस और निरीक्षक सौरभ कुमार को उनके कार्य के लापरवाही और शिथिलता पर रखने में निलंबित कर दिया है। संवाददाता किस बात की जानकारी पुलिस के मीडिया सेट प्रभारी विश्व मोहन चौधरी ने बताया के कांड में लापरवाही और शीतलता के मामले में उन पर यह कार्रवाई हुई है। इसी सप्ताह एसपी नेम पद का दुरुपयोग और कर्तव्य हीनता के मामले में कंगाली थाना अध्यक्ष मोहम्मद लाडली को भी निलंबित किया था। इन दोनों पुलिस पदाधिकारी पर कर्तव्य में लापरवाही व्रतने,पुलिसिया धौंस दिखाने,पद का दुरुपयोग,कर्तव्यहीनता, संदिग्धआचरण केआरोप में निलंबित किया गया है। जिला पुलिस कप्तान के इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गई है,मगर आम जनता में इसकी खुशी का माहौल है।आम जनता ने पुलिस के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है।

उप प्रमुख का हत्या, शव बरामद

नवप्रदेश/आरा भोजपुर। भोजपुर जिले में एक पूर्व समिति सदस्य सह वर्तमान उप प्रमुख के पति की हत्या कर शव फेंके जाने का मामला सामने आया है। घटना भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चवरिया गांव की हैं। वहीं मृतक का शव चवरिया गांव के बधार से बरामद किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही आस पास के इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान गड़हनी थाना क्षेत्र के बगवां गांव निवासी 40 वर्षीय संजीत कुमार उर्फ टंडन के रूप में हुई है। वह पूर्व समिति सदस्य थे और उनकी पत्नी पुष्पा देवी वर्तमान में गड़हनी प्रखंड की उप प्रमुख हैं। जानकारी के अनुसार, संजीत कुमार रविवार को घर से बाहर निकले थे। लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। जिसके बाद परिजनों ने उनकी काफी खोज की , लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। चावरिया बधार में उनका शव बरामद किया गया. घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही नारायणपुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जांच प्रक्रिया शुरू की। वनों घटनासे नाराज ग्रामीणों ने मृतक के गांव बागवा के समीप सासाराम आरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और मृतक की हत्या का आरोप लगाकर नारेबाजी करने लगे भोजपुर जिलेमें 12 मई को बिहार विधानपरिषद के होने वाले उपचुनाव को लेकर मतदान होने वाला है।

मोतिहारी में दिन दहाड़े छात्र की हत्या

नवप्रदेश/मोतिहारी। मोतिहारी सोमवार को दिन कोटवा थाना क्षेत्र के के आर कॉलेज गेट के सामने स्नातक पार्ट 3 का छात्र रितेश कुमार यादव की हत्या अपराधियों ने उसे समय कर दी जब वह परीक्षा दे कॉलेज गेट से बाहर निकाल। तो घात लगाए सरोज राय ने उसे पर ताबड़तोड़ चाकू से प्रहार कर दिया। जिससे रितेश की घटना स्थल पर मौत हो गई। आरोपी रितेश पर एक नहीं 15 बार चाकू से धोपा। वही इस घटना से छात्रों और लोगों में अफरा तफरी मच गई। ताजब कि बात अपराधी घटना को अंजाम दे रहा था और सभी लोग तमासिन बनकर तमाशा देख रहे थे।भिड का फायदा उठाकर अपराधी भाग गया। सूचना पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का दौरा किया और जहां आवश्यक कार्यवाही का निर्देश भी दिए। प्रथम दृष्टया आपसी विवाद का लग रहा है। इस संबंध में पुलिस कप्तान सवण प्रभात का कहना है कि आरोपी की पहचान कर ली गई है।

'सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100' एवं 'सहयोग पोर्टल' का शुभारंभ

नवप्रदेश/आरा भोजपुर। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'सबका सम्मान, जीवन आसान' के अंतर्गत आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान हेतु आज माननीय मुख्यमंत्री बिहार श्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना में आयोजित कार्यक्रम में 'सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100' एवं 'सहयोग पोर्टल' का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का भोजपुर जिला मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया, जिसमें जिला पदाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक भोजपुर श्री राज एवं उप विकास आयुक्त भोजपुर गुंजन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी जुड़े रहे।सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 प्रतिदिन प्रातः 08:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक संचालित रहेगी, जहां आम नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त नागरिक सहयोग पोर्टल sahyog.bihar.gov.in पर कभी भी ऑनलाइन परिवाद/आवेदन दर्ज कर सकेंगे, जिससे घर बैठे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। आवेदन दर्ज होने के उपरांत आवेदक को तत्काल रसीद/पावती प्राप्त होगी, जिसके माध्यम से वे अपने आवेदन की स्थिति एवं निष्पादन की प्रगति को ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे। साथ ही शिकायतों के निष्पादन के उपरांत आवेदक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन फीडबैक एवं टिप्पणी भी दर्ज कर सकेंगे, जिससे शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाया जा सकेगा।

राज्य सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि प्राप्त परिवादों का समयबद्ध निष्पादन किया जाए तथा परिवाद दर्ज होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर निष्पादन की सूचना आवेदक को उपलब्ध कराई जाए।

निशांत के विभाग के सचिव बने कुमार रवि

नवप्रदेश/बिहार । बिहार में सरकार गठन होने के बाद मुख्यमंत्री ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। जिसमें 12 आईएस अधिकारी भी शामिल है। सचिवालय में कार्यरत कई अधिकारियों को दूसरे विभाग में भेजा गया है। वही कई विभागों की सचिव और प्रधान सचिव, अपर सचिव बदल दिए गए हैं। जहां स्वास्थ्य विभाग के मंत्री निशांत कुमार की विभाग के नए सचिव कुमार रवि को बनाया गया है। रवि कुमार अब तक मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव पद तैनात थे। कुमार रवि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद अधिकारियों में से जाने जाते हैं। और नीतीश कुमार के रहते उनकी पोस्टिंग सचिवालय में हुई थी। अब जब निशांत कुमार स्वास्थ्य विभाग के मंत्री बने हैं, तो कुमार रवि को उक्त विभाग का सचिव बना दिया गया है। और इस बात को लेकर राजनीतिक गलियांरो में चर्चा का विषय बना हुआ है। आईएएस कुमार रवि नीतीश कुमार की गृह जिला नालंदा के रहने वाले हैं। तथा जाति से कुर्मी है। साल 2003 में वे आईआर एस अधिकारी बने। तथा 2005 में आईएएस अधिकारी बने। गया, पटना दरभंगा समेत कई जिलों के डिएम भी रह चुके हैं।

कुमार रवि भवन निर्माण विभाग के सचिव भी रहे हैं तथा उन्हें नीति निर्माण और योजना प्रबंधन का अच्छा अनुभव है। अब वे स्वास्थ्य मंत्री के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे। वहीं स्वास्थ्य मंत्री का पदभार ग्रहण करते हैं स्वास्थ्य मंत्री ने के निर्देश अपनी कार्य योजना की मनसा को जाता दिया था।

पटनवा कला में 15वां श्री हनुमान महोत्सव संपन्न

भव्य जागरण व भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया

नवप्रदेश/डेहरी/पटनवा कला। पटनवा (कला) स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित 15वां दो दिवसीय श्री हनुमान महोत्सव का भव्य शुभारंभ शनिवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को 11 श्रीरामचरितमानस एवं हरिकीर्तन की पूणार्हुति वाराणसी के आचार्य पंडित ब्रजेश तिवारी, अनिल पांडेय, धीरज उपाध्याय, उमेश पांडेय एवं दिनेश पांडेय के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर विशाल भंडारा एवं भव्य जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव के दूसरे दिन जागरण की शुरूआत मां गंगा की आरती से हुई।

वहीं विनय बिहारी मृदुल ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर भक्तिमय माहौल बना दिया। अमर तिलक धारी ने भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। इसी क्रम में अंजली भारद्वाज ने मां भगवती के भक्ति गीत प्रस्तुत किए। प्रेम मेहरा दिल्ली वाले ने हनुमान जी के भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

वहीं अर्चना गोस्वामी ने भी अपने भक्ति गीतों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद महाकाल की भव्य आरती की गई, जिसकी प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। आकर्षक विद्युत सज्जा एवं फूलों से सजे मंच ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राम सेवक समिति के अध्यक्ष विजय सिंह उर्फ भोला जी की अगुवाई में आयोजित इस दो दिवसीय हनुमान महोत्सव में डेहरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजीव रंजन सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

समिति के अध्यक्ष विजय सिंह एवं सीए संजय कुमार सिंह ने महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग करने वाले समिति के सक्रिय सदस्यों राम कुमार तिवारी, चंदन, संजीत, सुनील, अखिलेश, पंकज कुमार, प्रवीण कुमार, विक्रम, देव नारायण दास त्यागी, शंभू सहित सभी ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

नवप्रदेश/ सूर्यपुरा। प्रखंड मुख्यालय के सदर पंचायत अंतर्गत पश्चिम मोहल्ला स्थित शिव मंदिर के पास कृष्णानंद जी महाराज के मंगलानुशासन में श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ अनुष्ठान के पांचवे दिन श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में प्रवचन कर्ता यतींद्र शास्त्री जी महाराज ने श्री शिव महापुराण कथा के अनुसार कहा कि पहले शिवलिंगा कैसे प्रकट हुए? तथा प्रथम शिवलिंग की पूजा किसने की? प्रवचन कर्ता यतींद्र शास्त्री जी ने कहा कि सर्व प्रथम शिव लिंग की उत्पति ब्रह्मा एवं विष्णु के मध्य हुए विवाद के कारण हुआ. जब ब्रह्मा एवं विष्णु ने अपने आप को श्रेष्ठ साबित करने के लिए जब युद्ध किया. तो उस युद्ध से संपूर्ण ब्रह्मांड नष्ट हो सकता था। किंतु सभी देवतागण महादेव जी के शरण में जाकर वंदन प्रार्थना किया. और ब्रह्मा, विष्णु के बीच हुए विवाद को बताया. उसके भगवान शिव ने ब्रह्मा एवं विष्णु के मध्य हुए विवाद को रोकने के लिए एक अग्नि स्तंभ के रूप में प्रकट हुए और यही भगवान शिव का पहला शिवलिंगा अवतार है. और उसके बाद ब्रह्मा एवं विष्णु आपस की विवाद भूलकर उस अग्नि स्तंभ के ऊपर और नीचे जाने लगे. ताकि उसके आदि और अंत की जानकारी प्राप्त कर सकें.लेकिन फिर भी किसी को उसका आदि एवं अंत नहीं मिला. इसके बाद जब ब्रह्मा एवं विष्णु अपने युद्ध क्षेत्र से वापस आए तो फिर विष्णु ने सत्य बोला कि मुझे इसका अंत नहीं मिला है. और ब्रह्मा जी ने झूठ बोला कि मुझे इसका आदि मिल गया है. वहीं इस बात को सुनकर के श्री हरि विष्णु ने ब्रह्मदेव की पूजा करनी चाहि तो इस समय महादेव प्रगट हो गए और ब्रह्मदेव की पांचवें सर को जो झूठ बोल रहा था उसको काट दिया फिर ब्रह्मदेव एवं विष्णु भगवान ने मिलकर प्रथम भगवान शिव के उसे शिवलिंग की पूजा के इस समय से संपूर्ण ब्रह्मांड में शिवलिंग की पूजा की जाती है।

संक्षिप्त खबरें

अमित शाह से मिले उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को यहां केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि बैठक में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने, कामकाज के नियम, आरक्षण के युक्तिकरण तथा शासन-प्रशासन और जनकल्याण से जुड़े अन्य अहम विषयों पर विस्तार से बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सुरक्षा और आर्थिक स्थित पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में स्थायी शांति, स्थिरता और समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों और सुरक्षा प्रबंधों पर भी चर्चा हुई।

एक जुलाई से लागू होगा वीबी-जी राम जी अधिनियम, मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास एवं रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से ह्यविकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी। यह नया कानून एक जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)-2005 निरस्त माना जाएगा। सरकार के मुताबिक इस योजना के तहत एक जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले लोगों को अब साल में 100 नहीं बल्कि 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। इस बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम एक जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान में कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा। राज्यों से व्यापक स्तर पर सलाह-मशविरा कर नियम बनाने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन सरकार की चिंता यह है कि ट्रांजिशन पीरियड में कोई भी मजदूर भाई-बहन रोजगार से वंचित न हो और इसकी संपूर्ण व्यवस्था कर दी गई है।

केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है सनातनः योगी आदित्यनाथ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 1000 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी सहित अन्य विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण कर उसके वैभव को खंडित करने का प्रयास किया था। क्योकि उन्हें यह भ्रम था कि मूर्तियों को खंडित करके इसके वैभव को लूट कर भारत की सनातनी आत्मा को सदैव के लिए समाप्त कर सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। मुख्यमंत्री सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के त्रयंबकेश्वर बहुउद्देशीय हाल में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए विदेशी आक्रांताओं के हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि सिर्फ सोमनाथ महादेव मंदिर पर ही नही भारत के हजारों धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के साथ काशी विश्वनाथ धाम पर भी हमला हुआ। इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं।

शुभेंदु अधिकारी की पहली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला, बीएसएफ को मिलेगी जमीन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार को राज्य सचिवालय नवान्न में हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की प्रशासनिक दिशा, सुशासन, सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन और संवैधानिक शासन व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कई बड़े फैसले किए हैं। इनमें से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर 45 दिनों में भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का बड़ा निर्णय शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ह्नसुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकारह्न की जो नई यात्रा शुरू हुई है, वह देश के अन्य भाजपा शासित राज्यों के विकास मॉडल का अनुसरण करेगी। उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के आदर्श को अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि नई सरकार लोगों की सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। बैठक में राज्य के मतदाताओं, प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद और बधाई दी गई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले पार्टी के 321 कार्यकताओं को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन सभी के परिवारों की हर संभव सहायता करेगी और राजनीतिक हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीमा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बीएसएफ को आवश्यक भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का निर्णय लिया गया। भूमि एवं राजस्व सचिव तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। कैबिनेट बैठक में पश्चिम बंगाल सरकार ने आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय के सलाहकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला अधिकारियों को सभी आवेदन शीघ्र केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है। बैठक में प्रशासनिक सुधार के तहत आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रशिक्षण प्रणाली से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अनुरूप पश्चिम बंगाल को पूरी तरह समायोजित करने का निर्णय लिया गया है। युवाओं के रोजगार अवसर बढ़ाने के लिए सरकारी नौकरियों में आवेदन की अधिकतम आयु सीमा 5 वर्ष बढ़ाने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि पिछली सरकार ने जनगणना संबंधी केंद्रीय गृह मंत्रालय के 16 जून 2025 के निर्देश को लंबे समय तक लागू नहीं किया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने उसे तुरंत लागू कर दिया है।

देश का दूसरा एमएलएफएफ टोल प्लाजा हुआ चालू

दिल्ली में नितिन गडकरी ने शुरू की बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को दिल्ली के यूईआर-क्क पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यह देश में इस प्रकार की दूसरी प्रणाली है। इससे पहले 2 मई को गुजरात के एनएच-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर इसे लागू किया गया था।
उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, अजय टम्टा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदौलिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव मौजूद रहे।
गडकरी ने कहा कि पहले टोल प्लाजा पर लंबी कतारें लगती थीं, जिससे यात्रियों को एक-एक घंटे तक रुकना पड़ता था। इससे न केवल समय की बबार्दी होती थी बल्कि वाहनों को बार-बार गियर बदलने और इंजन चालू रखने से ईंधन की खपत भी बढ़ती थी। नई प्रणाली से इन समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपदा में बदलना ही भविष्य है और तकनीक के उपयोग से राजस्व संग्रह में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है। गडकरी ने कहा कि पहले टोल संग्रह से मंत्रालय की आय 40-45 हजार करोड़ रुपये थी, जो फास्टैग लागू होने के बाद 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अब एमएलएफएफ प्रणाली से दो बड़े फायदे होंगे। पहला, टोल संग्रह की लागत 15 फीसदी से घटकर केवल 4 फीसदी रह जाएगी, जिससे हर साल लगभग 5-6 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। दूसरा, चोरी और राजस्व रिसाव पूरी तरह बंद हो जाएगा, जिससे 12-15 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा।

टोल संग्रह मंत्रालय की आय फास्टैग लागू होने के बाद 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचा

उन्होंने कहा कि मंत्रालय दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर रहा है और वहां से निकले कचरे का उपयोग हाईवे निर्माण में किया जा रहा है। प्लास्टिक, ग्लास और मेटल को अलग करके सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा रहा है। पराली की समस्या से निपटने के लिए भी काम हो रहा है। आईसीआईसीआई संस्था ने पराली से बायो-बिटुमिन तैयार किया है। अब प्रयास है कि पेट्रोलियम बिटुमिन में 30 फीसदी बायो-बिटुमिन, 7 फीसदी वेस्ट प्लास्टिक और 15 फीसदी लूज रबर मिलाकर मानक बिटुमिन तैयार किया जाए। इससे प्रदूषण कम होगा, आयात पर निर्भरता घटेगी और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।
उन्होंने कहा कि एमएलएफएफ प्रणाली में वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने या गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं होगी। हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर), रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी), रडार, लिडार और फास्टैग आधारित डिजिटल नेटवर्क के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी। वाहन के गुजरते ही उसके फास्टैग खाते से स्वतः टोल शुल्क कट जाएगा।
गडकरी ने कहा कि एमएलएफएफ प्रणाली केवल गति और सुविधा के बारे में नहीं है, बल्कि यह लागत बचत और दक्षता बढ़ाने का बड़ा कदम है। अध्ययनों के अनुसार इससे हर वर्ष लगभग 285 करोड़ रुपये की ईंधन बचत होगी, 81 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और लाखों घंटे का यात्रा समय बचेगा। इससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में भी बड़ा सुधार होगा।
उन्होंने कहा कि डिजिटल पेमेंट और यूपीआई से टोल भुगतान आसान और सस्ता होगा। कैश लेनदेन बंद होगा, जिससे 100 फीसदी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही सालाना पास की व्यवस्था भी शुरू की गई है। 3000 रुपये में पास उपलब्ध होगा, जिससे औसतन 200 टोल पर केवल 15 रुपये प्रति टोल देना होगा। यह व्यवस्था आर्थिक बचत और सुगम यात्रा दोनों सुनिश्चित करेगी।
गडकरी ने कहा कि एमएलएफएफ टोलिंग डिजिटल इंडिया और स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह प्रणाली न केवल यात्रियों को सुविधा देगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और राजस्व वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान करेगी।
एनएचएआई के अनुसार यह प्रणाली पूरी तरह बैरियर-लेस होगी और किसी प्रकार के फिजिकल गेट या मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी। वाहन सामान्य गति से बिना रुके टोल प्लाजा पार कर सकेंगे। इससे लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी। लगातार गति से वाहन चलने के कारण यात्रा समय घटेगा, ईंधन की बचत होगी और उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

नई श्रम संहिताओं पर खरगे ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा नई श्रम संहिताओं को अधिसूचित किए जाने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन श्रम संहिताओं को मजदूर-विरोधी बताते हुए सरकार पर श्रमिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया है।
खरगे ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद राजपत्र अधिसूचनाओं के जरिए चार नई श्रम संहिताओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों से ह्यहायर एंड फायरह्न की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है और करोड़ों श्रमिकों की नौकरी सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।
कांग्रेस अध्यक्ष ने वेतन संहिता 2019 पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मूल वेतन को कुल वेतन का 50 प्रतिशत अनिवार्य करने से कर्मचारियों के हाथ में आने वाली राशि प्रभावित हो सकती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता 2020 को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को आपराधिक दायरे से बाहर करने से श्रमिक हित प्रभावित हो सकते हैं।
सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 पर कांग्रेस ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए स्पष्ट लाभ व्यवस्था नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जोमैटो, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले गिग मजदूरों के लिए बीमा या फंडिंग का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है। 90 प्रतिशत असंगठित मजदूरों के लिए ये लाभ केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गए हैं।
औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के तहत हड़ताल से पहले नोटिस अवधि बढ़ाने और 300 कर्मचारियों तक की इकाइयों में छंटनी संबंधी प्रावधानों को लेकर भी विपक्ष ने चिंता जताई है। खरगे ने कहा कि हड़ताल से पहले 60 दिन का नोटिस अनिवार्य कर दिया गया है। अब 300 कर्मचारियों वाली कंपनियां बिना सरकारी अनुमति के छंटनी कर सकेंगी जबकि पहले यह सीमा 100 कर्मचारियों तक की इकाइयों पर लागू थी।
खरगे ने कहा कि कांग्रेस न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, मनरेगा के विस्तार, असंगठित श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा और ठेका प्रथा पर नियंत्रण जैसे मुद्दों के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑपरेशन सिंदूर' की याद में सैनिकों ने नई दिल्ली में लगातार लगाई 88 घंटे दौड़

वायु सेना, सेना, नागरिक स्वयंसेवकों के 600 धावकों ने इस दौड़ में भाग लिया

नई दिल्ली। पिछले साल पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह पर भारतीय वायु सेना ने नई दिल्ली में 88 घंटे लगातार दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सभी कमानों से कुल 600 धावकों ने भाग लिया।
इस दौड़ को 7 मई को सुबह 1:05 बजे एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) ने इंडिया गेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन 10 मई को शाम 5:00 बजे एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। यह दौड़ 88 घंटे तक चलने वाली निरंतर रिले प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसमें असैनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक स्वयंसेवकों ने भी दौड़ में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वायु सेना के बैंड ने भी 10 मई को नेहरू पार्क में सुबह 6:30 से सुबह 8:00 बजे तक लाइव प्रस्तुति दी।
इसका रूट दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थलों से होकर गुजरा, जिनमें इंडिया गेट, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, वायु सेना मुख्यालय वायु भवन, नेहरू पार्क और न्यू मोती बाग रोड शामिल हैं। इस दौड़ का उद्देश्य भारतीय वायु सेना के कर्मियों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना और साथ ही भारतीय रक्षा बलों की आम लोगों तक पहुंच और उपस्थिति को बढ़ाना था। 'ऑपरेशन सिंदूर यादगार श्रृंखला दौड़' का सफल आयोजन न केवल भारतीय वायु सेना के संचालन के इतिहास के महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि आम लोगों की भागीदारी के माध्यम से हासिल की गई उत्कृष्ट टीम वर्क का भी प्रमाण है।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था व मानव विकास पर संकट के बादल-रिपोर्ट

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है।
यूएनडीपी की ह्नमिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्टः ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रॉस एशिया एंड द पैसिफिकह्न शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फॉस्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, ह्ननेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। करीब 80 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक खाड़ी देशों और मलेशिया जाते हैं। यदि व्यवधान जारी रहा, तो श्रमिक आवाजाही में कमी आने से रेमिटेंस पर निर्भर परिवारों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं।ह्व
यूएनडीपी के विश्लेषण के अनुसार, रेमिटेंस और कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कम होगी, जिससे एचडीआई के आय संबंधी सूचक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों पर भी असर पड़ेगा। रिपोर्ट में 2013 से 2023 के बीच मानव विकास में हुई प्रगति को आधार बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि बाहरी झटकों से निपटने के लिए मजबूत नीतिगत व्यवस्था की कमी के कारण खाड़ी संघर्ष का असर दक्षिण एशिया में अधिक होगा, जबकि पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया तुलनात्मक रूप से कम प्रभावित होंगे। अर्थशास्त्री पुष्कर बज्राचार्य के अनुसार, संघर्ष लंबा चलने पर मुद्रास्फीति, आर्थिक वृद्धि, व्यापार और पर्यटन प्रभावित होंगे तथा परिवारों की उपभोग क्षमता घटेगी। उन्होंने कहा, ह्नआर्थिक वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत तक गिर सकती है, जो नेपाल के पिछले 70 वर्षों की औसत 4 प्रतिशत वृद्धि दर से कम है।ह्व उन्होंने अगले दो वर्षों तक आर्थिक वृद्धि धीमी रहने और गरीबी बढ़ने की चेतावनी भी दी। बज्राचार्य ने कहा, ह्नजनसंख्या का बड़ा हिस्सा पहले से ही गरीबी रेखा के नीचे है। एक बड़ा झटका और अधिक लोगों को गरीबी में धकेल सकता है।ह्व उनके अनुसार, यदि संघर्ष लंबा चला तो 25 से 33 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे पहुंच सकती है।
रिपोर्ट के अनुसार, रेमिटेंस घटने से परिवारों की आय कमजोर होगी और क्रय शक्ति कम होगी। नेपाल के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक के आंकड़ों के अनुसार नेपाल को मिलने वाले कुल रेमिटेंस का लगभग 40 प्रतिशत खाड़ी देशों से आता है। चालू आर्थिक वर्ष के पहले आठ महीनों में नेपाल को 1 खर्ब 88 अरब रुपये का रेमिटेंस प्राप्त हुआ। पिछले आर्थिक वर्ष में कुल 1 खर्ब 70 अरब रुपये रेमिटेंस मिला था, जिसमें 67 अरब 30 करोड़ रुपये खाड़ी देशों से आए थे। पश्चिम एशिया के कतर, साउदी अरब, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में करीब 19 लाख नेपाली श्रमिक कार्यरत हैं। हर वर्ष विदेश रोजगार के लिए जाने वाले लगभग 7 लाख नेपाली नागरिकों में से करीब 4 लाख 50 हजार खाड़ी देशों में जाते हैं। यूएनडीपी के अनुसार, ईंधन की कीमत बढ़ने से जीवनयापन की लागत बढ़ रही है, जिससे गरीब और गरीबी के करीब रहने वाले परिवारों पर अधिक दबाव पड़ रहा है।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

गिर सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था।
गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा, ह्न11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है।
उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा, दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती।
प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था, क्योंकि शिव और शक्ति की आराधना भारत की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यही विचार देश की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रेरणास्त्रोत बना।
मोदी ने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का पर्व है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 1951 में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के जरिए दुनिया को संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा सत्र : मुख्यमंत्री विजय के अंदाज, सत्ता-विपक्ष की नई तस्वीर और अन्नाद्रमुक की अंदरूनी कलह बनी चर्चा का केंद्र

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद गठित 17वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार सुबह 9:30 बजे शुरू हुआ। नई सरकार के गठन के बाद आयोजित इस महत्वपूर्ण सत्र में कुछ एक को छोड़कर सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ता और विपक्ष के नए राजनीतिक समीकरणों के साथ-साथ अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में बढ़ती अंदरूनी खींचतान भी चर्चा का प्रमुख विषय बनी रही।
प्रोटेम स्पीकर करुप्पैय्या ने सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि जो विधायक किसी कारणवश सोमवार को शपथ नहीं ले सके, उन्हें मंगलवार को शपथ ग्रहण का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव मंगलवार को कराया जाएगा। इसके बाद दिनभर की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।
तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में फिलहाल एक सीट रिक्त है। तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से विधायक चुने गए जोसेफ विजय के इस्तीफे के बाद सदन में 233 विधायक मौजूद रहे। इसके बाद सभी निर्वाचित सदस्यों ने विधिवत शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी की।
विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी विधायकों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र साथ लाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि मंत्री कीर्तना अपना विजय प्रमाणपत्र लाना भूल गईं, जिसके कारण वह विधायक के रूप में शपथ नहीं ले सकीं। वहीं के.सी. करुप्पनन भी गलत प्रमाणपत्र लेकर पहुंचने की वजह से शपथ प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए।
इस बीच तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री जोसेफ विजय एक बार फिर अपने पहनावे को लेकर चर्चा में रहे। मुख्यमंत्री पद की शपथ के दौरान उन्होंने पारंपरिक सफेद शर्ट और वेष्टी के बजाय काले रंग का आधुनिक कोट-सूट पहनकर सबका ध्यान आकर्षित किया था। सोमवार को विधानसभा सत्र में भी वह उसी अंदाज में नजर आए।
दरअसल, तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय से पारंपरिक परिधान का प्रभाव रहा है, लेकिन विजय की ह्नपावर ड्रेसिंगह्व शैली को आधुनिक राजनीतिक छवि के रूप में देखा जा रहा है। विधानसभा में उनके काले कोट-सूट की चर्चा राजनीतिक गलियारों में पूरे दिन होती रही।
विधानसभा सत्र का सबसे दिलचस्प दृश्य तब देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री जोसेफ विजय और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन सदन में आमने-सामने बैठे दिखाई दिए। एक ओर सरकार का नेतृत्व कर रहे युवा मुख्यमंत्री थे, तो दूसरी ओर सरकार को घेरने की जिम्मेदारी संभाल रहे विपक्ष के नेता। लगभग समान आयु वर्ग के इन दोनों नेताओं की मौजूदगी ने तमिलनाडु की राजनीति में नई पीढ़ी के नेतृत्व और भविष्य की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को लेकर चचाओं को और तेज कर दिया।
उधर, विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद प्रमुख विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। पार्टी के भीतर बढ़ती असहमति ने राजनीतिक हलकों में हलचल तेज कर दी है और अन्नाद्रमुक अब विभाजन के संकट से जूझती नजर आ रही है।
राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलग वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार को समर्थन देने के मुद्दे पर पार्टी दो धड़ों में बंट गई है। 47 सीटें जीतने वाली अन्नाद्रमुक के लगभग 36 विधायक एडप्पाडी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) के नेतृत्व के खिलाफ बगावती रुख अपनाए हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये विधायक विश्वास मत के दौरान विजय सरकार का समर्थन करने के पक्ष में हैं।
बागी गुट का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन पार्टी की हार का बड़ा कारण बना। इसी वजह से कई विधायक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होकर टीवीके सरकार को समर्थन देने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।
अन्नाद्रमुक में विधायक दल के नेता के चयन को लेकर भी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ईपीएस समर्थकों और बागी गुट के बीच तीखी खींचतान जारी है, जिसके कारण अब तक विधायक दल के नेता का आधिकारिक चयन नहीं हो सका है।
हालांकि, एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक विधायक दल का नेता बनाए रखने के समर्थन में 17 विधायकों ने विधानसभा सचिव और अस्थायी अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है। इससे स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर संघर्ष आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)